हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● सोमवार ● 30.06.2025 ● वर्ष : 15 ● अंक : 336 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

'मन की बात' में प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल को बताया लोकतंत्र की हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में आपातकाल की 50वीं बरसी पर उसके काले अध्याय को याद किया और कहा कि यह सिर्फ संविधान की हत्या नहीं थी, बल्कि न्यायपालिका को भी गुलाम बनाने का प्रयास था। उन्होंने उन हजारों लोगों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने अत्याचारों का सामना करते हुए लोकतंत्र की रक्षा की। प्रधानमंत्री ने आज 'मन की बात' कार्यक्रम के 123वें एपिसोड में अनेक विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने हाल के दिनों में देश में हुए सकारात्मक बदलावों, सांस्कृतिक पर्वों, सामाजिक सहभागिता, महिलाओं की प्रगति, पर्यावरण संरक्षण और भारत की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए देशवासियों को गर्व और प्रेरणा का अनुभव कराया। प्रधानमंत्री ने आपातकाल की 50वीं बरसी पर लोकतंत्र की रक्षा में जुटे लोगों को याद किया। मोदी ने कहा कि 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया। आप कल्पना कर सकते हैं कि वह दौर कैसा था। आपातकाल लगाने वालों ने ना सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी गुलाम बनाए रखने का था। इस दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया था। इसके ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई, बाबू जगजीवन राम और अटल बिहारी वाजपेयी के पुराने ऑडियो भी साझा किए, जिनमें उन्होंने उस दौर की भयावहता को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि जॉर्ज फर्नांडिस साहब को जंजीरों में बांधा गया था। अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गई। मीसा के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। छात्रों को भी परेशान किया गया। अभिव्यक्ति की आजादी का भी गला घोंट दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उस दौर में जो हजारों लोग गिरफ्तार किए गए उन पर ऐसे ही अमानवीय अत्याचार हुए लेकिन यह भारत की जनता का सामर्थ्य है कि वो झुकी नहीं, टूटी नहीं और लोकतंत्र के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं किया। आखिरकार, जनता-जनार्दन की जीत हुई-आपातकाल हटा लिया गया और आपातकाल थोपने वाले हार गए। मोदी ने कहा, यह भारत की जनता का सामर्थ्य था कि वो झुकी नहीं, टूटी नहीं और लोकतंत्र के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं किया। 25 जून को लागू किए गए आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर केंद्र सरकार द्वारा इसे संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया गया। मोदी ने कहा कि देश पर आपातकाल थोपे जाने के 50 वर्ष कुछ दिन पहले ही पूरे हुए हैं। हम देशवासियों ने 'संविधान हत्या दिवस' मनाया है। हमें हमेशा उन सभी लोगों को याद करना चाहिए, जिन्होंने आपातकाल का डट कर मुकाबला किया था। इससे हमें अपने संविधान को सशक्त बनाए रखने के लिए निरंतर सजग रहने की प्रेरणा मिलती है। प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की भव्यता का वर्णन करते हुए बताया कि इस बार योग दिवस पर तीन लाख लोगों ने विशाखापत्तनम के समुद्र तट पर एक साथ योग किया। दो हजार से अधिक आदिवासी छात्रों ने 108 मिनट तक सूर्य नमस्कार किए। दिल्ली में यमुना के किनारे योग को स्वच्छता के संकल्प से जोड़ा गया। हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर नौसेना के जहाजों तक, योग हर जगह हुआ। इस बार की थीम ह्यएक धरती, एक स्वास्थ्यह्ल को उन्होंने वैश्विक एकता और भारतीय संस्कृति का सन्देश बताया।

पुरी में गुंडिचा मंदिर के पास भगदड़, तीन श्रद्धालुओं की मौत, 50 से अधिक घायल

एजेंसी

भुवनेश्वर : पुरी के गुंडिचा मंदिर के पास स्थित सरधाबली क्षेत्र में रविवार तड़के भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए। यह हादसा सुबह करीब 4:20 बजे उस समय हुआ जब पहुड़ा अनुष्ठान के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान

जगन्नाथ एवं उनके भाई-बहन के दर्शन के लिए उमड़ पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भगदड़ उस समय मची जब चारमाला ले जा रहे दो ट्रक भीड़ के बीच प्रवेश कर गए, जिससे अफरातफरी का माहौल बन गया और लोग इधर-उधर भागने लगे। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जिन तीन श्रद्धालुओं की मौत हुई है, उनकी पहचान प्रभाती दास, बसंती साहू और प्रेमकांत मोहंती के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों और चश्मदीदों ने सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि हादसे के समय मौके पर कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था, जिससे भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। प्रशासन द्वारा घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

उत्तरकाशी में भूस्खलन, नौ श्रमिक लापता, दो के शव बरामद

एजेंसी

देहरादून : उत्तरकाशी ज़िले के पालीगाड़ क्षेत्र में बादल फटने और भूस्खलन की बड़ी घटना के बाद मलबे में दबे नौ श्रमिकों में से अब तक दो के शव बरामद कर लिए गए हैं। सात श्रमिकों की तलाश अभी भी जारी है। उत्तरकाशी जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, पालीगाड़ से 4 किमी आगे सिलाई बैंड के पास अतिवृष्टि और बादल फटने के कारण निमार्णाधीन होटल के निकट बने शेड में रह रहे 29 श्रमिकों में से 20 का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। 9 लापता श्रमिकों

में से दो के शव बरामद हुए हैं। घटना स्थल पर एसडीआरएफ की 15, एनडीआरएफ की 20 सदस्यीय टीम, 02 डॉग स्कॉड मय उपकरण, आईटीबीपी मातली की स्पेशल-22 सदस्यीय दल, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग की संयुक्त टीम खोज एवं बचाव का कार्य में जुटी हैं। अपर जिलाधिकारी उत्तरकाशी, उप जिलाधिकारी, बड़कोट, तहसीलदार, बड़कोट द्वारा घटना स्थल पर खोज-बचाव कार्यों की निगरानी हेतु तैनात हैं। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर पालीगाड़, कुथनौर, झज्जरगाड़ स्थानों पर भी भीषण भूस्खलन हुआ है।

एक नजर

हाथियों ने पचांयत में कई किसानों के फसल को रौदा

बड़कागांव : गोंदलपुरा पंचायत के छकोड़वा बेड़ा में बीती रात्रि शनिवार को हाथियों ने भारी उत्पाद मचाया है। कई किसानों के खेतों में लगी फसलों को रौंद दिया। जिसमे जुगल महतो, रोशमनी महतो, डुमन महतो ,सिकेन्दर महतो, विषेश्वर महतो, रवि महतो, का फसल हाथियों ने पैरो से रौद कर बर्बाद कर दिया है। छकोडवा बेडा में तबाही मचाने के बाद हाथियों का झुंड रविवार की सुबह बगल के पहाड बगलतवा जंगल की ओर चला गया। हाथीओं को दूसरे जिले में खदेड़ देने के बाद पुनः वापस आ जाना ग्रामीणों के लिए परेशानी खड़ी हो जा रही है। जिस पर मामले को वन विभाग को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। ताकि आम ग्रामीण लोगों को हो रही नुकसान को बचाआ जा सके। इसके पूर्व हाथी जोराकाठ में उत्पाद मचाया है इसमें कई लोगों के घर को क्षतिग्रस्त किया है तथा खेतों में लगी फसलों को नुकसान पहुंचा है।

कल होगा स्कूली छात्राओं के लिए साइकिल वितरण

बड़कागांव : सामान्य वर्ग 8 वीं छात्र-छात्राओं का साइकिल वितरण कार्यक्रम 2024 - 2025 के तहत 1 जुलाई को बीआरसी बड़कागांव प्रखंड कार्यालय में किया जाएगा।उक्त आशय की जानकारी देते हुए बड़कागांव प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी जवाहर प्रसाद ने बताया कि साइकिल वितरण मुख्य रूप से एमएस बड़कागांव अनन्या सिंह , युएचएस शिवाडीह विवेक कुमार पांडे व वेधराज पांडे, एमएस अंबाजीत सरोज कुमार , युएमएस चौपदार बलिया तमन्ना मलिक व फैजल मल्लिक, उमस चंडोल जगदंबिका कुमारी सिंहा, एमएस बादम इसीका पांडे, खुशी पांडे एवं यूएमएस नयाटांड़ बादल कुमार सिंह के बीच वितरण किया जाएगा।उक्त सभी विद्यार्थियों को ओरिजिनल आधार कार्ड के साथ 1 जुलाई को बीआरसी बड़कागांव आना अनिवार्य है।

सयाल सिदेश्रवर नाथ प्राचीन शिव मंदिर श्रावणी पूजा को लेकर किया गया बैठक

रामगढ़ : सयाल में श्रावण माह में पूजा को लेकर एक आवश्यक बैठक बुलाई गई, जिसमें निर्णय लिया गया कि मंदिर को भव्य साज-सज्जा रूद्राभिषेक पूजन श्रृंगार आरती एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक सोमवार को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक एवं सध्या 7.00 बजे भगवान भोलेनाथ का भव्य श्रृंगार आरती एवं प्रसाद वितरण कीया जाएगा। बैठक में मंदिर कमेटी की अध्यक्ष महोदया पम्मी कुमार अर्जुन सिंह रामबीलास यादव रामकृपाल मालाकार बजेश पाठक हरीचनद्र क्षा सनी सिंह मंदिर कमेटी के सदस्य गन एवं सयाल की जनता का बहुत बड़ा योगदान रहेगा।

जिला कांग्रेस कमेटी कार्यकारणी की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में जिला कांग्रेस में कार्यकारणी की महत्वपूर्ण बैठक जिला कांग्रेस के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव के अध्यक्षता में की गई। बैठक में मुख्य रूप से जिला पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो पूर्व मंत्री जय प्रकाश भाई पटेल जिला के ट्रेनिंग कॉडीनेटर जकीउल्लाह साहब उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला मीडिया अध्यक्ष निसार खान और धन्यवाद ज्ञापन महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज नारायण भगत ने किया। कांग्रेस पार्टी संगठन सृजन 2025 कार्यक्रम जो पूरे भारत में चल रहा है उसी कड़ी में बैठक की गई। इस अवसर पर जिला पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो ने बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के निर्देश पर जिला कमेटी को साथ ही जिला के अध्यक्ष को और सशक्त बनाया जाएगा। प्रखंड कमेटी को विस्तार करने को लेकर आवश्यक निर्देश दिया और प्रखंड अध्यक्षों की उपस्थित में नव नियुक्त मंडल अध्यक्षयो के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया। जिला कांग्रेस की बैठक 1 से 15 तारीख हर महीने बैठक करना है और कार्य करने के सभी सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है इसी प्रकार हजारीबाग जिला के सभी प्रखंडों में 5 तारीख को बैठक की जाएगी। जिसमें प्रखंड के प्रभारी मुख्य रूप से उपस्थित रहकर प्रखंड में संगठन सृजन कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे। अप्रैल से जून तक 3 महीना या 100 दिनों का एक निश्चित कार्यक्रम दिया गया है। कार्यकर्ता ईमानदारी से अपने कार्य पूरा करेंगे। आने वाले दिनों में संविधान बचाओ अभियान भी चलाई जाएगी और लोगो को जोड़ने का कार्य करना है। जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने सभी प्रखंड अध्यक्षों प्रखंड के प्रभारी को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए पांच तारीख को हर प्रखंड में बैठक करने और लोगों की समस्याओं को सुनने पार्टी के संगठन सृजन को आगे बढ़ाने और पार्टी के कार्यक्रमों को सही दिशा देने का आग्रह किया। राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे द्वारा दिए गए कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाना कार्यकताओं का दायित्व है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री जय प्रकाश भाई पटेल ने कहा की वर्तमान परिस्थितियों में पार्टी को संगठित कर मजबूत करना और राहुल गांधी के हाथ को मजबूत करना बहुत आवश्यक है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री जय प्रकाश भाई पटेल ने कहा की भारतीय जनता पार्टी जिस प्रकार से लगातार असंवैधानिक कानून को बना कर और संविधान को क्षति पहुंचाने का काम कर रही है। उसको रोकने के लिए कांग्रेस का संगठित होना और लोगों को जोड़ना आवश्यक है। सरकार के योजना का लाभ अंतिम वर्ग तक पहुंचाना है इसके लिए संगठन के माध्यम से लोगों को जागरूक करना है और कार्यकताओं को सशक्त और मजबूत करना हमारा उद्देश्य है। ट्रेनिंग कॉडीनेटर जकीउल्लाह साहब नें प्रखंड अध्यक्ष तथा मंडल अध्यक्षों को संगठन युद्ध स्तर पर मजबूत कैसे होगी उसकी विस्तार पूर्वक जानकारी दी । नियुक्ति पत्र पाने वालों मंडल अध्यक्षों में चुरचू प्रखंड के भानू प्रताप सिंह, कटकम सांडी प्रखंड के इन्द्र देव यादव सदर प्रखंड के इदरिश अंसारी बसंत रविदास डाड़ी प्रखंड के रकीब अंसारी, राज किशोर महतो बरकठ्ठा प्रखंड के लेखराज प्रसाद बड़कागांव प्रखंड के रामेश्वर सिंह भोक्ता, श्याम भार्गव, धर्मनाथ महतो इचाक प्रखंड के गिरधारी महतो, चन्द्रदेव प्रसाद मेहता चौपारण प्रखंड के मोहम्मद शारिक अख्तर पदमा प्रखंड के विजय रविदास कटकमदाग प्रखंड के मोहम्मद खुर्शीद विष्णुगढ़ प्रखंड के हिरामन महतो बरही प्रखंड के बबलू साहू, जितेन्द्र गीरी, विष्णुधारी महतो केरेड़ारी प्रखंड के चंदन कुमार गुप्ता, मोहम्मद मकसुद आलम चलकुशा प्रखंड के मोहम्मद एजाज शामिल हैं ।

सायरन लगी गाडी से घूम रहा था युवक गूंज ने खोला राज, यातायात प्रभारी ने पकड़ा

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सोमवार को शहर की सड़कों पर एक रहस्यमयी सायरन गूंजती रही, लेकिन इस बार वो किसी असली पुलिस की गाड़ी से नहीं, बल्कि एक फर्जी सायरन लगा के घूम रहे युवक की कार से थी। ट्रैफिक चौराहों से रफ्तार के साथ गुजरती इस कार ने कई लोगों को चौंका दिया। लेकिन जब ट्रैफिक इंस्पेक्टर श्रवण कुमार की नजर इस पर पड़ी, तो शक और सतर्कता ने मामले का पदार्फाश कर दिया। कार पर न कोई आधिकारिक पहचान थी, न सायरन लगाने की अनुमति। सबसे हैरान करने वाली बात ये थी कि कार के दरवाजे के पास एक अङ-47 का स्टीकर भी चिपका था, जो किसी भी सरकारी या पुलिस वाहन में आमतौर पर नहीं होता। लोगों ने बताया कि यह कार पिछले कई महीनों से हजारीबाग में घूम रही थी। पर सायरन की वजह से सब चुप रहते थे मानो कोई स्पेशल पेट्रोलिंग यूनिट हो। लेकिन शक की सुई अब जाकर ट्रैफिक पुलिस तक पहुंची और तत्काल वाहन को रोका गया। पूछताछ में युवक कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सका। पुलिस को शक है कि या तो इसका मकसद डर फैलाना था या किसी बड़ी धोखाधड़ी की तैयारी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वाहन और युवक को डीएसपी मनोज सिह के हवाले कर दिया गया है।

राष्ट्रीय सेवा मंच ने बाजार में गरीबों के बीच भोजन का किया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़) : समाजसेवी संस्था राष्ट्रीय सेवा मंच ने प्रत्येक सप्ताह की भांति इस रविवार को भी साप्ताहिक हाट भुरकुंडा में दुर-दराज ग्रामीण क्षेत्रो से दातुन-पत्तल बेचने आने वाले गरीबों को भोजन कराया। इस दौरान मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह ने लगभग 150 गरीब महिला-पुरूष व बच्चों के बीच पुरी-सब्जी का वितरण किया। मौके पर उन्होंने बताया कि जन सहयोग के माध्यम से पिछले 9 वर्षो से मंच द्वारा गरीबो को भोजन कराया जाता रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह, उमाशंकर जायसवाल, प्रो. रामानुज सिंह, जगतार सिंह, रिंकु वर्णवाल, उदयभान दुबे, लालू उरांव, सुकरा करमाली, बारीक अंसारी, महावीर सिंह, गौतम अग्रवाल, संजू सिन्हा, मो. शाहिद आदि का विशेष योगदान रहा।

भुरकुंडा में हजरत बीड़ी शाह बाबा का बना 36वां सालाना उर्स

भुरकुंडा (रामगढ़): मदरसा गुलशन रजा भुरकुंडा में हजरत बीड़ी शाह बाबा का 36वां सालाना उर्स शनिवार को श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया गया। उर्स के पूर्व शुक्रवार रात 8 बजे मजार शरीफ का गुसुल किया गया और खादिम ग्यास खान द्वारा पारंपरिक चादरपोशी की गई। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच शिरनी का वितरण किया गया। शनिवार को उर्स मेला और लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। भुरकुंडा थाना की ओर से एसआई डीपी मेहता द्वारा मजार शरीफ पर सरकारी चादर चढ़ाई गई। इस अवसर पर मुस्लिम धमार्लंबियों सहित दर्जनों श्रद्धालुओं ने चादरपोशी कर अपने घर-परिवार और क्षेत्र की सुख-शांति की दुआएं मांगी। लंगर वितरण के साथ देर रात तक उर्स मेला चलता रहा। उर्स के अवसर पर भुरकुंडा, लपंगा, महुआटोला, चौनगड्डा, गिद्दी, सेंट्रल सौंदा, पतरातू सहित अन्य क्षेत्रों के लोगो ने चादरपोशी की।

बुढ़वा महादेव में श्रावणी मेला व पूजा को लेकर कमेटी का गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : रविवार को बुढ़वा महादेव विकास सह शांति समिति की तत्वाधान में महुदी पहाड़ स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर प्रांगण में शशि कुमार मेहता की अध्यक्षता व रामचरित्र प्रसाद की संचालन में बैठक की गई। बैठक में श्रावणी मेला व पूजा को लेकर कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष विकास कुमार, संयोजक शशि कुमार मेहता, सचिव हुलास प्रसाद दांगी, कोषाध्यक्ष रामचरित्र प्रसाद, महासंरक्षक झमन प्रसाद, सहेश कुमार, त्रिवेणी महतो, संतोष कुमार, प्रमुख कार्यकारिणी सदस्य में मुख्य रूप से संदीप कुशवाह, धूपन महतो, सुधांशु शेखर ,घनश्याम कुमार, दामोदर प्रसाद मेहता, बिगुल किशोर महतो, संजय कुमार, जय हिंद महतो, जयशंकर महतो ,सरोज कुमार, रामकुमार प्रसाद, रामचंद्र महतो, श्रीकांत निराला का चुनाव किया गया वहीं पुजारी में विशेश्वर महतो, जय नंदन महतो, अरविंद कुमार को बनाया गया है।

पूर्व विधायक ने परिवार संग असम के कामाख्या मंदिर में की पूजा

बड़कागांव : बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने सपरिवार असम की सुप्रसिद्ध मंदिर मां कामाख्या मंदिर में पूजा अर्चना कर क्षेत्र वासियों के सुख एवं समृद्धि हेतु प्रार्थना की। इस दौरान पूर्व विधायक के साथ उनके पिता पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, बहन अनुप्रिया एवं भाई अंकित राज मौजूद थे। पूर्व विधायक ने कहा कि कामाख्या मंदिर माँ देवी कामाख्या को समर्पित है। यह भारत के असम राज्य के गुवाहाटी शहर के पश्चिमी भाग में नीलाचल पहाड़ी पर स्थित 51 शक्तिपीठों में से सबसे पुराने में से एक है। अंबा प्रसाद ने बताया कि मां कामाख्या के प्रति उनकी विशेष आस्था है, समय-समय के साथ वह कामाख्या मंदिर आते रहते हैं।

पौधों से होगी हरियाली, चारो ओर आएगी खुशहाली : दिनेश साव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को चौपारण प्रखंड अंतर्गत सिंघारावा मोड़ पर पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हरियाली दूत के रूप में चर्चित दिनेश साव के सौजन्य से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला उपस्थित हुए। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि वातावरण साफ-सुथरा होगा तो हम स्वस्थ जीवन व्यतीत करेंगे। पौधे लगाना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी बनती है क्योंकि पौधे हमारे जीवन के रक्षक हैं। स्वच्छ पर्यावरण के लिए हमें अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल करनी चाहिए। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी भुनेश्वर यादव ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'पौधे लगाना केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि भावी पीढ़ी के लिए जरूरी कार्य है।' कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक जनार्दन प्रसाद वर्मा ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि 'हरियाली केवल सजावट नहीं बल्कि जीवन का आधार है। हम सभी को मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि लगाए गए पौधों की नियमित देखरेख करें।' हरियाली दूत दिनेश साव ने बताया कि यह कार्यक्रम उनकी निजी पहल है और वह आगे भी अलग-अलग गांवों में जाकर पौधा वितरण और पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।

विधायक ने किया स्टॉलों का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जीतो लेडीज विंग, हजारीबाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित मेगा इवेंट उड़ान 3.0 का समापन समारोह रविवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। विधायक श्री प्रसाद ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर पूरे मेले का निरीक्षण किया और विभिन्न स्टॉलों पर जाकर महिला उद्यमियों द्वारा प्रदर्शित उत्पादों को सराहा। उन्होंने महिलाओं के आत्मविश्वास, रचनात्मकता और परिश्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन वास्तव में समाज में नारी शक्ति के सशक्त रूप को उजागर करते हैं। उन्होंने कहा की उड़ान 3.0 नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है। इस कार्यक्रम में महिलाओं ने जिस आत्मबल और प्रतिभा का प्रदर्शन किया है, वह अत्यंत सराहनीय है। ऐसे आयोजन न केवल स्थानीय महिलाओं को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि उनके उत्पादों को मंच देकर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आयोजक मंडली इस हेतु बधाई की पात्र है विधायक ने कार्यक्रम की आयोजक मंडली से संवाद भी किया और उनके उत्साह, कार्यकुशलता एवं सामाजिक योगदान की सराहना की। उन्होंने आयोजकों को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन देते हुए कहा की इस प्रकार के आयोजन हजारीबाग जैसे शहर को भी एक नई पहचान देते हैं। इस अवसर पर जीतो लेडीज विंग की ओर से विधायक का स्वागत व अभिनंदन किया गया। आयोजक मंडली ने उनके आगमन को गौरव की बात बताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

सांसद ने लोकसभा क्षेत्र के बुजुर्गों के सम्मान में शुरू किया सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के द्वारा विकास और सेवा के साथ संस्कार को महत्व देते हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बुजुर्गों के तीर्थ यात्रा के सपने को साकार करने के लिए "सांसद तीर्थ दर्शन" महा अभियान की विधिवत शुरूआत रविवार को हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमदाग प्रखंड अंतर्गत खपरियावां स्थित भगवान नृसिंह के दरबार से किया। इस दौरान बीजेपी झारखंड प्रदेश के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, चतरा सांसद कालीचरण सिंह सहित कई विधायकों और पूर्व विधायकों की उपस्थिति में इस क्षेत्र के दो पंचायत के तीन गांवों के रहने वाले चयनित कुल 180 तीर्थ यात्रियों को चार धाम के तीर्थ यात्रा के लिए रवाना किया। इससे पूर्व खुद भाजपा संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह और सांसद मनीष जायसवाल ने सांकेतिक रूप से तीर्थयात्रियों का पांव पखारा और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा एक जनप्रतिनिधि होने के साथ-साथ क्षेत्र के बेटा के रूप में मुझे अपने बुजुर्गों का आशीर्वाद करने का अवसर प्रदान करेगी। प्रथम जत्थे में हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमदाग प्रखंड स्थित खपरियावाँ और नवादा पंचायत के खपरियावाँ, नवादा और बनहा ग्राम के कुल 180 तीर्थयात्री रवाना हुए। सभी पित्त वस्त्र में नजर आए। तीर्थयात्रियों से भरे बस के साथ खुद सांसद मनीष जायसवाल भी सवार होकर चौपारण तक पहुंचे जहां जगह-जगह पर लोगों ने तीर्थ यात्रियों के साथ सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान का स्वागत और सम्मान किया। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणा स्रोत तीर्थ यात्रा की शुरूआत दर्शन को लेकर यात्रा शुरू की गई है। जिसमें सरजू नदी, संगम तट आदि स्थानों पर स्नान करने कर पुण्य प्राप्त करेंगे। जो रोस्टर के हिसाब से प्रत्येक विधानसभा में प्रखंड अंतर्गत पंचायत वार होगा। सेवाभाव के साथ राजनीति करना हमारा परम कर्तव्य है। जिसके तहत 12,653 कन्याओं के बीच लहंगा वितरण, सांसद सामूहिक विवाह उत्सव-2025 के तहत 101 जोड़ी का सामूहिक विवाह कराया। नमो फुटबॉल टूनार्मेंट का संपूर्ण लोकसभा क्षेत्र ने आयोजन और रामनवमी के दौरान सभी अखाड़ा धारियों तक पारंपरिक लाठी और तलवार पहुंचाया आदि का आयोजन कर रहा हूं।

संक्षिप्त खबरें

झामुमो सरिया प्रखंड की बैठक में अनुसांगिक कमेटी का गठन

सरिया (गिरिडीह) : झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड कमेटी सरिया की एक बैठक रविवार को स्टेशन रोड स्थित जैन धर्मशाला में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता झमुमो प्रखंड अध्यक्ष अशोक मंडल तथा संचालन सिकंदर अंसारी ने किया। इस बैठक में पार्टी की मजबूती पर बल दिया गया। उपस्थित लोगों ने संगठन के विस्तार पर अपने-अपने मंतव्य दिए। इसके पश्चात अनुसांगिक मोर्चा का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से महिला मोर्चा के अध्यक्ष पिंकी देवी, सचिव लक्ष्मी कुमारी,अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष केदार दास, सचिव छोटू रविदास, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष सुखदेव मुर्मू,सचिव किशोर,झारखंड मुक्ति मोर्चा युवा मोर्चा के अध्यक्ष पंकज, सचिव मनोज यादव, किसान मोर्चा के अध्यक्ष बलदेव मिस्त्री,व्यवसाय संघ की अध्यक्ष पिंटू मोदी को चयनित किया गया। इस बैठक में मनी मंडल, रफीक अंसारी, मास्टर अली,जगदीश टुडू,विजय मंडल,काशी मंडल,उर्मिला देवी, आशा देवी,फूलमती देवी समेत पार्टी के जिला उपाध्यक्ष त्रिभुवन मंडल बैठक में उपस्थित थे।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान कैंप का हुआ आयोजन

रामगढ़ : प्रखंड सह अंचल अंतर्गत विभिन्न विभागों के द्वारा उपस्थित ग्रामीणों के बीच उनकी समस्याओं का समाधान किया गया साथ ही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई एवं योजना का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया गया इस कैंप में मुखिया प्रखंड के प्रभारी कल्याण पदाधिकारी राजकुमार साव आंचल राजस्व कर्मचारी मनोज कुमार कृषि विभाग से कमी गणपशुपालन कार्यालय से कमी गण एवं चिकित्सा विभाग के डॉक्टर सीएससी एवं ग्रामीणों ने भाग लिया ग्रामीणों के द्वारा जो आवेदन दिया गया उसमें से प्रधानमंत्री आवास हेतु 6 आवेदन पेंशन हेतु 4 मनरेगा में जॉब कार्ड एवं दीदी बड़ी योजना मैं 20 आवेदन पड़े जाति में पांच आवेदन पड़े पीएम किसान योजना में दो राशन कार्ड में तीन शुगर जांच शुगर जांच 20 एचपी टेस्ट 15 एवं बीपी 35 लोगों का जांच किया गया

विश्व ब्राह्मण संघ व विप्र फाउंडेशन ने आलिया मिश्रा को पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर किया सम्मानित

रामगढ़ : रविवार को रानीबाग निवासी श्रीकांत मिश्रा की नतनी श्री गुरुनानक पब्लिक स्कूल की छात्रा आलिया मिश्रा ने इसबार फिर 12 वी क्लास में 95 प्रतिशत नंबर लाकर स्कूल टॉपर हुई। शानदार प्रदर्शन कर स्कूल एवं अपने परिवार का नानी, नाना श्रीकांत मिश्रा तथा ब्राह्मण समाज का नाम रोशन किया, जबकि एग्जामिनेशन के वक़्त उसकी तबीयत खराब थी, फिर भी शानदार प्रदर्शन कर स्कूल टॉपर किया। आलिया मिश्रा से पूछे जाने पर उन्होंने कहा आगे पढकर चार्टर्ड एकाउन्टटेंट बनना चाहती हूँ ओर अपने परिवार व नाना जी एवं अपने पूरे समाज का नाम रोशन करना है। विश्व ब्राह्मण संघ व विप्र फाउंडेशन के द्वारा आलिया मिश्रा को बुके व मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, साथ में विश्व ब्राह्मण संघ के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा व विप्र फाउंडेशन के प्रदेश महामंत्री एवं विश्व ब्राह्मण संघ के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष महेश मिश्रा तथा रामगढ़ जिलाध्यक्ष अशोक कुमार पांडेय व जिला महासचिव अरुण बनर्जी इत्यादि ने संयुक्त रूप से बिटिया को उज्जवल भविष्य की कामना की है एवं किसी तरह की सहयोग की आवश्यकता होने पर सहयोग करने का आश्वासन दिया गया ।

श्याम भार्गव, धर्मनाथ महतो और रमेश भोक्ता कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष नियुक्त किये गए

बड़कागांव : कांग्रेस पार्टी की संगठन को मजबूत करने को लेकर जिला कांग्रेस के द्वारा मंडल अध्यक्षों का चयन किया गया। जिसमे तीन मंडल अध्यक्ष नियुक्त किए गए। बड़कागांव पश्चिम मंडल से धर्मनाथ महतो, मध्य में श्याम कुमार भार्गव एवं पूर्वी में रमेश सिंह भोक्ता को कांग्रेस पार्टी का मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनके अलावा 9 महासचिव एवं दो उपाध्यक्ष का भी नियुक्ति किया गया है। हजारीबाग जिला कांग्रेस कार्यालय में सभी मंडल अध्यक्षों को कांग्रेस प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो, पूर्व विधायक जेपी पटेल ,जिला के अध्यक्ष शैलेश यादव के हाथों मंडल अध्यक्ष का प्रमाण पत्र दिया गया। मौके पर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश महतो के अलावा अन्य उपस्थित थे।

ट्रक ने ट्रैक्टर और टाटा सुमो को मारी टक्कर

हादसे में एक की मौत ट्रैक्टर चालक गंभीर रूप से घायल ट्रक चालक मौके से ट्रक लेकर फरार

हजारीबाग : मोरंगी थाना मुफस्सिल क्षेत्र मोरंगी चौक पर तेज रफ्तार ट्रक ने एक ट्रैक्टर ट्रॉली के पीछे जोरदार टक्कर मार दी ट्रॉली में बैठा युवक राजेश राम की मौके पर ही मौत हो गई जिसकी उम्र 30 से 32 साल बताया जाता है ट्रैक्टर मारकर ट्रक चालक मौके से ट्रक लेकर फरार हो गया सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ट्रक चालक को घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया रविवार सुबह 5:00 बजे एक तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने आगे से चल रही ट्रैक्टर की ट्राली मैं पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिसमें टाटा सुमो के चालक भी थोड़ा बहुत चोट आया है मृतक व्यक्ति राजेश राम की आयु 30 से 32 साल है जो रहिया का रहने वाला है जो कटकमसांडी क्षेत्र में आता है मृतक राजेश राम का पिता का नाम डेगान राम है मृतक के चार बच्चे भी थे उनके परिवार में रो-रो के सभी का बुरा हाल हो गया है।

एक नजर

रांची डीसी के नाम से बना फर्जी फेसबुक आईडी

रांची : रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के नाम से एक फर्जी फेसबुक आईडी बनाई गई है। इस संबंध में जिला प्रशासन को सूचना प्राप्त हुई है कि ‘डीसी मंजूनाथ भजंत्री नाम से असामाजिक तत्वों द्वारा एक फर्जी फेसबुक प्रोफाइल तैयार की गई है। इस फर्जी आईडी के माध्यम से आम नागरिकों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी जा रही हैं, जिसका उद्देश्य लोगों को ठगी और धोखाधड़ी का शिकार बनाना है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस फर्जी फेसबुक आईडी का उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री से कोई संबंध नहीं है। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान फ्रेंड रिक्वेस्ट को स्वीकार करने से पहले उसकी प्रमाणिकता की जांच अवश्य करें। इस प्रकार की गतिविधियों से सतर्क रहना आवश्यक है, क्योंकि यह साइबर अपराध का हिस्सा हो सकता है, जो लोगों को आर्थिक या व्यक्तिगत नुकसान पहुंचा सकता है। जिला प्रशासन ने इस फर्जीवाड़े के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संबंध में दोषियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जा रही है, और मामला संबंधित साइबर क्राइम यूनिट को सौंप दिया गया है, जो इसकी गहन जांच कर रही है।

मारवाड़ी सम्मेलन का प्रतिभा सम्मान समारोह 12 को

रांची : रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में आगामी 12 जुलाई को हरमू रोड स्थित महाराजा अग्रसेन भवन, में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी सम्मेलन के अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, महामंत्री विनोद कुमार जैन और संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने संयुक्त रूप से रविवार को दी। ललित कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम समाज के उन मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। समारोह में रांची जिले के मारवाड़ी समाज के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने सीबीएसई, आईसीएसई एवं झारखंड बोर्ड की 10वीं व 12वीं की परीक्षाओं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। साथ ही विश्वविद्यालय स्तर पर यूजी, पीजी के टॉप-10 रैंक प्राप्त करने वाले, एवं यूपीएससी, सीए, सीएस, एसएमए, एमबीए, इंजीनियरिंग, मेडिकल, एलएलबी, एलएलएम, पीएचडी, बी.एड जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाएं पास करने वाले छात्र-छात्राएं भी इस सम्मान के पात्र होंगे। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर कला, संस्कृति, खेलकूद अथवा अन्य क्षेत्रों में विशिष्ट पहचान बनाने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

रिम्स-2 निर्माण के विरोध में सड़क पर उतरे किसान

रांची : राजधानी रांची में झारखंड के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स का बोझ कम करने के लिए रिम्स-2 का निर्माण किया जाना है। लेकिन यह प्रोजेक्ट कांके प्रखंड के नगड़ी इलाके में बनने जा रहा है। इससे आदिवासी किसान नाराज है। वे इस जमीन के अधिग्रहण का विरोध कर रहे हैं। जिस जमीन पर इसका निर्माण होना है, वह किसानों की कृषि योग्य भूमि है। ग्रामीणों का कहना है कि इस जमीन पर बिना जानकारी और मुआवजे के घेराबंदी की जा रही है। यह उनके जीविका और पहचान पर सीधा हमला है। इसको लेकर आज किसान विरोध प्रदेश करने निकले। किसान विरोध में कुदाल लेकर निकले और सड़क पर ही खेती कर अपनी नाराजगी जताई। इस बीच पुलिस भी मौके पर दल-बल के साथ पहुंची। पुलिस ने किसानों को रोकने का प्रयास किया लेकिन किसानों का कहना है कि उनके साथ अन्याय हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि खेती ही उनका एकमात्र सहारा है।

भारी बारिश के रेड अलर्ट पर सतर्क रहें अधिकारी : मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में मूसलधार बारिश के खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने सभी ज़िलों को अलर्ट पर रखा है। आपदा प्रबंधन मंत्री इरफान अंसारी ने रविवार को राज्य के सभी उपायुक्तों, आपदा प्रबंधन अधिकारियों और जिला प्रशासन को 24 घंटे सतर्क रहने का सख्त निर्देश दिया। मंत्री ने रेड अलर्ट वाले ज़िलों में स्कूलों को बंद करने की अनुशंसा की है। साथ ही, जलभराव, स्वास्थ्य संकट, बिजली दुर्घटनाओं जैसी संभावित समस्याओं से निपटने के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किया। अंसारी ने कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। हर नुकसान का त्वरित आकलन कर रिपोर्ट विभाग को भेजी जाए और मुआवजा वितरण में कोई देरी न हो। मंत्री ने कहा कि वह खुद पूरे राज्य की स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। आपदा प्रबंधन विभाग का हर अधिकारी, हर कर्मचारी सक्रिय है। कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 19 जून को भी भारी बारिश को लेकर राज्यव्यापी एडवाइजरी जारी की गई थी, जिसमें क्या करें या क्या न करें के निर्देश दिए गए थे। मंत्री ने अब एक बार फिर हालत को भांपते हुए राहत कार्यों को तेज करने और मुआवजा वितरण में तेजी लाने के आदेश दिए हैं। प्रभावित ज़िलों में राहत सामग्री की आपूर्ति और वितरण पहले से जारी है। स्थानीय प्रशासन को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कोई भी पीड़ित परिवार सहायता से वंचित न रह जाए। अंसारी ने जनता से संयम, सतर्कता और सरकार पर विश्वास बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने दोहराया कि जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती, आपदा प्रबंधन विभाग पूरी तरह सक्रिय रहेगा।

झारखंड के अधिकांश जिलों में दो जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट

रांची : झारखंड के अधिकांश जिलों में दो जुलाई तक भारी बारिश होने की आशंका है। इसे लेकर मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार जिन जिलों में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। इनमें 29 और 30 जून को राज्य के दक्षिणी-पूर्वी और इससे सटे मध्यवर्ती एवं उत्तरी भागों में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा पश्चिमी और उत्तरी मध्य भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। एक जुलाई को राज्य के उत्तर-पश्चिमी इससे सटे दक्षिणी हिस्सों में कहीं- कहीं बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। इसके आलावा राज्य के दक्षिणी-मध्य और उत्तरी-मध्य हिस्सों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की आशंका है।

इस दौरान 30-40 किमी घण्टे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। दो जुलाई को पश्चिमी और इससे से मध्य भागों में कहीं- कहीं भारी होने की आशंका है। इस दौरान 30-40 किमी की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश बोकारो के तेनुघाट में 77 मिमी रिकॉर्ड की गई। वहीं रांची में इस दौरान दो मिमी बारिश दर्ज की गई। रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बारिश होती रही। रांची में अधिकतम तापमान 29.7 डिग्री, जमशेदपुर में 32, डालटेनगंज में 31.8, बोकारो में 32.5 और चाईबासा में 30.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

उपायुक्त ने रांची शहर के वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम ने शनिवार देर रात रांची शहर के वर्षा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। पिछले कुछ दिनों से जिले में लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण शहर के कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने रांची नगर निगम आयुक्त सुशांत गौरव और अन्य विभागीय पदाधिकारी के साथ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने पंचशील नगर, बांधगाड़ी और सेवासदन के आसपास प्रभावित इलाकों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों से क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और किसी प्रकार की जनहानि न हो, इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी संबंधित एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए योजना तैयार कर कार्य करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति, नालों की सफाई, पानी निकासी की व्यवस्था का जायजा लिया। पंचशील नगर और बांधगाड़ी में प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने के बाद उन्होंने राजस्व नक्शा के अनुसार मापी कर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सेवा सदन के पास वर्षा प्रभावित क्षेत्र का जायजा लेते हुए उपायुक्त ने स्थानीय लोगों से बातचीत की। लोगों की समस्या को ध्यान पूर्वक सुनते हुए उन्होंने जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम को कार्य योजना तैयार कर समस्या के समाधान की बात कही। पंचशील नगर और बांधगाड़ी में स्थानीय लोगों से उनकी समस्याओं को जानते हुए उपायुक्त ने प्रशासनिक टीम को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

भाषा के नाम पर न हो बांटने का काम शासन जोड़ने का काम करे : मंच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अखिल भारतीय भोजपुरी मगही मैथिली अंगिका मंच की बैठक हरमू पटेल पार्क के समीप आवासीय कार्यालय में रविवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष कैलाश यादव ने किया और संचालन कार्यकारी अध्यक्ष अमरनाथ झा ने किया। बैठक के दौरान सभी लोगों ने निर्णय लिया कि संगठन की मजबूती के लिए जिला स्तर और प्रदेश स्तर पर क्षेत्रवार जनजागरण अभियान चलाया जाएगा और कमिटी को पूर्ण रूप दिया जाएगा। बैठक में मंच की ओर से सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भोजपुरी, मगही, मैथिली, अंगिका और भूमिज भाषा को नियोजन नीति में समाहित कर क्षेत्रीय भाषा में शामिल किया जाना चाहिए। बैठक में कैलाश यादव ने कहा कि राज्य सरकार में शामिल कुछ राजनेता और अधिकारी भोजपुरी मगही, मैथिली, अंगिका और भूमिज भाषा के साथ सौतेला व्यवहार करने का गलत मार्गदर्शन किया करते हैं जो जनहित के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि शासन को जोड़ने का काम करना चाहिए न कि शासन बांटने का काम करे। ताकि सामाजिक समरसता नहीं बिगड़े। यादव ने कहा कि मंच जिला और प्रदेश स्तर पर व्यापक रूप में कार्य करेगा। इसके लिए क्षेत्रवार प्रभारी बनाने का निर्णय लिया गया। कमिटी का पूर्ण रूप विस्तार देने के लिए आगामी 13 जुलाई को हटिया में बैठक किया जाएगा। वही बैठक का संचालन कर रहे अमरनाथ झा ने कहा कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में हम सभी लोगों को जोड़ने का काम कर रहे हैं। यह विषय भाषाई अस्मिता से जुड़ा हुआ है। इसलिए सरकार पर दबाव बनाने के लिए एकजुटता जरूरी है।

झारखंड खो-खो बालक टीम ने फेडरेशन कप में जीता कांस्य पदक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड बालक सुपर स्पीड खो-खो टीम ने द्वितीय फेडरेशन कप प्रतियोगिता में रविवार को पालम, नई दिल्ली में कांस्य पदक प्राप्त कर इतिहास रचा दिया। फेडरेशन कप पालम, नई दिल्ली में 27 से 29 जून तक आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता सुपर स्पीड खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में मां गंगा विद्यालय पालम, नई दिल्ली के प्रांगण में मैट पर आयोजित की गई थी। तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए झारखंड बालक खो-खो टीम ने कड़े संघर्षपूर्ण मैच में नई दिल्ली को 17-15 अंकों से पराजित कर कांस्य पदक प्राप्त कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। झारखण्ड टीम की ओर से कप्तान शिवम नायक, उपकप्तान सन्नी कुमार, अभिषेक उरांव, शिवा कुमार, आकाश कुमार, रोहण कुमार ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। टीम के शानदार प्रदर्शन पर झारखण्ड टीम के चीफ डी मिशन सह झारखंड राज्य सुपर स्पीड खो-खो एसोसिएशन के महासचिव विवेक कुमार, झारखंड राज्य खो-खो संघ के अध्यक्ष अजय झा, कोषाध्यक्ष सहजाद कुरैशी, संयुक्त सचिव नीतेश कुमार साहु, संरक्षक सजल बनर्जी, दिव्या रानी सहित अन्य सदस्य ने फेडरेशन कप में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर झारखंड टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी है।

झामुमो ने बिरसा मुंडा सहित अन्य महापुरुषों का किया अपमान किया : प्रतुल शाहदेव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झारखंड मुक्ति मोर्चा पर हमला करते हुए पार्टी पर भगवान बिरसा मुंडा, बाबासाहेब डॉक्टर अंबेडकर, सिद्धो-कान्हू सहित झारखंड के शहीदों और महापुरुषों का अपमान करने का आरोप लगाया है। प्रतुल ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा की झारखंड मुक्ति मोर्चा से जुड़े एक संगठन की बैठक में झारखंड मुक्ति मोर्चा का नेतृत्व मंच पर बैठा था और उनके मंच के पास उनके पैरों के नीचे भगवान बिरसा मुंडा सहित अन्य महापुरुषों की तस्वीर लगाई गई थी। यह बेहद शर्मसार करने वाला वाकया है और यह झारखंड मुक्ति मोर्चा की शहीदों के प्रति सोच को दिखाता है। प्रतुल ने कहा भगवान बिरसा मुंडा को पूरा झारखंड भगवान के रूप में मान्यता देता है। बाबा साहेब अंबेडकर संविधान के निमार्ता और वंचित समुदाय के मसीहा थे। सिद्धू कान्हू सहित अनेक महापुरुष जो झारखंड में पूजनीय है उनकी तस्वीर को झामुमो के नेताओं ने अपने पैरों के नीचे लगा कर रखा था। प्रतुल ने कहा कि इससे पहले भी लालू प्रसाद के जन्मदिवस के अवसर पर उनके पैरों के पास बाबा साहब की तस्वीर को रखा गया। लालू प्रसाद ने ऐसा करने से मना भी नहीं किया था। यह इंडी गठबंधन की देश के महापुरुषों के प्रति घटिया सोच को उजागर करता है। प्रतुल ने कहा कि ये तस्वीर झामुमो की शहीदों के प्रति घटिया सोच वाली मानसिकता को उजागर करता है। प्रतुल ने कहा कि इस घटना के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के किसी भी नेता ने सार्वजनिक रूप से इसके लिए माफी नहीं मांगी है। यानी इन्हें इस कुकृत्य का कोई अफसोस नहीं है। प्रतुल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा सहित तमाम महापुरुषों का अपमान झारखंड बिल्कुल नहीं सहेगा। झारखंड मुक्ति मोर्चा को तुरंत माफी मांगनी चाहिए।

झारखंड में बीडीओ-दारोगा गरीबों की नहीं सुनते, इस व्यवस्था को बदलें : सुदेश महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : ओरमांझी में रविवार को ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) की ओर से पार्टी कार्यकर्ता एवं मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पार्क पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड के अलग-अलग पंचायतों से सैकड़ों की संख्या में युवा पहुंचे और आजसू का थामन थामा। दो उप-मुखिया एवं ग्राम प्रधानों ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मिलन समारोह के दौरान गगरी पंचायत के उप-मुखिया तीर्थ मोहन उरांव, चढ़ू पंचायत के उप-मुखिया प्रीतम महतो ,पूर्व मुखिया प्रत्याशी भीम मुंडा, राज साहू, विशाल मुंडा, शशि महतो ,धर्मवीर मुंडा ,विवेक नायक ,राहुल बैठा ,विवेक कुमार समेत सैकड़ो युवाओं ने पार्टी का दामन थामा। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि राज्य का भविष्य तभी संभव है, जब युवा अपने नेतृत्व क्षमता के साथ आगे आएं और नेतृत्व करें। उन्होंने कहा आजसू के नेतृत्व में युवा शक्ति ने झारखंड राज्य के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि झामुमो ने आंदोलन को दिल्ली और पटना में बेचने का काम किया, लेकिन आजसू ने समझौताविहीन आंदोलन चलाकर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपाई से आग्रह कर अलग राज्य बनवाया। सुदेश महतो ने कहा कि हेमंत सरकार में जनता के अधिकारों को दबाया जा रहा है और दलाली एवं भ्रष्टाचार का आलम है। प्रखंड में बीडीओ और थाना में दारोगा के पास गरीब लोग आवेदन लेकर रोज पहुंचते हैं, लेकिन उनका कोई सुनने वाला नहीं। मुखियाझविधायक चुनकर भी काम नहीं हो रहा। इस व्यवस्था को बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शहीदों की जन्मस्थली को आदर्श ग्राम बनाने की योजना उन्होंने शुरू की थी, जो इस सरकार में अधर में लटकी है। ओरमांझी में टिकैत उमराव तथा शेख भिखारी के गांवों को आदर्श गांव बनाने के की योजना थी, जो पूरी नहीं हुई है। सम्मेलन के मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने कार्यकताओं ने आह्वान किया कि आजसू की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि आजसू ही शहीदों के सपनों का झारखंड बनाएगी और भ्रष्ट व्यवस्था को बदलेगी। सम्मेलन को दीपक महतो, जिला परिषद सदस्य सरिता देवी, हकीम अंसारी, बैजनाथ महतो, रामधन बेदिया सहित कई नेताओं ने संबोधित किया।सम्मेलन का सफल संचालन राजकिशोर महतो ने किया। इस मौके पर प्रकाश चौधरी, रामनंदन महतो संजय तिर्की, लालू महतो, सुमित महतो, अभिमन्यु सिंह, संजय महतो उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

गौरवशाली विरासत और आत्मविश्वास के साथ बन रहा आत्मनिर्भर भारत : बाबूलाल

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, सांसद ,विधायक, मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकताओं ने रविवार को अलग-अलग बूथों पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना। बूथ पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधारोपण भी किया गया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने देवघर जिलांतर्गत जसीडीह प्रखंड के कुशमहा मे मन की बात पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ सुना। बाबूलाल मरांडी ने इस अवसर पर कहा कि मन की बात कार्यक्रम भारत के सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक प्रगति का दस्तावेज है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सांस्कृतिक विरासत के साथ आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की कला संस्कृति, पारंपरिक हुनर का सम्मान आज विश्व भर में बढ़ा है। भगवान बुद्ध का संदेश और योग ने विश्व बंधुत्व के भाव को मजबूत किया है। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने हरमू मंडल रांची में कार्यक्रम को सुना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, पाथेय है। आज के युवा विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में प्रधानमंत्री मोदी के संदेश को आत्मसात कर रहे हैं।

भाकपा ने राज्यस्तरीय सम्मेलन के लिए 21 सदस्यीय स्वागत समिति का किया गठन

रांची : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) राज्य कार्यालय के सभागार में रविवार को रांची जिला के राज्य सम्मेलन को लेकर बैठक हुई। बैठक में राज्य सम्मेलन को भव्य और ऐतिहासिक बनाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान राज्य सम्मेलन की तैयारी को लेकर 21 सदस्यीय स्वागत समिति का भी गठन किया गया। इसमें रांची जिला सचिव अजय सिंह को स्वागत समिति का सचिव चुना गया। समिति में इम्तियाज अहमद खान, इशाक अंसारी, भंते जैनेंद्र कुमार, सचिदानंद मिश्रा, अशोक यादव, लालदेव सिंह, कलाम रशीदी रणेंद्र कुमार, डॉ. मिथिलेश फरजाना फारूखी, किरण कुमारी, सन्तोष रजक लक्ष्मी महतो सहित कई अन्य भाकपा नेता शामिल हैं। बैठक के दौरान सभी पार्टी नेताओं एक स्वर में कहा कि रांची में राज्यस्तरीय सम्मेलन होने से जिला के पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह का संचार होगा। भाकपा का आठवां राज्य सम्मेलन 24 अगस्त से 26 अगस्त के बीच पूर्व से निर्धारित है।

एचईसी, आउटसोर्सिंग के जरिए अनुभवी मजदूर कर्मियों का हक मारने पर तुली है : एचईसी कर्मी

रांची : हैवी इंजीनियर्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) कर्मियों ने सप्लाई मजदूर संघर्ष समिति के बैनर तले सप्लाई और ठेका मजदूरों की रविवार को गोलचक्कर मैदान में आमसभा आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के रंथू लोहरा ने की। उन्होंने प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एचईसी प्रबंधन सुनियोजित तरीके से आउटसोर्सिंग के माध्यम से वर्षों से काम कर रहे अनुभवी मजदूरों का हक छीनने का प्रयास कर रही है। रंथू लोहरा ने कहा कि पुराने प्रबंधन में मजदूरों को परिवार माना जाता था, जिससे उत्पादन और संस्थान की साख बेहतर थी, लेकिन नई प्रबंधन समिति के आने के बाद हालात बदतर हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एचईसी प्रबंधन को संस्थान को पुराने गौरव पर लाना है, तो उसे अनुभवी मजदूरों को साथ लेकर चलना होगा। सभा को संबोधित करते हुए समिति के मनोज पाठक ने कहा कि प्रबंधन ने ईएसआई को पत्र लिखकर सितंबर 2023 से जनवरी 2024 तक मजदूरों के काम को नकारा है, जो न केवल असत्य है, बल्कि प्रबंधन की मजदूर विरोधी मानसिकता को दशार्ता है। उन्होंने सभी मजदूरों से अपील की कि वे आउटसोर्सिंग कंपनियों का फॉर्म या पास न लें ।सभा में वाई त्रिपाठी, शुभम रॉय, अमरेंद्र कुमार, विजय साहू, विशाल सिंह, शारदा देवी, प्रेम प्रकाश नाथ शहदेव सहित बड़ी संख्या में मजदूर शामिल हुए और एकजुट होकर संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया।

मारवाड़ी ब्राह्मण सभा ने रांची में मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

रांची : मारवाड़ी ब्राह्मण सभा, रांची की ओर से रविवार को मारवाड़ी ब्राह्मण भवन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के उन प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित करना था, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज का नाम रौशन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार चंदन मिश्र ने शिरकत की। अपने प्रेरणास्पद संबोधन में उन्होंने कहा कि जीवन में ऊंचाई तक पहुंचना बड़ी बात नहीं, असली सफलता है उस ऊंचाई पर टिके रहना। विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश शर्मा, सीए (अध्यक्ष, विप्र फाउंडेशन) ने समाज के बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि उन्हें न केवल शिक्षा में उत्कृष्ट होना चाहिए, बल्कि परिवार और समाज में अपनी प्रतिष्ठा भी स्थापित करनी चाहिए। समारोह में वेदांत शर्मा, यशस्वी शर्मा, अवतांश शर्मा (कैट), नैतिक जोशी, तेजस्विनी जोशी, शौर्य शर्मा, हर्षिता जोशी, मयंक भारद्वाज, जिज्ञासा शर्मा, शुभ वशिष्ठ, जय किशन वशिष्ठ (सीए), आलोक दाधीच (सीएफए), दक्ष शर्मा सहित कुल 20 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को मोमेंटो और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। ये छात्र सीए, कैट, 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक लाकर समाज का गौरव बने। सभा के अध्यक्ष अशोक पुरोहित ने स्वागत भाषण दिया, जबकि मंत्री कृष्णा लाल शर्मा ने आभार जताया। कार्यक्रम संयोजक श्याम सुंदर गोवला ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। सह संयोजक मनीष शर्मा और दीपक शर्मा के साथ कमल शर्मा व नथमल शर्मा ने आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया।

सुप्रिया इस्पात उद्योग में ब्लास्ट फर्नेस में विस्फोट, दो मजदूर गंभीर रूप से घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रविवार की सुबह बोकारो के बालीडीह इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सुप्रिया इस्पात उद्योग में ब्लास्ट फर्नेस में अचानक विस्फोट हो गया, जिससे दो मजदूर लखन टुडू और अखिल कुमार गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को तत्काल बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में भर्ती कराया गया, जहां एक की हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ब्लास्ट फर्नेस की नियमित जांच नहीं की गई थी, जिससे यह दुर्घटना हुई। बताया जा रहा है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी इस हादसे का मुख्य कारण रही। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के महानगर अध्यक्ष मंटू यादव पहुंच घटना की जानकारी ली और पाया कि फैक्ट्री मालिक द्वारा मजदूरों को लेकर बहुत ही लापरवाही बरती जा रही है उन्होंने बताया कि काम करने के दौरान मजदूरों के सेफ्टी का ख्याल नहीं रखा जा रहा है।

उपायुक्त पहुंचे बोकारो जनरल अस्पताल, घायल श्रमिकों का कुशल-क्षेम जाना

बोकारो : बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवप्रिया इस्पात उद्योग में रविवार सुबह हुए हादसे में घायल दो श्रमिकों लखन टुडू एवं अखिल कुमार का उपचार बोकारो जनरल अस्पताल में जारी है। दोनों मजदूर ब्लास्ट फर्नेस में अचानक हुए धमाके के कारण बुरी तरह झुलस गए थे। घटना की जानकारी मिलते ही उपायुक्त अजय नाथ झा स्वयं बीजीएच पहुंचे और दोनों घायलों से मिलकर उनकी स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन एवं चिकित्सकों से मुलाकात कर इलाज की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की तथा यह निर्देश दिया कि इलाज में कहीं कोई कमी नहीं हो, दोनों को बेहतर उपचार करें। उपायुक्त ने कहा कि,प्रशासन की पहली प्राथमिकता घायल श्रमिकों का समुचित इलाज सुनिश्चित करना है। जिला प्रशासन हरसंभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। उपायुक्त ने कहा कि यह एक गंभीर औद्योगिक लापरवाही का मामला प्रतीत हो रहा है और इसकी विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। जांच के लिए *एसडीएम चास सुश्री प्रांजल ढांडा को प्राधिकृत किया गया है। उन्हें 72 घंटे के अंदर जांच रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं औद्योगिक सुरक्षा मानकों के उल्लंघन का परिणाम होती हैं, और इस दिशा में प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाए जाएंगे ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं पुनः नहीं हों।
उपायुक्त ने औद्योगिक इकाइयों को कहा कि इस तरह की घटनाएं अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

एक नजर

डोमचांच थाना क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध छापेमारी

डोमचांच : थाना क्षेत्रान्तर्गत शहीद चौक के पास उपेन्द्र होटल के पीछे स्थित मकान में अवैध रुप से अंग्रेजी शराब का भारी मात्र में भंडारण कर व्यापार तथा परिवहन की गुप्त सूचना पुलिस अधीक्षक को जानकारी मिली । उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवशयक कार्रवाई कर उपन्द्रे साव, उम्र- 38 वर्ष, पिता- स्व0 उमेश साव, ग्राम- शहीद चौक, थाना- डोमचांच, जिला- कोडरमा को गिरफ्तार किया गया। इसको लेकर पु0अ0नि0 ओम प्रकाश, थाना प्रभारी डोमचांच के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन गया था । गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए डोमचांच थाना क्षेत्रान्तर्गत शहीद चौक के पास उपन्द्रे होटल के पीछे स्थित मकान में छापामारी रविवार 10 किया गया। छापामारी के दौरान पुलिस को मकान में भारी मात्रा में कार्टुन में विभिन्न कम्पनी के अवैध अंग्रेजी शराब कुल- 34.045 लीटर एवं विभिन्न कंपनी के बीयर कुल- 140.45 लीटर को बरामद किया।

जूनियर एवं सब-जूनियर झारखंड राज्य तैराकी प्रतियोगिता के लिए बोकारो की टीम गठित

बोकारो : झारखंड तैराकी संघ के अधीन पूर्वी सिंहभूम जिला तैराकी संघ की ओर से आगामी 12-13 जुलाई, 2025 को जमशेदपुर स्थित जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्विमिंग पूल में आयोजित 15वीं जूनियर एवं सब-जूनियर झारखंड राज्य तैराकी प्रतियोगिता के लिए रविवार को बोकारो जिले की टीम गठित कर ली गई। नगर के सेक्टर-4 स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के स्वीमिंग पूल में बोकारो डिस्ट्रिक्ट स्विमिंग एसोसिएशन के बैनर तले हुए सेलेक्शन ट्रायल में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं अन्य जगहों से लगभग 55 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। पूर्व निर्धारित समय सुबह 7.00 बजे से ही उनका आना शुरू हो गया। सभी ने पूरे उत्साह के साथ पूल में छलांग लगाई और तैराकी में अपने दमखम दिखाए। इनमें से 23 तैराकों का चयन तैराकी की विभिन्न स्पधाओं में उनके बेहतर प्रदर्शन के आधार पर किया गया। बोकारो डिस्ट्रिक्ट स्विमिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के अनुसार, चयन प्रक्रिया के तहत बालक वर्ग की जूनियर कैटेगरी में अंकित बासु, प्रज्ञान कुमार, अर्णव शरण, आरव कुमार, सम्यक शिवांक एवं सब-जूनियर कैटेगरी में युवराज सिंह, ध्रुव ज्योति चौधरी, अतुल्य प्रकाश, दर्शिल राज और अवियांक मंडल चुने गए।

डीएवी सेक्टर-4 में त्रिदिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का समापन समारोह संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीएवी संस्थान सेक्टर-4 में चल रही क्षमता संवर्धन कार्यशाला आज दिनांक -29 जून,2025 को वांछित उद्देश्यों की प्राप्ति के साथ सफलतापूर्वक पूर्ण हुई। डीएवी जोन'जे'और 'बी' के छः विद्यालयों से करीब 350 शिक्षकगण सेमिनार में भाग लेकर इससे लाभान्वित हुए। शिक्षा के विभिन्न स्तरों प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च स्तरीय श्रेणी के विभिन्न विषयों पर आयोजित यह कार्यशाला शिक्षकों और शैक्षणिक प्रक्रिया को प्रभावशाली,रुचिकर, उपयोगी और बच्चों के बोध ज्ञान के मद्देनजर सुनियोजित की गई थी जो कि अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में शत प्रतिशत कामयाबी रही। समापन समारोह के अवसर पर सूरज शर्मा, प्राचार्य चिन्मया विद्यालय, सिटी कोऑर्डिनेटर सीबीएसई सह ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर एवं विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यों की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि इतनी बृहद संख्या में शिक्षकों का सेमिनार अत्यंत सुनियोजित और सुगमता से आयोजित करना होस्ट विद्यालय के प्राचार्य की अतिविशिष्ट व्यक्तित्व का द्योतक है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षक राष्ट्र निमार्ता है। इसलिये वह अपनी भूमिका को पहचानें और उसी के अनुरूप बच्चों को शिक्षा दें। आज के बच्चे हीं कल के भविष्य है। मतलब, कल का भविष्य आज के शिक्षक के हाथ में है। श्री शर्मा सीबीएसई ,एनसीईआरटी और यूनेस्को के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित वर्कशाप का हिस्सा रह चुके हैं और अपने प्रशिक्षण के अनुभवों को उन्होंने सबों के साथ साझा किया ।

झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज का जिला सम्मेलन संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज का जिला सम्मलेन स्थानीय वर्णवाल धर्मशाला में सम्पन्न हुआ ,कार्यक्रम का उदघाटन समाज के प्रदेश प्रधान सह महासचिव सह चुनाव पर्यवेक्षक संतन शर्मा और प्रदेश उपाध्यक्ष संजय शर्मा ने भगवान विश्वकर्मा के तस्वीर पर पूजा अर्चना कर किया। सम्मलेन के दौरान प्रदेश कमिटी के द्वारा मनोनीत चुनाव पर्यवेक्षक संतन शर्मा और संजय शर्मा के नेतृत्व में जिला कमिटी का चुनाव कराया गया। जिसमें अध्यक्ष पद पर दो उम्मीदवारों निवर्तमान अध्यक्ष सुभाष राणा और प्रदेश महासचिव हिरामन मिस्त्री ने नामांकन प्रपत्र दाखिल किया। आमसहमति नही बनने पर चुनाव पदाधिकारी के द्वारा अध्यक्ष पद के लिए मतदान करवाया गया। जिसमें निवर्तमान जिलाध्यक्ष सुभाष राणा 78 मत प्राप्त कर लगातार तीसरी बार समाज के जिलाध्यक्ष बनने का गौरव हासिल किया वहीं हिरामन मिस्त्री को 14 मत प्राप्त हुए वहीं जिला महासचिव पद पर सुखदेव राणा और कोषाध्यक्ष पद पर रामदेव विश्वकर्मा निर्विरोध निर्वाचित हुए । दोनों पदाधिकारियों ने भी लगातार तीसरी बार महासचिव और कोषाध्यक्ष बनने का गौरव हासिल किया। कुलमिलाकर कहा जाय तो समाज के लोगों ने पुरानी कमिटी पर आस्था व्यक्त करते हुए ,कमिटी को बरकरार रखा। मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष बाबूलाल राणा ,भुवनेश्वर राणा, कृष्णा राणा, प्रो कैलाश राणा, राजू राणा,सुभाष राणा ,देवेन्द्र राणा, संतोष राणा, पोखराज राणा, मोहन राणा, बीरेंद्र राणा,अरुण राणा, बसन्त राणा, अभिजीत राणा, रामानन्द राणा,अजय राणा ,विनोद विश्वकर्मा ,राकेश राणा, मुन्ना राणा, राजेश कु राणा, दिनेश राणा, द्वारिका राणा, रामचंद्र राणा, सतीश राणा ,राजकुमार राणा, गजाधर राणा, छोटेलाल राणा, दशरथ राणा,भगीरथ विश्वकर्मा, बबलू राणा सहित भारी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।

विश्वकर्मा समाज का 47वां वार्षिक अधिवेशन संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेक्टर 4 जी विश्वकर्मा मंदिर परिसर में आज समाज का 47वां वार्षिक अधिवेशन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के सभी पदाधिकारी, सदस्यगण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अधिवेशन के मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष माननीय श्री विकास राणा जी थे, जिन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समाज के कोषाध्यक्ष द्वारा वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया, जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। इसके पश्चात समाज की भावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मंदिर परिसर में बने सामुदायिक भवन के सौंदर्यीकरण के बाद, उसके उपयोग के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही परिसर में संचालित योग केंद्र के संचालन हेतु 'आयुष वेल बिइंग सेंटर' संस्था को जिम्मेदारी देने पर भी चर्चा हुई। अधिवेशन में समाज के विकास और संगठन को मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा हुई। महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए यह तय किया गया कि अब समाज के पदाधिकारियों का चुनाव हर तीन वर्ष में एक बार किया जाएगा। यह निर्णय संगठन में पारदर्शिता और निरंतरता लाने के उद्देश्य से लिया गया। समाजपति राम बिहारी शर्मा ने सभी सदस्यों को एकजुट होकर समाज के विकास में योगदान देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मिलजुल कर ही समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। अंत में समाज के महामंत्री कैलाश शर्मा ने सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया। अधिवेशन में वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारीगण, मंदिर निर्माण समिति के सदस्य और समाज के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने समाज को आगे बढ़ाने के लिए अपने-अपने बहुमूल्य सुझाव दिए और एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर प्रमुख उपस्थिति गणमान्य बृहस्पति शर्मा, रामनाथ शर्मा, वी पी शर्मा, नुनू लाल विश्वकर्मा, कैलाश शर्मा, राम लखन मिस्त्री ,गुप्तेश्वर शर्मा, रामानंद शर्मा, मधुसूदन शर्मा, लालबाबू शर्मा, सुभाष शर्मा, शिव कुमार मिस्त्री, रामायण शर्मा, मनोज शर्मा, चंदन कुमार आदि लोग सम्मिलित हुए।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने की शिबू सोरेन के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना किया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो महानगर समिति के समस्त कार्यकताओं ने आज पार्टी के परम आदरणीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और सकुशल झारखंड वापसी की कामना के लिए विशेष पूजा-अर्चना और हवन का आयोजन किया। यह आयोजन बोकारो माराफारी स्थित बाबा भोलेनाथ मंदिर और मां चंचनी मंदिर में किया गया। कार्यकताओं ने पूर्ण श्रद्धा और निष्ठा के साथ भगवान से प्रार्थना की कि दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में इलाजरत गुरुजी को जल्द से जल्द स्वास्थ्य लाभ मिले। उनकी अनुपस्थिति पार्टी और राज्य दोनों के लिए चिंता का विषय है, और सभी को उनके शीघ्र स्वस्थ होकर वापस लौटने का इंतजार है। इस अवसर पर बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव एवं सभी झामुमो कार्यकताओं ने एक स्वर में गुरुजी के दीघायु जीवन की कामना की। उन्होंने यह संकल्प भी दोहराया कि गुरुजी के कुशल नेतृत्व में झारखंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जाएगा। पूजा में शामिल प्रमुख कार्यकताओं में जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी, मदन कुमार महतो, संजय केजरीवाल, रामदयाल सिंह, प्रमोद तापड़िया, आलोक सिंह, अर्जुन महतो, पुनीत विश्वकर्मा, राकेश सिन्हा, लालमोहन हेंब्रम, सदानंद गोप, बम पांडे,विनोद महतो, अशोक हेंब्रम, केके मंडल, प्रदीप मंडल, रणधीर रजक, दिनेश यादव, सुखविंदर सिंह, वीरू मुंडा, प्रदीप यादव, अजय यादव, महिला नेत्री शांति सोरेन, एकता देवी, सानिया बेगम, कुसुम भारती, हसन शेख, सुमन वर्मा, शंभू गुप्ता, धनेश तूरी, सुनील सिंह, कुंदन दास, लकी गोस्वामी, सुनील रजवार, बीरबल हसदा, चंदन कुमार,आदि उपस्थित रहे।

9 जूलाई की देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने को लेकर सीटू कार्यकर्ताओं ने कसी कमर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रविवार इस्पात मजदूर मोर्चा, सीटू कार्यालय सेक्टर 9 में युनियन के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता स्टील वर्कर्स फेडेरेशन ऑफ इंडिया के महामंत्री ललित मोहन मिश्रा ने कहा कि 1991 में हमारे देश में नई आर्थिक नीति लागू होने के बाद से, मजदूर वर्ग के स्वतंत्र क्षेत्रीय औद्योगिक कार्रवाइयों के अलावा रैलियां, धरने, महापड़ाव और 21 आम हड़तालों जैसे संयुक्त विरोध कार्रवाई के कारण प्रमुख क्षेत्रों में निजीकरण और एफडीआई की प्रक्रिया को धीमा करने के साथ-साथ अधिकारों और आजीविका पर हमलों को भी काफी हद तक रोकने में सफलता मिली। लेकिन पिछले एक दशक से केन्द्र सरकार व्यापार करने में आसानी₹ सुनिश्चित करने के नाम पर, सत्तारूढ़ दलों को कॉर्पोरेट्स द्वारा दी जाने वाली वित्तीय पोषण के प्रतिदान के लिए आतुर हो गई है। इसके अलावा, संकटग्रस्त वित्तीय पूंजी के हुक्म के आगे आत्मसमर्पण करने की होड़ भी और तेज हो गई है। कोविड संकट के दौरान आपदा में अवसर का नारा देकर आम जनता और विशेष रूप से मजदूरों और किसानों पर हमला तेज किया। इन अभूतपूर्व हमलों ने मजदूरों को कोविड संकट के दौरान भी अपने आंदोलनों को तेज करने के लिए मजबूर किया है। 8 जनवरी 2020, 26 नवंबर 2020 और 28-29 मार्च 2022 को देशव्यापी आम हड़ताल के अलावा जिला और राज्य स्तर पर कार्रवाई हुई।

9 जुलाई की मजदूर हड़ताल को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : केंद्रीय ट्रेड यूनियनों एवं स्वतंत्र फेडरेशनों के आह्वान पर केन्द्र सरकार की मजदूर विरोधी चार श्रम संहिताव जनविरोधी नीतियों के खिलाफ देशव्यापी हड़ताल की तैयारी को लेकर ट्रेड यूनियनें सीटू, एक्टू और एटक के नेताओं की संयुक्त बैठक वैशाली प्रेस के समीप झुमरीतिलैया में हुई।
बैठक में 9 जुलाई को प्रस्तावित देशव्यापी मजदूर हड़ताल की तैयारी की समीक्षा की गई तथा कोडरमा जिला में व्यापक जन अभियान चलाकर हड़ताल को सफल करने और झुमरीतिलैया में एक विशाल रैली निकालने का निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए ट्रेड यूनियन नेताओं ने कहा कि मजदूर वर्ग केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों को लेकर बेहद आक्रोशित हैं। चार श्रम संहिताओं को जबरन थोपने, न्यूनतम मजदूरी के उल्लंघन, काम के घंटे बढ़ाने, ठेका प्रथा को बढ़ावा देने और सामाजिक सुरक्षा में कटौती जैसे सवालों पर मजदूर वर्ग का व्यापक असंतोष स्पष्ट रूप से सामने आया है। 9 जुलाई को संगठित क्षेत्र के मजदूर अपने-अपने सेक्टरों में हड़ताल पर रहेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा रास्ता रोको जैसे कार्यक्रम करेंगे। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि यह संघर्ष पीछे हटने का नहीं, बल्कि और अधिक व्यापक जन आंदोलन के रूप में आगे ले जाने का समय है। सभी यूनियनों से अपील की गई कि वे इन कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करें। बैठक की अध्यक्षता सीटू के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश ने की। बैठक में सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान, जिला सचिव रमेश प्रजापति, एक्टू के जिला सचिव विजय पासवान, राजेन्द्र यादव, एटक के जिला सचिव बिनोद पासवान व सीटू के अशोक रजक आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

नगर के विभिन्न बूथों पर कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

कोडरमा : नगर अंतर्गत विभिन्न बूथों पर भाजपा कार्यकताओं ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक कार्यक्रम मन की बात के 123 वं एपिसोड का सामूहिक श्रवण रविवार 11 बजे किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस की सफलता एवं आपातकाल एक गदर कथा पर विस्तार से चर्चा की उन्होंने अपने संबोधन में अंतरिक्ष मिशन का भी जिक्र किया और शुभांशु शुक्ला की तारीफ की। उन्होंने देशवासियों से अपने दैनिक आहार में तेल का उपयोग कम करने दिनचर्या में योग को शामिल करने,पर्यावरण संरक्षण में सहभागिता एवम् स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करने और उसे अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करने की बात कही इस लोकप्रिय कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष अजय पांडेय, नगर महामंत्री उत्तम कुमार, मुकेश यादव,जगदीश सिंह, गुजर राम, आदित्य गोस्वामी,अजय सहनी, रोहित कुमार, मुरारी रजक,मनोज कुमार,संध्या देवी,राजा कुमार ,चिंता देवी,मुनिया देवी,कंचन देवी,किरण देवी समेत दर्जनों की संख्या में कार्यकताओं ने सामूहिक श्रवण किया।

स्टेशन पर आरपीएफ की सतर्कता से नाबालिग लड़की को बचाया गया, चाइल्ड हेल्प डेस्क को सौंपा

बोकारो : झारखंड के जिला बोकारो में बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन पर शाम करीब 7:55 बजे ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ पोस्ट के अधिकारी एसआई अरुणा उरांव, एएसआई पवन कुमार झा और 'मेरी सहेली' टीम की एलसी सुषमा ने अपनी सतर्कता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक नाबालिग लड़की को सुरक्षित बचा लिया। यह लड़की स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर अकेले संदिग्ध अवस्था में घूम रही थी। आरपीएफ टीम ने जब उससे पूछताछ की, तो उसने अपना नाम, उम्र 13 वर्ष, और पता- बेटी जालसू साहू, निवासी- हुंडरू, डोरंडा, थाना- डोरंडा, जिला- रांची (झारखंड) बताया। पूछताछ में लड़की ने बताया कि वह अपने माता-पिता या अभिभावक को बिना कोई सूचना दिए घर से भागकर बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन पहुंच गई थी। उसके पास कोई यात्रा टिकट भी नहीं था। आरपीएफ अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए उक्त नाबालिग लड़की को सुरक्षित अभिरक्षा में लिया और आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए चाइल्ड हेल्प डेस्क, बोकारो को सौंप दिया। आरपीएफ की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की जा रही है।

रोटरी जिला 3250 के वार्षिक अवार्ड समारोह में चास को पुरस्कृत किया गया

बोकारो : रोटरी क्लब चास को समाज के प्रति समर्पित सेवाओं एवं अधिक से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए पुरस्कृत किया गया। ये पुरस्कार स्वास्थ्य जागरूकता, मेंबरशिप ग्रोथ, वोकेशनल क्षेत्र एवं सेवाओं के क्षेत्र में अद्वित्य योगदान के लिए प्रदान किया गया। रो ललित चोपड़ा को बेस्ट सहायक का अवार्ड मिलाकर 5 अवार्ड रोटरी क्लब चास को मिले। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि ये सम्मान समाज में हमारे समर्पण और योगदान का मूल्यांकन है। रोटरी क्लब के सचिव मुकेश अग्रवाल ने कहा कि हम आगे भी इसी तरह समझ में बदलाव लाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। यहां उल्लेखनीय है की पूरे झारखंड और बिहार को मिलाकर रोटरी क्लब के सदस्यों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। रोटरी क्लब चास की तरफ से अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा, सचिव मुकेश अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष पूजा बैद, सिद्धार्थ पारख,ललिता चोपड़ा, रितु अग्रवाल, विजय अग्रवाल एवं ज्योति अग्रवाल ने समारोह में हिस्सा लिया।

जेजेए कोडरमा इकाई की समीक्षा बैठक डोमचांच में संपन्न

कोडरमा : झारखण्ड जर्नलिस्ट एसोसियेशन कोडरमा जिला इकाई के अंतर्गत एक समीक्षा बैठक डोमचांच के नीरूपहाड़ी स्थित एच एम टी होटल में सफलता पूर्वक संपन्न हुई। जिसमे जिले भर के पच्चास से भी अधिक प्रत्रकार बैठक में शामिल हुए । बैठक की शुरूआत कोडरमा जेजेए इकाई के सचिव अनिल सिंह ने वर्ष भर का ब्योरा देते हुए संगठन में कई सारे वस्तुओं को प्रस्तुत किया ।मुख्य रूप से संगठन का विस्तार , नई कमेटी का गठन, नए लोगों को सदस्यता दिलाना ,संगठन में कोश की मजबूती, सदस्यों का बीमा आदि कई विषयों पर चर्चा की गई ।अलग अलग प्रखंड से आए हुए पत्रकार बंधु ने अपना अपना मंतव्य प्रस्तुत किया और संगठन की मजबूती पर प्रकाश डाला जिससे संगठन और मजबूत हो सके ।जिला प्रभारी जावेद इस्लाम ने जिले में जेजेए के पत्रकारों को लेखनी और अपने आप प्रस्तुत करने के तरीके को और बेहतर करने की कोशिश करनी चाहिए। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी संजीव समीर ने अनेक बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पत्रकारिता को और बेहतर तरीके से निखारने की सबको कोशिश करनी चाहिए और संगठन की मजबूती के लिए जो भी कमी होगी उसे पूरा करने की कोशिश की जाएगी। मौके पर जगदीश सलूजा ,नितिन कुमार मिश्रा, रामकृष्ण मेहता राम सिंह, प्रेम भारती, मुकेश गोस्वामी, ममता कुमारी, सचिन कुमार, मंटू सोनी रोहित दुबे मुकेश सिंह मनीष बरनवाल राहुल सिंह आदि लोग मौजूद थे।

जिले में 500 लाभुकों के पीएम जनमन आवास योजना का हुआ गृह प्रवेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़/लिट्टीपाड़ा : ज़िले के उपायुक्त ने लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत बांडु पंचायत के केसीटिकरी ग्राम में प्रधानमंत्री जनमन आवास में लाभुकों का कराया गृह प्रवेश। लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत बांडु पंचायत के केसीटिकरी गांव में पीएम जनमन आवास योजना के लाभुकों को उपायुक्त मनीष कुमार एवं मुखिया सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से लाभुक के नवनिर्मित पीएम जनमन आवास का फीता काटकर व नारियल फोड़ कर गृह प्रवेश कराया। लाभुक ने सरकार व जिला प्रशासन के प्रति अपना आभार जताया। कहा कि हमलोगों के पास रहने के लिए मकान नहीं था। कच्चे मकान में किसी तरह गुजर बसर करते थे। सरकार के मदद से आज हमलोगों के पास पक्का का मकान बन गया। इसके पश्चात उपायुक्त एवं बीडीओ सहित अन्य ने पौधारोपण किया।

कमजोर पीवीटीजी लाभुक योजनाओं का उठायें लाभ : डीसी

मौके पर उपायुक्त ने कहा कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान योजना की शुरूआत देश के कमजोर जनजातीय समूहों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से की गई है। इस योजना के अंतर्गत आदिवासी समुदायों को आवास, स्वच्छ पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जा रही है। ताकि अब तक सबसे निचले तबके के जरूरतमंद इन लोगों को समाज के अन्य तबके जैसा ही सुविधा उपलब्ध हो सके , ताकि इनका जीवनस्तर सुधरने के साथ ही सामाजिक स्तर में भी सुधार आए। पीएम जनमन योजना योजना के तहत लाभुकों को दो कमरों और किचेन युक्त पक्का मकान बनाकर दिया गया। आज पूरे जिले में 500 पीएम जनमन योजना के तहत एक साथ गृह प्रवेश कराया गया। आज पाकुड़ जिला के सभी प्रखण्डों में पीएम जनमन के तहत गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूरे जिले में 500 लाभुकों का गृह प्रवेश कराया गया। सभी प्रखण्ड़ों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं वरीय पदाधिकारियों ने लाभुकों को गृह प्रवेश करवाया। पाकुड़ प्रखंड में 15, हिरणपुर प्रखंड में 30, लिट्टीपाड़ा में 400, अमड़ापाड़ा में 10, महेशपुर प्रखंड में 30, पाकुड़िया प्रखंड में 15 लाभुकों ने अपने पीएम जनमन के तहत गृह प्रवेश किया।

एक नजर

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट, महिला घायल

साहिबगंज : गंगा नदी थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर दियारा में दो पक्षों में मारपीट हो गई। जिसमें एक पक्ष के एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को परिजनों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया। अस्पताल में चिकित्सक केशव कृष्णा के द्वारा इलाज किया गया। मिली जानकारी के अनुसार रामपुर दियारा निवासी रामदयाल सिंह की 45 वर्षीय पत्नी गीता देवी मारपीट के दौरान घायल हो गई। घायल महिला गीता देवी ने आरोप लगाते हुए बताई की पड़ोस की ही कुतुर सिंह की बकरी हमारे घर में आ जाती है और बकरी को भागने पर कुतुर सिंह के परिवार वालों ने आए दिन लड़ाई झगड़ा करता रहता है। जहां शनिवार के बीते शाम पड़ोस के कुतुर सिंह के बकरी मेरे घर में घुस गया परिवार वालों को बोलने पर कुतुर सिंह व उनकी पत्नी साथ ही उसका बेटा दिल चंद्र कुमार ने मुझे लाठी डंडा से सिर पर प्रहार कर दिया जिसमें मैं गंभीर रूप से घायल हो गई। बरहाल घायल महिला का इलाज सदर अस्पताल में किया गया। संबंधित थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

दो पक्षों के मारपीट में पांच लोग घायल

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटी कोदरजन्ना में दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई जहां दोनों पक्षों में से पांच लोग घायल हो गए। सभी घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। मिली जानकारी के अनुसार छोटी कोदरजन्ना गांव निवासी मो अजबुल की 40 वर्षीया पत्नी बीबी फुलबुन ने दूसरे पक्ष लोगों पर किसी धारदार चीज से मारपीट का आरोप लगाते हुए बताई की खेत से मवेशी चरा कर आ रहे थे। उसी दौरान मो कलवा व उनका पुत्र व मो जुलानी मोटरसाइकिल लेकर आ रहा था और मैंने देखा भी नहीं और मोटरसाइकिल से उतरकर मारपीट करके मुझे घायल कर दिया। वहीं दूसरे पक्ष छोटी कोदरजन्ना गांव निवासी मो खालिफ की 26 वर्षीया पत्नी रिजवाना खातून ने आरोप लगाते हुए बताई कि शेख अली हुसैन व मो जिलानी मोटरसाइकिल से बाहर से आ रहा था। उसी दौरान खेत में ही बीवी फुलबून ने एट पत्थर से देवर को मारने लगा जब घर आया तो हमारे ही घर के परिवार शेख अलाउद्दीन की 15 वर्षीय पुत्र मो गराबुल को सिर पर ईट पत्थर से मारकर घायल कर दिया। जब एट पत्थर चलने लगा तो नाजिया खातून 16 वर्षीया भी घायल हो गई साथ ही जुलानी को भी चोट लगी है। आगे घायल महिला रिजवाना खातून ने बताई की सोने के कान की बाली भी बीबी फूलबून ने छीन लिया है।

दो अलग-अलग मामले में पुलिस ने दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज/तीनपहाड़ : थाना कांड संख्या 56/17 के प्राथमिकी अभियुक्त मुंशी टुडू,पिता बड़का टुडू,ग्राम बथानी संथाली को रविवार को न्यायालय द्वारा निर्गत वारंटी को छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया। वही बिजली चोरी मामले के आरोपी गयासुद्दीन अंसारी जिस पर तीनपहाड़ थाना में कांड संख्या 244/23 मामला दर्ज है इसी मामले में न्यायालय के द्वारा उक्त अभियुक्त के खिलाफ वारंट जारी किया गया था जिसको लेकर तीनपहाड़ थाना पुलिस ने मामले के प्राथमिकी अभियुक्त को उसके घर से छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया। वही गिरफ्तार किए गए दो अलग अलग मामले के आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। छापेमारी दल में तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडेय,नारद गहलोत सहित अन्य पुलिस बल शामिल थे।

खेल संघों के प्रतिनिधियों से खेल विकास को बढ़ावा देने पर दिया जोर : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिले के विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में खेल गतिविधियों को सुव्यवस्थित करना तथा खिलाड़ियों को बेहतर अवसर और संसाधन उपलब्ध कराना था। उपायुक्त ने सर्वप्रथम सभी खेल संघों के पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए परिचय प्राप्त किया एवं संबंधित खेल संघों से उनके क्रियाकलाप के बारे में जानकारी ली। उपायुक्त ने कहा कि जिले में खेलों के समग्र विकास हेतु सभी संघों का सहयोग आवश्यक है। उपायुक्त ने जिला खेल पदाधिकारी को प्रत्येक प्रखंडों में विभिन्न खेलों के डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के लिए विभाग को प्रस्ताव बनाकर भेजने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी खेल संघों को निर्देश दिया गया कि वे अपना मान्यता संबंधी कागजात एवं अपनी कार्य योजना, वार्षिक खेल कैलेंडर एवं अपनी समस्या जिला खेल कार्यालय को उपलब्ध करायें। साथ ही खेल संघों को समय-समय पर साफ सफाई अभियान एवं खेल गतिविधि आयोजित करने का निर्देश दिया गया। जिले में खेल की आधारभूत संरचना कैसे तैयार की जाए इस पर भी चर्चा की गई। उपायुक्त ने एनएसएस, एनसीसी एवं एनबाईके को भी जिले में विभिन्न गतिविधियों में शामिल होने का निर्देश दिया गया। बैठक में अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, जिला खेल पदाधिकारी राहुल कुमार, अध्यक्ष पाकुड़ जिला एथलेटिक्स संघ अम्लान कुसुम सिन्हा, महासचिव पाकुड़ जिला ओलंपिक संघ रणवीर सिंह, उपाध्यक्ष पाकुड़ जिला साइकलिंग संघ सुजीत विद्यार्थी, सचिव पाकुड़ जिला क्रिकेट संघ प्रणय तिवारी, प्रकाश सिंह, उमर फारूक, जवाहर सिंह समेत अन्य उपस्थित रहे।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव ने सुनीं जन समस्याएं, कई मामलों का किया ऑन-द-स्पॉट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में आज रविवार को पाकुड़ जिला कांग्रेस कार्यालय में झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव तनवीर आलम ने पाकुड़ जिला कांग्रेस कार्यालय में जनसमस्याओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस अवसर पर जिले के विभिन्न पंचायतों और नगर क्षेत्र से आए पुरुष व महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक के दौरान आम नागरिकों ने जमीन विवाद, मईया सम्मान योजना, पेंशन योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत अनुदान में विलंब, ग्रीन कार्ड जारी न होने तथा जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र संबंधी समस्याएं रखीं।

प्रदेश सचिव ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर कुछ समस्याओं का तत्काल समाधान कराया। शेष समस्याओं के शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित

पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। इस अवसर पर कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप सेः जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार, प्रखंड अध्यक्ष मानसारुल हक, विधायक प्रतिनिधि गुलाम अहमद उर्फ बकुल, प्रदेश सचिव सेमिनुल इस्लाम, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शाहीन परवेज, महिला मोर्चा शहनाज बेगम, युवा जिला अध्यक्ष बिलाल शेख, मीरजहां विश्वास नसीम आलम, लड्डू शेख सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने किया प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के द्वारा प्रधान कैफेटेरिया हजारीबाग में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि डॉ एस के सिन्हा, विशिष्ट अतिथि डॉ (प्रो) प्रदीप कुमार प्रधान तथा सभा अध्यक्ष दीपक नाथ सहाय रहे। मंच संचालन राजीव रंजन के द्वारा किया गया। जिसमें जिले के सभी वर्ग के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं दिव्य प्रकाश, श्रेष्ठ अरुण, आयुष राज सिंह, प्रेयस प्रत्यूष, सौम्या पलक ,प्रियांशी सिंन्हा, जानवी आलोक ने 10 वी एवं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ताइक्वांडो में स्वर्ण पदक जीते हुए प्रतिभागी रजनी यादव, चाहत यादव,शोभा यादव, एवं नेशनल बेसबॉल चैंपियन मानवी आलोक को उनके माता-पिता के साथ सम्मानित किया गया । हजारीबाग के आदर्श सिन्हा जिन्होंने विश्व स्तर पर, फ्रांस के पेरिस में अपने शोध अनुसंधान आर्टिकल में भारत को अपनी पहचान दिलाते हुए तीसरा स्थान हासिल किया था उन्हें सम्मानित करने का कार्य किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में व्यवस्था प्रमुख डॉ प्रभात कुमार प्रधान, अनिल कुमार लाल, शशिकांत श्रीवास्तव, बप्पी करण एवं सक्रिय सदस्य के रूप में अंजनी सिन्हा, बैजनाथ लाल, नवल किशोर प्रसाद, ललित मोहन,अनुज कुमार सिन्हा ने किया। कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या हजारीबाग के गणमान्य तथा विभिन्न वर्गों के समाजसेवी, बुद्धिजीवी आदि मौजूद थे ।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट निर्माण का हुआ शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : रविवार को स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पाकुड़ विधायक निशात आलम के निर्देश अनुसार विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बरहरवा परिसर में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट निर्माण कार्य का विधिवत फीता काट कर एवं नारियल फोड़ कर शिलान्यास किया। यह योजना स्वास्थ्य विभाग, झारखंड सरकार द्वारा निर्माण कार्य की राशि क 36.70.888.57 लाख) स्वीकृत है, जो बरहरवा प्रखंड के निवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में गुणात्मक सुधार लाने का कार्य करेगी। स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर गठबंधन की सरकार गंभीर है। विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने शिलान्यास समारोह में कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार

राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को सभी स्तरों पर सुदृढ़ बनाने के लिए पूरी तरह गंभीर है। क्षेत्रीय विकास में स्वास्थ्य सेवा एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, और इसे सशक्त बनाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी और सिंचाई जैसे बुनियादी ढांचे को भी लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। सरकार की योजनाएं सिर्फ कागजों में नहीं, जमीन पर उतरती दिख रही हैं। वहीं बरकत खान ने बताते हुए कहा की ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट एक आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली है, जो क्षेत्रीय स्तर पर महामारी नियंत्रण, स्वास्थ्य निगरानी, टीकाकरण, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी आकस्मिक सेवाओं के समन्वयन का कार्य करेगी। इसके निर्माण से स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य से जुड़ी कई चुनौतियों का समाधान संभव हो सकेगा। मौके पर उपस्थित प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, सहायक अभियंता, कांनिय अभियंता, सिविल सर्जन पी.के संथाली,कमल आर्य,नेहाल अख्तर, भोलानाथ महतो, मिथुन मंडल, अनंत लाल भगत, मनोज घोष, बिष्णु मॉल, शरिक रब्बानी, अजीत कुमार रॉय, दीपक महतो सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पदाधिकारी रहे।

सवर्ण महासंघ फाउंडेशन ने की नई टीम की घोषणा, कई पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : सवर्ण महासंघ फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने संगठन विस्तार की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए रविवार को नई टीम की घोषणा की है। यह घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष धनुर्धर त्रिपाठी की सहमति से राष्ट्रीय प्रवक्ता रिंकू तिवारी ने की। संगठन ने उत्तरप्रदेश का अध्यक्ष प्रीतम मिश्रा को बनाया है, जबकि पश्चिम बंगाल की कमान नीरज कुमार शाही को सौंपी गई है। झारखंड प्रदेश की महामंत्री की जिम्मेदारी रजनी सिंह को दी गई है। बिहार में युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नीरज सिंह की नियुक्ति की गई है। जमशेदपुर निवासी सांवर लाल शर्मा को केंद्रीय संरक्षक मंडल में स्थान मिला है।

दयाशंकर मिश्रा को कोल्हान झारखंड प्रदेश का संयोजक सह प्रभारी बनाया गया है। पूर्वी सिंहभूम जिला संयोजक की जिम्मेदारी देवानंद झा को, सरायकेला-खरसावां जिलाध्यक्ष का दायित्व मनीष सिंह वंदन को और पश्चिम सिंहभूम जिलाध्यक्ष का पद मनीष तिवारी को सौंपा गया है। छत्तीसगढ़ के जांजगीर जिले का अध्यक्ष अरमान शर्मा को नियुक्त किया गया है। महिला मोर्चा सरायकेला-खरसावां की जिलाध्यक्ष सुनीता मिश्रा बनाई गई हैं। माहेश्वर प्रताप सिंह को जमशेदपुर महानगर का संगठन महामंत्री नियुक्त किया गया है। संजीव कुमार श्रीवास्तव को झारखंड प्रदेश सचिव के साथ-साथ ओडिशा का प्रभार भी सौंपा गया है। रोहित कुमार जोशी को संथाल परगना का संयोजक बनाया गया है, वहीं पवन कुमार उपाध्याय को जमशेदपुर महानगर युवा मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय कार्यसमिति में झारखंड से हृदयानंद तिवारी (जमशेदपुर) और डॉ. संजय कुमार (पतरातू) को शामिल किया गया है। जमशेदपुर महानगर कार्यालय प्रभारी की जिम्मेदारी अजय तिवारी को और जिला प्रवक्ता का दायित्व शिव शक्ति प्रसाद को सौंपा गया है। संगठन की इस नई घोषणा से सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है और जल्द ही इनके नेतृत्व में विभिन्न जिलों में संगठनात्मक गतिविधियों को गति दी जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

पेड़ में फांसी के फंदे से लटका मिला युवती का शव

तीनपहाड़ : थाना क्षेत्र के वृंदावन पंचायत के रामचौकी की एक युवती का शव गांव से दूर एक पेड़ में फंदे से लटकता मिला है। मिली जानकारी के अनुसार रामचौकी मालपाड़ा की 19 साल की युवती का शव रविवार की सुबह गांव से दूर गोल नदी किनारे स्थित एक जामुन के पेड़ पर दुपट्टा के फंदे से लटकता मिला। इस घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया। परिजनों के अनुसार युवती बीते शनिवार दोपहर करीब 3 :00 बजे से घर से गायब थी। जिसकी काफी खोजबीन की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चल रहा था। अगले दिन रविवार की सुबह जब एक व्यक्ति अपने मवेशियों को चराने जा रहा था तो उसने युवती को फांसी के फंदे से लटकता देखा और शोर मचाया। जिससे गांव वाले मौके पर पहुंचे और शव की पहचान उस युवती के रूप में की। घटना की सूचना मिलने पर वृंदावन पंचायत के मुखिया पौलुस मुर्मू भी मौके पर पहुंचे और तीनपहाड़ थाना पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे, एएसआई ललन रजवार और एएसआई बाबू शरण मुर्मू घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की छानबीन शुरू कर दी। वही इस मामले को लेकर थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे ने बताया कि प्रथम दृष्टया देखने पर आत्महत्या प्रतीत होता है और परिजन भी आत्महत्या की बात कह रहे है। लेकिन पुलिस घटना की छानबीन कर रही है।

मोहर्रम को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

साहिबगंज : मोहर्रम पर्व को लेकर जिरवाबाड़ी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। मोहर्रम पर्व का अखाड़ा जुलूस 6 और 7 जुलाई को निकाला जाएगा। जिरवाबाड़ी थाना में बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी शशि सिंह ने की। बैठक में शहर के समाजसेवी व गणमान्य लोग उपस्थित हुए। थाना प्रभारी ने सभी को संबोधित करते हुए पर्व को लेकर चर्चा की। कहा कि मोहर्रम पर्व आपसी भाईचारा शांति सौहार्द के साथ मनाएं। थाना प्रभारी ने आपत्तिजनक फोटो या वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट या वाइरल नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी चौक चौराहे और मंदिरों के समीप एवं इसके बाद अखाड़ा जुलूस को लेकर सभी स्थानों में दंडाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बलों की तैनाती में की जाएगी। आगे बताया कि व्हाट्सएप ग्रुप पर भी विशेष निगरानी रखी जायेगी। कोई किसी की धर्मिक भावनाओं को आहत नहीं करेगा। असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए कड़ी व्यवस्था की गई है। सभी कमेटी एक साथ मीटिंग कर मोहर्रम अखाड़ा जुलूस का समय निर्धारित कर लें। आगे उन्होंने कहा कि मोहर्रम का जुलूस शांति वातावरण में भाईचारे के साथ निकाले। मोहर्रम कमेटी से आए लोगों ने अपने-अपने विचार प्रकट किए। मौके पर शहर के दर्जनों समाजसेवी व गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मॉडल कॉलेज के छात्रों ने विश्वविद्यालय स्तरीय हूल दिवस प्रतियोगिता में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

साहिबगंज/राजमहल : मॉडल कॉलेज मुरली के छात्रों ने सिद्धू कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका द्वारा आयोजित हूल दिवस के उपलक्ष में विभिन्न सांस्कृतिक शैक्षणिक एतिहासिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने कला प्रतिमा का प्रदर्शन किया है। जिसमें विभिन्न महाविद्यालय ने भाग लिया। मॉडल कॉलेज की ओर से भाषण प्रतियोगिता मो अशरफ अली, एकल नृत्य दीप्ति दास, क्विज प्रतियोगिता राहुल कुमार, भैरव रंजन, रंगोली प्रतियोगिता सुहानी कुमारी, पलक कुमारी, आदि ने भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता दल का नेतृत्व कॉलेज के हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ अमित कुमार ने किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ रंजीत कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों द्वारा हुल दिवस की भावना को आत्मसात कर जिस प्रकार का प्रदर्शन किया गया है, वह अत्यंत सराहनीय है।

एक व्यक्ति को सांप के काटने से हुआ मूर्छित

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति को जहरीले सांप के काटने से मूर्छित हो गया। मूर्छित व्यक्ति को इलाज के लिए शनिवार की देर रात सदर अस्पताल लाया गया। मिली जानकारी के अनुसार तारबन्ना गांव निवासी अर्जुन शर्मा के 46 वर्षीय पुत्र गंगा प्रसाद शर्मा रोज की तरह मजदूरी बढ़ई का काम करके अपने घर जा रहा था। उसी दौरान शनिवार की रात रसूलपुर दहला में जहरीले सांप ने पैर में काटकर गंगा प्रसाद शर्मा को मूर्छित कर दिया। बरहाल मूर्छित व्यक्ति का इलाज सदर अस्पताल में डॉक्टर केशव कृष्णा के देखरेख में किया गया।

दो अलग-अलग मामले में पुलिस ने दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज/तीनपहाड़ : थाना कांड संख्या 56/17 के प्राथमिकी अभियुक्त मुंशी टुडू,पिता बड़का टुडू,ग्राम बथानी संथाली को रविवार को न्यायालय द्वारा निर्गत वारंटी को छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया। वही बिजली चोरी मामले के आरोपी गयासुद्दीन अंसारी जिस पर तीनपहाड़ थाना में कांड संख्या 244/23 मामला दर्ज है इसी मामले में न्यायालय के द्वारा उक्त अभियुक्त के खिलाफ वारंट जारी किया गया था जिसको लेकर तीनपहाड़ थाना पुलिस ने मामले के प्राथमिकी अभियुक्त को उसके घर से छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया। वही गिरफ्तार किए गए दो अलग अलग मामले के आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। छापेमारी दल में तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडेय,एसआई महेंद्र कुमार,मो शाहिद,नारद गहलोत सहित अन्य पुलिस बल शामिल थे।

दो पक्षों के मारपीट में पति, पति व बच्चा बुरी तरह घायल

साहिबगंज : राधानगर गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट मामले में तीन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज हो गई है। पीड़ित सोहाग साहा ने राधानगर थाना में आवेदन देकर बताया है कि बीते शुक्रवार की दोपहर खाना पीना खाकर अपने परिवार के साथ घर के आंगन में बैठे हुए थे। इसी बीच गांव के ही भोला गुप्ता,महेश गुप्ता और कपिल गुप्ता सभी ने लोहे का छड़ व अन्य हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। इस मारपीट में सोहाग साहा एवं पत्नी रीता देवी तथा पुत्र सूरज साहा तीनों गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने मारपीट में बीच बचाव किया।गंभीर हालत में राधानगर थाना पहुंचे। तीनों की गंभीर हालत को देख जख्म प्रतिवेदन देकर इलाज हेतु राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल भेजा गया।जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख हायर सेंटर रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों में पिछले पांच सालों से जमीन विवाद का मामला है। पीड़ित सोहाग साहा ने बताया कि उनकी पत्नी का हालत गंभीर है जिसका इलाज मालदा के एक निजी नर्सिंग होम में चल रहा है।

अंतरिक्ष की नई उड़ानः एक्सिओम-4 और भारत की वैश्विक पहचान

एक्सिओम-4 मिशन भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण है। वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ल की सहभागिता से यह मिशन सिर्फ तकनीकी उपलब्धि नहीं बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की उपस्थिति का प्रतीक बन गया है। अमेरिका की एक्सिओम-4 स्पेस और नासा के सहयोग से हुआ यह अभियान भारत को मानव अंतरिक्ष यात्रा के क्षेत्र में नई ऊंचाईयों पर ले गया है। वैज्ञानिक प्रयोगों, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर यह मिशन आने वाले गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की नींव मजबूत करता है। 41 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद जब भारत का कोई प्रतिनिधि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की ओर रवाना हुआ, तो यह महज एक मिशन नहीं था, बल्कि भारत के अंतरिक्ष विज्ञान, वैश्विक कूटनीति और वैज्ञानिक प्रतिष्ठा का पुनर्जन्म था। एक्सिओम-4 मिशन में भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ल की भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब अंतरिक्ष की दौड़ में सिर्फ एक सहभागी नहीं, बल्कि एक संभावित नेतृत्वकर्ता के रूप में देखा जा रहा है।

इस मिशन के माध्यम से भारत ने एक साथ कई स्तरों पर उपलब्धियाँ प्राप्त कीं। सबसे पहले, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से बात करें तो भारत ने इस मिशन के तहत सात प्रमुख वैज्ञानिक प्रयोग अंतरिक्ष में भेजे। ये सभी प्रयोग सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण पर आधारित थे और इनका उद्देश्य जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझना था। मेथी और मूंग जैसे बीजों पर किया गया अध्ययन भारतीय कृषि तकनीकों की विशिष्टता को अंतरिक्ष तक ले गया। इससे यह प्रमाणित होता है कि भारत की पारंपरिक खेती भी वैज्ञानिक शोध के लिए प्रासंगिक और आधुनिक है।

इसके अतिरिक्त, सूक्ष्मजीवों, माइक्रोएल्गी और मांसपेशियों के पुनरुत्पादन पर आधारित प्रयोगों ने दीर्घकालिक अंतरिक्ष यात्रा में जीवन समर्थन प्रणालियों के विकास में भारत की उपयोगिता को सिद्ध किया। इससे स्पष्ट है कि भारत केवल अंतरिक्ष में मौजूदगी दर्ज कराने नहीं बल्कि उसमें नवाचार और अनुसंधान के स्तर पर योगदान देने आया है। शुभांशु शुक्ल का स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन यान को सफलतापूर्वक डॉक करना और अंतरिक्ष में आपातकालीन स्थितियों का प्रशिक्षण प्राप्त करना, आने वाले गगनयान मिशन के लिए अमूल्य अनुभव है। यह भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए एक मजबूत बुनियाद का कार्य करेगा।

एक्सिओम-4 ने यह भी दिखा दिया कि भारत अब व्यावसायिक अंतरिक्ष उड़ानों में भी प्रवेश कर चुका है। एक्सिओम-4 स्पेस और भारतीय स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस के बीच हुआ समझौता दर्शाता है कि भारत अब केवल सरकारी संसाधनों पर निर्भर नहीं रहना चाहता, बल्कि निजी क्षेत्र के सहयोग से सस्ते और नवीन समाधान विकसित करने की दिशा में अग्रसर है। यह भारतीय अंतरिक्ष नीति की आत्मनिर्भरता और स्टार्टअप संस्कृति की सफलता की कहानी है।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो एक्सिओम-4 भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते सहयोग का प्रतीक है, विशेषकर आईसीईटी और आर्टेमिस समझौते जैसी व्यवस्थाओं के अंतर्गत। भारत ने इस मिशन के जरिए न केवल अमेरिका बल्कि वैश्विक दक्षिण-उत्तर सहयोग की भावना को भी मजबूती दी। इस मिशन में भारत के साथ पोलैंड और हंगरी जैसे देशों के अंतरिक्ष यात्री भी शामिल थे। यह वैश्विक समावेशिता और साझेदारी का प्रतीक था।

यह मिशन भारत की सॉफ्ट पावर को भी बढ़ावा देता है। जब दुनिया के समाचार चैनलों पर भारत का नाम मानव अंतरिक्ष यात्रा के साथ जोड़ा गया, तो यह सिर्फ तकनीकी नहीं, कूटनीतिक जीत भी थी। भारत ने यह दिखा दिया कि वह केवल उपग्रह भेजने वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष में मानव भेजने और सहयोग करने वाला देश बन चुका है। एक्सिओम-4 मिशन से भारत के निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप्स को भी नया आत्मविश्वास मिला है। स्काईरूट और अग्निकुल कॉसमॉस जैसी कंपनियाँ अब वैश्विक सहयोग की दिशा में अपने कदम बढ़ा रही हैं। यह भारत के लिए निवेश, तकनीकी सहयोग और वैज्ञानिक नवाचार के नए द्वार खोलने वाला साबित हो सकता है।

सूडोकु नवताल- 7476

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7475 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

ईरान ने स्वयंभू 'विश्व विजेताओं' को दिखाया आईना

तनवीर जाफरी

मध्य एशिया में मंडरा रहे युद्ध के बादल फिलहाल छंटते हुये नजर आ रहे हैं। 13 जून को इस्राईल ने ईरान पर अचानक बड़ा हमला कर दिया था। इन हमलों में ईरान के उच्चस्तरीय 20 कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाइयां कीं। दोनों ओर से ड्रोन व मिसाइल की बौछार 12 दिनों तक होती रही। इस्राईल के इतिहास में यह पहला मौका था जब ईरान जैसे किसी देश ने धोखे से किये गये उसके हमलों का ऐसा मुंहतोड़ जवाब दिया जिसकी इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू या इस्राईल की जनता ने भी कभी कल्पना नहीं की होगी। इस्राईल बनाम ईरान संघर्ष में इस्राईल के वजूद से सम्बंधित कुछ बातें कभी भी नजरअंदाज नहीं की जा सकतीं। जर्मन तानाशाह एडोल्फ हिटलर के उत्पीड़न के बाद यहूदी मुख्य रूप से 1930 के दशक से 1940 के दशक के बीच फिलिस्तीनियों की अनुकम्पा से यहाँ बसने लगे। इस दौरान, लगभग 2,50,000 यहूदी फिलिस्तीन पहुंचे थे । द्वितीय विश्व युद्ध 1939-1945 के बाद, विशेष रूप से होलोकॉस्ट के बाद, 1945 से 1948 तक यहूदी प्रवास फिर से बढ़ा, और 1948 में इस्राईल की स्थापना के साथ यह प्रक्रिया और भी तेज हो गयी। चूँकि इस्राईल को अरब के इस क्षेत्र में बसाने में पश्चिमी देशों खासकर अमेरिका व ब्रिटेन की दूरगामी सोच काम कर रही थी इसलिये इन देशों ने इसे भरपूर समर्थन देकर न केवल इनके फलने फूलने में इस्राईल की पूरी मदद की बल्कि कब्जे की इस जमीन पर अपने विस्तार के लिये की जाने वाली हिंसक कार्रवाइयों में भी हमेशा इनके साथ रहे। इसी अमेरिकी समर्थन का नतीजा है कि इस्राईल गत दो वर्षों में गजा के लगभग 80 हजार बेगुनाह व निहत्थे लोगों को मार चुका है।और उसकी बर्बरतापूर्ण कार्रवाई अभी भी जारी है।

दूसरी तरफ वह ईरान है जो पश्चिमी देशों की ' बांटो और राज करो ' की नीति का शिकार होकर ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन के 57 सदस्य देश होने के बावजूद पश्चिमी साजिश के तहत केवल शिया-सुन्नी मतभेद के नाम पर हमेशा अलग थलग किया जाता रहा । इसके अलावा 1979 में जबसे ईरान में अमेरिका परस्त शाह मोहम्मद रजा पहलवी का तख़्ता पलट हुआ और अयातुल्लाह रूहुल्लाह खोमैनी के नेतृत्व में इस्लामी गणराज्य की स्थापना हुई तभी से ईरान अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का भी सामना करता आ रहा है। इस अमेरिकी विरोध की वजह केवल यह थी कि अयातुल्लाह खोमैनी के नेतृत्व वाली इस्लामिक क्रांति ने ईरान को न केवल पश्चिमी सभ्यता से मुक्त कर ईरानी सभ्यता पर चलने की राह हमवार की बल्कि ईरान की तेल सम्पदा को लेकर अमेरिकी मनमानी किये जाने के अमेरिकी सपनों को भी चकनाचूर कर दिया। यही वजह थी कि अमेरिका ने ईरान के 1979 इस्लामिक क्रांति के बाद के शासन को 'कट्टरपंथी शासन ' कह कर संबोधित करना शुरू कर दिया। और पूरे विश्व में ईरान को लेकर यही धारणा बनाने की कोशिश भी की।

उधर ईरान के अतिरिक्त इस्लामी जगत के लगभग सभी शेष देश पश्चिमी देशों खासकर अमेरिका की आँखों का तारा बने रहे। इसी लिये अमेरिका ने बहरीन, कुवैत, यूएई, इराक, सऊदी अरब,जॉर्डन जैसे अनेक देशों को ईरान का भय दिखा कर इन देशों की सुरक्षा करने के नाम पर यहाँ अपने सैन्य ठिकाने बना रखे हैं। कई अमेरिकी युद्धपोत भी इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। अमेरिका यह सारी कवायद केवल ईरान को घेरने की अपनी दूरगामी साजिश के तहत करता आ रहा है। उधर ईरानी नेतृत्व जिसकी बागडोर उन शिया उलेमाओं के हाथों में है जिनकी प्रेरणा का मुख्य स्रोत हजरत अली व उनके पुत्र हजरत इमाम हुसैन का वह घराना है जिसने लगभग 1450 वर्ष पूर्व करबला (इराक) में अपनी व अपने परिजनों की कुबार्नी देकर इतिहास में सुनहरे अक्षरों में रहती दुनिया तक के लिये यह लिख दिया कि दुश्मन चाहे जितना ताकतवर क्यों न हो परन्तु यदि वह क्रूर है,अमानवीय है,असत्य और हिंसा पर चलने वाला है,अधार्मिक है तो ऐसे दुश्मन के आगे सिर्फ उसकी ताकत से प्रभावित होकर झुकना 'अधर्म ' है। उस समय हुसैन ने यजीद की लाखों की सेना की परवाह नहीं की। जिसका नतीजा है कि आज पूरे विश्व में अली और उनके बेटे हुसैन का परचम लहराते देखा जा सकता है जबकि कोई मुसलमान अपने औलादों का नाम तक यजीद रखना पसंद नहीं करता।

उसी करबला से प्रेरणा लेकर ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामनेई ने इतिहास में पहली बार वह कर दिखाया जिसकी दुनिया उम्मीद भी नहीं कर रही थी। ईरान की तरफ से इस्राईल पर इतने जबरदस्त जवाबी आक्रमण हुये कि यदि एक सप्ताह और युद्ध खिंचता तो संभवतः पूरा इस्राईल खंडहर में तब्दील हो जाता। उधर चतुर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी ईरानी आक्रामकता से भयभीत होकर अपनी इज्जत बचाने के अवसर तलाशने लगे। दुनिया में कोई देश ऐसा नहीं जो इस्राईल व अमेरिका को एक साथ चुनौती देने का साहस रखता हो। वर्तमान समय की सच्चाई तो यही है कि जैसे इलाके के गुंडे के साथ खड़े होकर लोग अपने आप को भी सूरमा समझने लगते हैं उसी तरह अमेरिका का पिछलग्गू या उसका चाटुकार बनना भी दुनिया के अनेक देश अपना सौभाग्य समझते हैं। कुछ अमेरिकी शक्ति से प्रभावित होकर कुछ मधुर रिश्ते बनाये रखने की खातिर तो कुछ व्यावसायिक दृष्टिकोण के मद्देनजर। परन्तु ईरान अकेला ऐसा देश है जिसने 46 वर्षों के लम्बे अरसे का अमेरिकी प्रतिबंध झेलने के बावजूद अपने आप को इतना मजबूत कर लिया कि इस्राईल को अपना अस्तित्व खतरे में पड़ता नजर आने लगा तो अमेरिका को अपनी झूठी आबरू बचाने की नौबत आन पड़ी।

बहरहाल, दोनों देशों के बीच युद्ध विराम की खबर से पूरी दुनिया ने चैन की सांस तो जरूर ली है। परन्तु इस युद्ध विराम को लेकर इस्राईल व अमेरिका द्वारा किये जा रहे भ्रामक दावों के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह खामनई का बयान एक बार फिर ईरान के मजबूत पक्ष व उसके बुलंद हौसलों की तस्वीर पेश करता है। आयतुल्लाह ने साफ साफ कहा है कि ईरान न तो थोपी गई जंग स्वीकार करेगा और न ही थोपी गई शांति। ईरान किसी तरह के दबाव के आगे नहीं झुकेगा और किसी भी बाहरी हस्तक्षेप, खासकर अमेरिका की सैन्य दखलअंदाजी का कड़ा जवाब देगा। उन्होंने ने अमेरिका को साफ शब्दों में चेतावनी भी दी कि यदि वह इस्राईल-ईरान युद्ध में सैन्य हस्तक्षेप करता है तो उसे ऐसा नुकसान झेलना पड़ेगा जिसकी भरपाई नहीं हो सकेगी। जंग का जवाब जंग से, बम का जवाब बम से, और हमले का जवाब हमले से दिया जाएगा। यह बयान उनकी निडरता व उनके उस आक्रामक रुख को भी दशार्ता है, जिसमें उन्होंने यह स्पष्ट किया कि ईरान किसी भी हमले का जवाब उसी स्तर पर देगा और किसी तरह की कमजोरी हरगिज नहीं दिखाएगा। खामनई ईरान के सर्वोच्च नेता होने के साथ साथ देश के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ भी हैं। और सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ होने के चलते ईरान के संविधान के अनुच्छेद 110 के तहत सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह खामनेई को ही युद्ध या शांति की घोषणा करने का अधिकार हासिल है।

जल की बूंद-बूंद पर संकट : नीतियों के बावजूद क्यों प्यासी है भारत की धरती?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की धरती पर जल का संकट एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर हैरानी होती है कि इतनी योजनाओं, घोषणाओं और नीतियों के बावजूद यह देश बूंद-बूंद के लिए क्यों तरस रहा है। जब कोई देश दुनिया की 18% जनसंख्या को समेटे हुए हो और उसके पास केवल 4% ताजे जल संसाधन हों, तो संकट की आशंका तो बनती है, पर यदि यही देश दशकों से जल संरक्षण और जल प्रबंधन की योजनाओं का ढोल पीटता हो और फिर भी सूखा, प्यास, और जलजनित बीमारियाँ उसके हिस्से में आएं – तो यह केवल प्राकृतिक संकट नहीं, यह नीति, प्रशासन और नागरिक चेतना की सामूहिक असफलता है। भारत में पानी की स्थिति को अगर आंकड़ों की भाषा में समझें, तो भयावहता साफ दिखाई देती है। नीति आयोग की रिपोर्ट कहती है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा भूजल उपभोक्ता है – लगभग 25% भूजल अकेले भारत निकालता है। 11% से अधिक भूजल खंड 'अत्यधिक दोहित' यानी की स्थिति में हैं। दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद जैसे 21 प्रमुख शहरों के 2030 तक भूजल समाप्त होने की चेतावनी दी जा चुकी है। वहीं दूसरी ओर, 70% जल स्रोत प्रदूषित हैं। फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट और भारी धातुओं से दूषित यह जल 23 करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित कर रहा है। हर साल लगभग 2 लाख मौतें सिर्फ जलजनित बीमारियों से होती हैं – यह सिर्फ आंकड़ा नहीं, यह हमारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

पानी का यह संकट केवल ग्रामीण इलाकों या गरीबों तक सीमित नहीं है। 2019 में जब चेन्नई जैसे आधुनिक शहर को का सामना करना पड़ा और जल ट्रेनें चलानी पड़ीं, तब यह साफ हो गया कि यह समस्या अब दरवाजे पर नहीं, घर के भीतर आ चुकी है। और फिर भी हम इसे मौसमी समस्या मानकर हर बार भूल जाते हैं।

सवाल यह है कि नीतियाँ तो बनीं – राष्ट्रीय जल नीति (2012), जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना, नमामि गंगे, जल शक्ति अभियान – पर फिर भी पानी का स्तर क्यों गिरता जा रहा है? जवाब सरल है – हमारी नीतियाँ जमीन पर नहीं उतरतीं, और हमारे व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आता।

आज भी देश के अधिकांश किसान पानी की फिजूलखर्ची करने वाली फसलों की खेती करते हैं। पंजाब और हरियाणा जैसे जल-संकटग्रस्त राज्य में धान और गन्ने की खेती केवल इसलिए होती है क्योंकि सरकार टरढ और मुफ्त बिजली देती है। नतीजा – भूजल का तेजी से दोहन, खेतों का क्षरण, और जल स्रोतों का खत्म हो जाना। दूसरी ओर, ड्रिप सिंचाई या स्प्रिंकलर जैसे आधुनिक जल संरक्षण उपायों की पहुंच केवल 9% खेतों तक ही सीमित है। किसान जानते हैं, पर अपनाते नहीं – क्योंकि नीति और व्यवहार में दूरी है।

शहरों की बात करें तो पाइपलाइन से लेकर टंकी तक, हर जगह लीकेज और बबार्दी का आलम है। स्मार्ट मीटरिंग अभी भी अधिकांश नगरपालिकाओं के लिए नया शब्द है। पुनः उपयोग और वर्षा जल संचयन जैसे उपाय कहीं-कहीं दिखते हैं, लेकिन सामूहिक रूप से अपनाए नहीं जाते।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि जल संकट को अब भी केवल 'प्राकृतिक समस्या' समझा जाता है। जबकि यह एक स्पष्ट रूप से नीतिगत और नैतिक संकट है। जब तक यह दृष्टिकोण नहीं बदलेगा, तब तक कोई भी योजना सफल नहीं होगी।

अब समय आ गया है कि भारत पानी को मुफ्त संसाधन मानना बंद करे और उसे जीवन मूल्य की तरह देखे। इसके लिए कुछ गहन और ठोस सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले, पानी की कीमत तय होनी चाहिए – चाहे वह पीने का हो, या सिंचाई का। मुफ्त पानी की संस्कृति ने उपभोग को बबार्दी में बदल दिया है। जल का मूल्य निर्धारण सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय विवेक के बीच संतुलन साध सकता है। दूसरा, सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को केवल योजना पत्रों से निकालकर जमीनी हकीकत बनाना होगा। इसके लिए तकनीकी प्रशिक्षण, सस्ती उपलब्धता, और स्थानीय स्तर पर सहायता तंत्र बनाना होगा। तीसरा, भूजल का प्रबंधन केवल सरकार का नहीं, ग्राम पंचायतों और स्थानीय समुदायों का भी कर्तव्य होना चाहिए। अटल भूजल योजना को इस दिशा में सफल मॉडल के रूप में बढ़ाया जा सकता है।

चौथा, किसानों को केवल फसल बीमा या सब्सिडी नहीं, जल आधारित फसल मार्गदर्शन की जरूरत है। यह तभी होगा जब टरढ का ढांचा जल संरक्षण के अनुकूल फसलों को बढ़ावा देगा। देश को ऐसे नीतिगत हस्तक्षेपों की जरूरत है जो किसान की आय भी बढ़ाएं और पानी की बचत भी करें।

पाँचवां, शहरों में जल पुनर्चक्रण अनिवार्य किया जाए। जो नगर पालिकाएं नहीं करतीं, उन्हें दंड और प्रोत्साहन दोनों के माध्यम से बदला जाए। बड़े भवनों में वर्षा जल संचयन अनिवार्य हो, और इसके अनुपालन की निगरानी की जाए। छठा, बच्चों के स्कूली पाठ्यक्रम में जल संरक्षण को केवल पर्यावरण अध्याय के रूप में न पढ़ाया जाए, बल्कि व्यवहार परिवर्तन के रूप में सिखाया जाए। यदि अगली पीढ़ी जल को 'कीमती' माने, तो आज की प्यास भविष्य की सूखी धरती को बचा सकती है। सातवां, जल संरक्षण को 'जन आंदोलन' बनाना होगा जैसा प्रधानमंत्री ने आह्वान किया था। लेकिन यह आह्वान केवल भाषणों में नहीं, बजट और प्रशासनिक प्रतिबद्धता में दिखना चाहिए। जल शक्ति मंत्रालय को केवल नल जोड़ने वाला मंत्रालय नहीं, जल नीति, जल शिक्षा और जल चेतना का नेतृत्व करना होगा।

साथ ही, निजी क्षेत्र की भूमिका को भी समझना और बढ़ाना होगा। जल एटीएम, पाइपलाइन प्रबंधन, स्मार्ट मीटरिंग, और जल पुनर्चक्रण जैसी सेवाओं में ढढढ मॉडल को बढ़ावा देकर न केवल निवेश लाया जा सकता है, बल्कि तकनीकी नवाचार भी हो सकते हैं। और सबसे महत्वपूर्ण – हमें यह समझना होगा कि जल संकट केवल वैज्ञानिकों और नौकरशाहों का विषय नहीं है। यह आम नागरिक का संकट है। हर घर, हर हाथ को यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि पानी को बर्बाद नहीं किया जाएगा, और हर बूंद का सम्मान होगा।

जलवायु परिवर्तन के इस युग में, जब बारिश की मात्रा अनिश्चित हो गई है, और हिमालयी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं – हमें जल को अनंत नहीं, बल्कि सीमित और नाजुक संसाधन मानना होगा। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में जल को देवता का दर्जा मिला है – लेकिन विडंबना यह है कि आज वही जल नदियों में मल-मूत्र के रूप में बह रहा है, या गंदे नालों से होकर भूजल में जहर घोल रहा है।

इसलिए आज का भारत केवल जल संकट नहीं झेल रहा, बल्कि वह अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। जल संकट में डूबा भारत, विकास के हर मोर्चे पर कमजोर पड़ता जाएगा – चाहे वह स्वास्थ्य हो, कृषि, उद्योग या सामाजिक समरसता। अंततः यही कहा जा सकता है कि जल संकट केवल पानी की समस्या नहीं है – यह व्यवस्था, संस्कृति, शिक्षा और नीयत की भी परीक्षा है। यदि हमने अब भी नहीं संभला, तो इतिहास गवाह रहेगा कि हमने एक ऐसे संसाधन को खो दिया, जो जीवन का मूल था, और जिसकी एक-एक बूंद सोने से भी महंगी थी।

रेयर अर्थ मिनरल्स और ईंधन-तेल में आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम

इंजी. राजेश पाठक

कभी केवल तेल था, अब इसके साथ रेयर अर्थ मिनरल्स भी आ जुड़ा है किसी देश की आर्थिक संप्रभुता को प्रबल बनाए रखने के लिए। क्योंकि जहां कोई भी उत्पादन होता है, वहाँ मैगनेट की जरूरत पड़ती है, जैसे विंड टर्बाइन, विद्युत जेनेरेटर्स ; इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स, एयरक्राफ्ट इंजन, कार आदि। मैगनेट चाहिए तो जरूरी है आपके पास रेयर अर्थ मिनरल्स हों, जिससे ये बनकर तैयार होती है। रेयर अर्थ मिनरल्स आज चीन के पास सर्वाधिक 42 मिलियन टन हैं, जबकि इसके शोधित प्रारूप की दृष्टि से दुनिया की 90% आपूर्ति ये करता है। भारत के पास भी 7 मिलियन टन का वर्तमान रिजर्व है और दुनिया में रूस के बाद पांचवें नंबर पर है; जबकि अमेरिका के पास दुनिया का केवल 2% ही है। वैसे भारत में अभी एक्स्प्लॉरैशन चल रहा है, और संभावना है ये क्षमता 15 मिलियन टन के ऊपर पहुँच सकती है।

अभी स्थिति ये है कि भारत को इसे चीन से आयात करना पड़ रहा है। क्योंकि अब से पहले इसका नियंत्रण देश के पब्लिक सेक्टर इंडियन रेयर अर्थ मिनरल्स लिमिटेड के अधीन था। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो इन सरकार नियंत्रित सेक्टर्स की सुस्त कार्य प्रणाली से सब सुपरिचित हैं। लेकिन अमेरिका के टैरिफ-वार के चलते अब चीन ने इसको शस्त्र के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। साथ ही औद्योगिक विस्तार के साथ भारत की भी आवश्यकता बढ़ गई है। पिछले वर्ष हमें जरूरत थी 4.5 हजार टन की, जबकि देश में उत्पादन हुआ कुछ सौ टन। इसलिए भारत ने अब एक 1000 करोड़ की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेन्टीव - स्कीम भी शुरू कर दी है, साथ ही पब्लिक सेक्टर का एकाधिकार खत्म कर प्राइवेट सेक्टर को आमंत्रित किया जा रहा है। कहते हैं राजस्थान के रेगिस्तान में इसका अथाह भंडार पड़ा है, जहां अभी तक गहरी खुदाई हुई ही नहीं। क्योंकि जिसे करना था वो था पब्लिक सेक्टर का उपक्रम। उसके लिए अब रास्ता खोल दिया गया है, अश्विनी वैष्णव के द्वारा। अब ये काम प्राइवेट सेक्टर सम्पन्न करेगा। इतना भर नहीं, ऑस्ट्रेलिया के पास 6 टन रेयर अर्थ मिनरल्स है। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने समझौता कर निश्चित किया है कि इस दिशा में मिलकर काम करेंगे।

दूसरी तरफ खबर है कि देश में अंडमान के समुद्री तट के निकट तेल का 4.5 बिलियन बैरल्स का बड़ा भंडार मिला है। इतना बड़ा कि जब यहाँ से तेल निकलना शुरू हो जाएगा, तो इसकी मात्रा कम से कम 2.50 लाख बेरल्स प्रति दिन होगी। जबकि वर्तमान में बॉम्बे हाई से सर्वाधिक 1.35 लाख बैरल्स प्रतिदिन प्राप्त होता है। यहाँ 1970 से हमें तेल मिल रहा है जो कि वर्तमान में प्राप्त कुल मात्रा का 35% है। कुछ समय पहले ही हमें बॉम्बे-हाई के पास ही दो जगह तेल के भंडार मिले हैं- सूर्यमणि और वज्रमणि। साथ ही त्रिपुरा में कुछ दिन पूर्व 200 तेल के कुएं में से कुछ में ऑईल एक्स्प्लॉरैशन (अन्वेषण) चल रहा है, तो कुछ में से तेल निकालना भी शुरू कर दिया है। इसी प्रकार कृष्ण-गोदावरी बेसिन में 5 कुँओं में से 45 हजार बैरल्स प्रतिदिन तेल मिलने का अनुमान है। फिर बिहार के समस्तीपुर और यूपी के बलिया जिले में भी तेल पाया गया है। क्या कारण है कि पिछले कुछ समय से लगातार नित्य नए तेल भंडार का पता चल रहा है ? ऑईल-फील्ड से सामान्यता जहाँ तेल मिलता है, वहाँ गैस भी पायी जाती है। आज की स्थिति में सोनार और राडार तकनीकी और साथ ही रिसोर्स-सेटेलाइट से तेल को खोज निकलने का काम भी शुरू हो चुका है। जबकि इसके पहले पता नहीं क्यों इस ओर ध्यान ही नहीं दिया गया। इसी प्रकार इस व्यवसाय से जुड़े अन्दर की खबर रखने वालों की मानें तो आयातकों से मिलने वाले भारी कमीशन के चलते कभी निजी कंपनियों को इस क्षेत्र से दूर रखा गया जिससे यथास्थिति बनी रहे लेकिन अब जब से मोदी सरकार केंद्र की सत्ता में आयी ओपन लाइसेंसिंग पालिसी के तहत जो अब तक अप्राप्त रहा उसे पाने के लिए इन निजी क्षेत्र की कंपनियों को भी मौका दिया जाना शुरू हो चुका है।

2016 में सिंगल हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन एण्ड लाईसेंसिंग पालिसी लागू कर पहले से स्थिति को आसान किया गया है। आज सुनने में विचित्र लग सकता है, लेकिन पहले तेल के कुएं से अगर कोई कंपनी को तेल निकालने का ठेका मिलता था, तो तेल के साथ निकलने वाली गैस भले हवा में उड़कर व्यर्थ नष्ट हो जाये पर ठेके की शर्त से बंधी कंपनी उसको स्टोर नहीं कर सकती थी। लेकिन अब नई नीति के अंतर्गत कुएं से प्राप्त होने वाली हर उपयोगी चीज देश हित में कंपनी स्टोर कर सकती है। इतना भर नहीं, अब ओपन एरिया लाइसेंसिंग पालिसी के अंतर्गत कोई कंपनी तेल को खोज निकालने के काम के प्रस्ताव को भी लेकर आ सकती है। जबकि पहले सरकार के पास ही ये अधिकार सुरक्षित थे और जो कि अपनी सुस्त गति से चलने के लिए अभिशिप्त थे। पहले डीआरडीओ, कोस्ट गार्ड और इसरो जैसे संगठनों ने बहुत बड़े क्षेत्र को सामरिक दृष्टि से प्रतिबंधित कर रखा था। लेकिन अब सरकार ने इन क्षेत्रों को ऑइल एक्स्प्लॉरैशन के लिए खोल दिया है; साथ ही एक्स्ट्रैक्शन (निकालने) के लिए भी। खबर है, शेवेरॉन, एक्सोन मोबिल, फ्रांस की टोटल एनेरजीस जैसी ऑइल एक्स्प्लॉरैशन कॉम्पनियों ने भारत से संपर्क करना शुरू भी कर दिया है। बताया जाता है, अंडमान में जिस तेल भंडार का पता चला है । अगर उसकी पूरी क्षमता का उपयोग किया जाए तो उससे हमारी अगले 70 साल की कुल जरूरत संभव हो सकेगी। दूसरी ओर, पहले कभी तेल के लिए हम खाड़ी देशों पर ही निर्भर थे। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इसके साथ ही दायरा बढ़ाते हुए वेनेजुएला, गुयाना और यूक्रेन-रशियन युद्ध के बाद हमने रूस से तेल लेना शुरू किया। वो भी रुपए में साथ ही 30% डिस्काउंट रेट पर। फिर कतर से भी हमारी डील रुपए में है।

दैनिक पंचांग

30 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

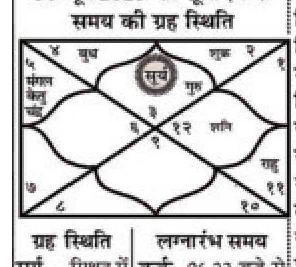

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.33 बजे से
चंद्र	सिंह में	सिंह	08.49 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.01 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.11 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.26 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.42 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.47 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.34 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.07 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मेष	00.37 बजे से
		वृष	02.17 बजे से
		मिथुन	04.15 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 181 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 09.24 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 07.21 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि(असुक) 17.21 बजे को समाप्त।
करण बालव 09.24 बजे तदनन्तर कौलव 21.47 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 04.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 10'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872391
जूलियन दिन 2460856.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 04
विशेष स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

विधायक की कार गुजरी, लेकिन एंबुलेंस नहीं जाने दी

यूपी में मां का शव लेकर 1 किमी पैदल चला बेटा, फिर ऑटो से घर ले गया

हमीरपुर। मानवता को शर्मसार करने वाली तस्वीर सामने आई है। यहां यमुना पुल पर मरम्मत के चलते वाहनों की एंट्री बंद है। इसके बाद भी भाजपा विधायक की कार पुल से होकर गुजरी, लेकिन मजदूर की मां का शव लेकर जा रही एम्बुलेंस को रोक दिया गया। बेटों ने पुलिसकर्मियों के हाथ-पैर जोड़े, काफी देर तक मिन्नतें कीं, लेकिन पुलिसकर्मी एम्बुलेंस को भेजने के लिए राजी नहीं हुए। इसके बाद बेटे ने स्ट्रेचर सहित एम्बुलेंस से शव को उतारा और करीब 1 किमी पैदल चलकर पुल पार किया। स्ट्रेचर को एक तरफ बेटा, तो दूसरी तरफ एम्बुलेंस ड्राइवर और चिकित्सा कर्मी पकड़े हुए थे। इसके बाद शव को ऑटो से लेकर घर गया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है मामला कानपुर-सागर हाईवे एनएच-34 का है। कानपुर-सागर (एनएच-34) पर यमुना नदी पर बने पुल की मरम्मत का काम शनिवार सुबह 6 बजे से शुरू हुआ। इसके चलते पुल से वाहनों की आवाजाही दो दिन के लिए रोक दी गई। शनिवार सुबह 6:44 बजे सदर विधायक मनोज प्रजापति की कार को पार कराने के लिए यमुना पुल पर लगी बैरिकेडिंग हटा दी गई। इसके तीन घंटे बाद सुबह 9:30 बजे टेढ़ा गांव निवासी बिंदा (25) अपनी मां शिवदेवी (63) के शव को लेकर कानपुर से एम्बुलेंस में लौटे, लेकिन पुल पर तैनात पुलिसकर्मियों ने एम्बुलेंस को रोक दिया।इसके बाद बिंदा को स्ट्रेचर पर अपनी मां के शव को करीब 1 किमी तक पुल के उस पार ले जाना पड़ा। फिर उन्होंने शव को एक ऑटो में रखवाया और घर के लिए रवाना हुए। इस मामले पर विधायक मनोज प्रजापति ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उनके भाई की तबीयत खराब थी और उन्हें कानपुर रेफर किया गया था। सुबह 6 बजे जब वह पुल पर पहुंचे, तब पुल एक ओर से खुला था जबकि दूसरी ओर से बंद किए जाने की प्रक्रिया चल रही थी। उसी दौरान उनकी गाड़ी पुल से निकली। उन्होंने स्पष्ट किया कि शव वाहन दोपहर में आया था, उस समय पुल पर मरम्मत कार्य शुरू हो चुका था। ऐसे में दोनों घटनाओं की तुलना करना गलत है।यमुना पुल से मां का शव लेकर निकलने वाले बेटे बिंदा यादव ने बताया कि उनकी मां ई-रिक्शा से गिर गई थीं, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया था। इलाज के लिए उन्हें हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जब मैं एम्बुलेंस से मां का शव लेकर पहुंचा तो पुल बंद था। मैंने पुलिसकर्मियों से हाथ जोड़कर विनती की कि मेरी गाड़ी को निकलने दिया जाए, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। मजबूरी में मैंने स्ट्रेचर पर मां का शव रखकर पुल पार किया। इस दौरान शव वाहन के ड्राइवर और सहयोगी ने मेरी मदद की और हम शव को पुल के इस पार लेकर आए। इस मामले में पीएनसी कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर एमपी वर्मा ने कहा कि जब विधायक की गाड़ी पुल से निकली, उस समय मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ था। सिर्फ पुल बंद करने की प्रक्रिया जारी थी। वहीं, शव वाहन दोपहर में पहुंचा, जब पुल पर मरम्मत कार्य चल रहा था, इसलिए उसे रोका गया।यमुना पुल के संचालन में लापरवाही की शिकायतें मिलने पर डीएम घनश्याम मीना ने पीएनसी के परियोजना प्रबंधक एमपी वर्मा को कड़े निर्देश दिए। इसके बाद एमपी वर्मा ने जानकारी दी कि मरम्मत के दौरान पुल से वाहन निकालने और ड्यूटी में लापरवाही बरतने के मामले में सहायक रूट पेट्रोलिंग ऑफिसर संतोष कुमार चौधरी के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्हें तत्काल प्रभाव से जिले से हटाकर क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ से संबद्ध कर दिया गया है। साइट इंजीनियर पंकज सिंह ने बताया- 10 नंबर पिलर पर दो नई बेयरिंग लगाई गई हैं, जबकि छह की मरम्मत की गई है। दरोगा राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि भारी वाहन चालकों को खासा दिक्कत हो रही है। लोडेड ट्रक इस मार्ग से नहीं निकल पा रहे हैं। जोल्हूपुर के रास्ते भेजे जा रहे हैं। हालांकि, पैदल जाने वालों पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुल बंद होने के बाद लोगों को कुरारा-मनकी मार्ग से कानपुर की ओर भेजा जा रहा है। यह मार्ग करीब 25 किमी लंबा है, लेकिन सड़क की हालत इतनी खराब है कि इसे पार करने में दो घंटे तक लग रहे हैं। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं और कई हिस्सों में पूरी सड़क ही उखड़ी हुई है।

लखनऊ में रुक-रुककर हुई बारिश

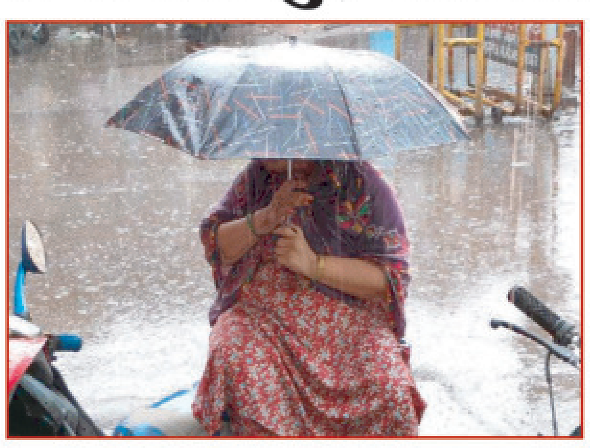

लखनऊ। कई इलाकों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। आसमान में बादल छाए हुए हैं। पूर्वी हवाओं के असर से मौसम ठंडा बना हुआ है। दिन में अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। रविवार सुबह एल्डिको तिराहा और चिनहट के आसपास बारिश हुई। दोपहर में इंदिरा नगर और गोमती नगर में बारिश हुई। शाम को सरोजनी नगर में तेज बारिश हुई। बारिश की वजह से जगह-जगह सड़कों पर जलभराव हो गया। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शनिवार को मौसम गर्म और उमस भरा रहा। दिन का अधिकतम तापमान 38.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 2.8 डिग्री अधिक है। रात का न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.5 डिग्री ऊपर है। सापेक्षिक आर्द्रता 85% दर्ज की गई, जिसने दिनभर उमस भरे माहौल में लोग परेशान हुए। दोपहर के समय बारिश के बाद मौसम सामान्य हुआ। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, रात में गरज के साथ बारिश हो सकती है। 5-10 मिमी तक बारिश होने की संभावना है। हवा की गति 10-15 किलोमीटर प्रति घंटा के आसपास रह सकती है, जो बारिश के दौरान थोड़ी तेज हो सकती है।मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि राज्य के कुछ हिस्सों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। लखनऊवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। अगले 24 घंटों में मानसून पूरे प्रदेश में सक्रिय हो जाएगा। मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि मानसून का टर्फ दक्षिण तरफ चला गया था। इसके चलते धूप का दौर बना रहा, लेकिन अब पूरे प्रदेश में बारिश का दौर शुरू होगा। इसके बाद 2-3 दिनों तक उत्तरी और मध्यवर्ती क्षेत्रों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। 30 जून को तराई इलाकों में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी भी जारी की गई है। इसके बाद 1 जुलाई से मौसमी द्रोणी के दक्षिण की ओर खिसकने से भारी बारिश की संभावना दक्षिणी भागों की ओर बढ़ सकती है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगले 24 घंटों में प्रदेश के शेष हिस्सों को कवर करने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

पडरौना बाल शिक्षा समिति के उमाशंकर सोनी बने जिला अध्यक्ष, सेतुवान जिलामन्त्री

संवाददाता

कुशीनगर। पडरौना बाल शिक्षा समिति कुशीनगर के जिला समिति का चुनाव सम्पन्न कसया। नगर स्थित महर्षि अरविन्द विद्या मन्दिर बरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के सभागार में पडरौना बाल शिक्षा समिति कुशीनगर के जिला समिति के पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें उमाशंकर सोनी को जिला अध्यक्ष, डॉ. ममता मणि त्रिपाठी को जिला उपाध्यक्ष व सेतुवान को जिलामन्त्री सर्व सम्मति से चुना गया। रविवार को जिला समिति के बैठक के पूर्व माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्पार्चन कर किया गया। जिला कार्य समिति की बैठक में सर्व प्रथम योगेन्द्र जायसवाल ने जिला अध्यक्ष के लिए उमाशंकर सोनी के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसका समर्थन हाथ उठाकर व ऊं का उच्चारण कर सभी ने किया ' इसके बाद क्षेत्रीय सह संगठन मन्त्री राम नाथ गुप्ता ने उमाशंकर सोनी को पडरौना बाल शिक्षा समिति के जिला अध्यक्ष घोषित कर दिया। नव जिला अध्यक्ष चुने गए उमाशंकर सोनी ने अपनी कार्यकारणी घोषित की। जिसमें डॉ. ममता मणि जिला उपाध्यक्ष, सेतुवान जिलामन्त्री, मकसूदन पाण्डेय जिला सहमन्त्री, शिवप्रताप नारायण सिंह जिला कोषाध्यक्ष जबकि विनोद कान्त मिश्रा, योगेन्द्र जायसवाल, नत्थू शर्मा, दीनानाथ यादव, अशोक, डॉ. चंद्रशेखर सिंह, दीनानाथ जायसवाल, धर्मेन्द्र मिश्रा, जिया लाल, डॉ. अनुज कुमार को जिला सदस्य घोषित हुए। अतिथियों का परिचय प्रदेश निरीक्षक जिया लाल ने कराया। अतिथियों का स्वागत प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा बैज लगाकर व अंगवस्त्र ओढ़ा कर किया गया।

पंडित बिरजू महाराज ने भगवान की लीलाओं को जीवंत किया: डॉ. ज्योति शुक्ला

संवाददाता

कुशीनगर। बिरजू महाराज कथक संस्थान संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ तथा वाइटल केयर फाउंडेशन कुशीनगर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय ग्रीष्मकालीन कथक नृत्य कार्यशाला का समापन राजकीय बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर में अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मंत्रोचार के साथ दीप प्रज्वलन कर भगवान नटराज के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। मुख्यअतिथि कालिंदी त्रिपाठी ने प्रशिक्षार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम ने युवाओं में भारतीय शास्त्रीय नृत्य एवं संस्कृति के प्रति नई प्रेरणा एवं उत्साह का संचार किया है। पूनम गुप्ता ने कहा कि भारतीय संस्कृति के अंतर्गत गायन वादन और नृत्य की शिक्षा लेना आज की व्यस्ततम समय में अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षिका डॉ. ज्योति शुक्ला ने कहा कि पंडित बिरजू महाराज ने कई पौराणिक कथाओं और भगवान कृष्ण की लीलाओं को अपने हस्त मुद्राओं और भावों के द्वारा जीवंत किया है। सात दिवसीय कार्यशाला में बिरजू महाराज के गीत ₹थूंगा थूंगा₹ के साथ गुरु वंदना , कृष्ण वंदना , तत्कार , हस्तक, तत तत थुन थुन ; तत तत थेई थेई आदि विभिन्न मुद्राओं का प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों को संस्थान की तरफ से प्रमाण पत्र भी दिया गया है। कार्यक्रम संयोजक वाइटल केयर फाउण्डेशन के सचिव डॉ अनिल कुमार सिन्हा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कुशीनगर में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। अब उन्हें निखारने का एक सशक्त माध्यम संस्कृति विभाग की तरफ से मिल रहा है आप सभी से आग्रह है कि इस अवसर का लाभ लें और बच्चों को भारतीय शास्त्री कला से जोड़ें। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में संस्था के अध्यक्ष पूर्व विधायक माननीय रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा की पंडित बिरजू महाराज कथक संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य केवल नृत्य सीखना ही नहीं बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत से बच्चों को जोड़ना और उनमें गर्व की भावना विकसित करना तथा आत्मविश्वास बढ़ने के साथ उनमें रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना है। इसी क्रम में सेवानिवृत्ति जिला जज संतोष कुमार श्रीवास्तव, प्रभुनाथ मिश्रा ने संबोधित किया। संचालन वीरेश राय तथा आभार पूनम गुप्ता ने व्यक्त किया। इस अवसर पर अधिवक्ता एखलाक अहमद लारी, सुरेन्द्र पाण्डेय, प्राचार्य चंद्रभूषण सिंह, वंदना मद्धेशिया , शशि प्रभा सिन्हा शाम्भवी सिन्हा, अर्चना श्रीवास्तव सह बौद्धिक विभाग प्रमुख सुरेश गुप्त प्रदीप राय उपस्थित रहे।

भाजपा का संकल्प से सिद्धी अभियान: कुशीनगर में लगे 34 हजार पौधे

संवाददाता

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा रविवार को संकल्प से सिद्धी अभियान के अन्तर्गत बूथ स्तर पर एक साथ तीन कार्यक्रम आयोजित किए गए। सभी बूथों पर कार्यक्रम की शुरूआत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि हुई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण सुना। फिर 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण भी किया गया। मन की बात के 123 वें संस्करण में पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की सफलता और दुनिया भर में योग कार्यक्रमों में लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के बारे में बात की। उन्होंने तीर्थयात्रियों द्वारा की जाने वाली पवित्र यात्राओं, आपातकाल लागू होने, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की सफलता और प्रकृति संरक्षण के महत्व सहित कई दिलचस्प विषयों पर जानकारी साझा की। पीएम ने वियतनाम में पूजनीय भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों पर बात की, जिन्हें भारत से भेजा गया था। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय फाजिलनगर विधानसभा के बरवां शुकदेव में बूथ संख्या 245 पर प्रधानमंत्री जी के लोकप्रिय रेडिओ कार्यक्रम 'मन की बात' के 123 वें संस्करण को स्थानीय कार्यकताओं के साथ सुना तथा बलिदान दिवस के अवसर पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पार्चन कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। पडरौना विधायक मनीष जायसवाल और मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक विवेकानंद शुक्ल पडरौना विधानसभा के खन्वार बकलोलही में बूथ संख्या 369 पर पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ₹मन की बात₹ कार्यक्रम को सुना तथा जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित किया। इस अवसर पर विजय कुमार सोनी, शिवप्रसाद चौहान, विक्रांत सिंह, मुन्ना सिंह, लक्ष्मी प्रसाद, राजकिशोर राय, मुन्ना मल्ल, राजन पाण्डेय,प्रभु गुप्ता गोरख गुप्ता, रमेश मिश्रा सहित सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। जिला संयोजक व जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल ने बताया कि जनपद के सभी बूथों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम प्रसारित किया गया जिसमें 39365 लोगों ने सहभागिता किया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के जिला संयोजक व जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार शुक्ल ने बताया कि जनपद के सभी बूथों पर 34000 पौधे लगाए गए। जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने बताया कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस के अन्तर्गत जनपद के सभी बूथों पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा किया।

संक्षिप्त डायरी

बलिदान दिवसः सच्चे राष्ट्रभक्त थे डॉ श्यामा प्रसादः रजनीकांत मणि त्रिपाठी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंतर्गत बिड़ला धर्मशाला में बुद्धनगरी स्थित बूथ संख्या 275 से जुड़े पार्टी जनों द्वारा पार्टी के निदेर्शानुसार मन की बात, वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित हुए और जन संघ के संस्थापक रहे डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया गया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने डॉ मुखर्जी को सच्चा राष्ट्र भक्त बताते हुए कहा कि एक राष्ट्रवादी होने के नाते डॉ0 मुखर्जी ने अपनी पूरी क्षमता के साथ राष्ट्र निर्माण का कार्य किया। वह प्रखर विचारक, वक्ता, श्रेष्ठ राजनेता, करोड़ों लोगों के जन नेता, कुशल संगठन कर्ता और प्रखर राष्ट्रवादी, देशभक्त थे। 11 मई को कश्मीर में परमिट सिस्टम को तोड़कर प्रवेश करने से उन्हें गिरफ्तार कर श्रीनगर जेल में बंद कर दिया गया। 23 जून को बंदी की दशा में उनकी मृत्यु हो गई थी। पार्टी जनों ने इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत आम का फलदार पौधा लगाया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर सभासद प्रभुनाथ सिंह, गुड्डू गुप्ता, तेज प्रताप पाठक, धीरज गुप्ता, विजय सिंह सतीश राजभर, देवदास सिंह, रघुवर सिंह सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अहिरौली राजा शिव मंदिर परिसर लगाए फलदार पौधे

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आह्वान पर एक पेड़ मा के नाम पर अभियान के तहत भाजपा कार्यकताओं ने अहिरौली राजा शिव मंदिर परिसर में पीपल, नीम, अशोक, आम, जामुन और अमरूद के पौधे लगाए। मुख्य अतिथि भाजपा शक्ति केंद्र संयोजक दुर्गेश जयसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल को अपनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। एक पेड़ लगाकर हम मां के प्रति सम्मान और पर्यावरण के प्रति कर्तव्य दोनों निभा सकते हैं। भाजपा नेता खालिद ने कहा कि पौधरोपण जीवनदायिनी प्रक्रिया है और इसे हमें हर शुभ अवसर से जोड़ना चाहिए। इस दौरान पूरे टेकुआटार मण्डल अध्यक्ष राजेश राव के नेतृत्व में हर बुथ स्तर पर पौधे लगाए गए। इस अवसर पर मण्डल मंत्री मनोज मिश्रा, अजय जायसवाल, लखन मद्धेशिया, शिवम मद्धेशिया, संदीप, राजेश जायसवाल, उपेंद्र मिश्र, अशोक पटेल, प्रशान्त किशोर यादव मौजूद रहे।

लखनऊ में सफाईकर्मी को मारा पत्थर, सिर फटा

लखनऊ। कुछ लोगों ने नगर निगम के एक सफाईकर्मी को पत्थर मारकर उसका सिर फोड़ दिया। कर्मी से कहा था कि यहां साफ कर दो। इस पर उसने जवाब दिया कि भैया, उधर सफाई कर रहा हूं। थोड़ी देर में आता हूं, यहां भी झाड़ू लगा दूंगा। बस इतना सुनते ही उन लोगों ने सफाईकर्मी पर पत्थर से हमला कर दिया। घटना रविवार को अलीगंज में कूड़ा उठाने के दौरान हुई। साथी का सिर फूटते ही कई सफाई कर्मचारी अलीगंज थाने पहुंच गए। वहां आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने का आश्वासन दिया। इसके बाद ये लोग शांत हुए। घटना के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। सुबह करीब 10:30 बजे अलीगंज के सेक्टर बी में सेंट माइकल स्कूल के पास में कूड़े उठाने की शिकायत कंट्रोल रूम से आई। इसके बाद नगर निगम की तरफ से अधिकृत एजेंसी शत्रुघन इंटरप्राइजेज के कर्मचारी आनंद वाल्मीकि कूड़ा उठाने के लिए गए। मौके पर कूड़ा उठा कर वह निकलने लगे तभी एक युवक ने मौके पर आकर कहा कि उनके घर के पास में भी कूड़ा पड़ा है। उसे भी चलकर हटाओ। इस दौरान आनंद ने दोबारा आकर कूड़ा उठाने की बात कही। इसपर गाली-गलौज के बाद आनंद को तीन-चार लड़कों ने पीट कर पत्थर से मार दिया। घटना के बाद पुलिस आनंद का मेडिकल कराने के लिए लोकबंधु अस्पताल लेकर गई है। यहां पर उनका सिटी स्कैन किया जाएगा। इसके बाद उन्हें फिलहाल काम से छुट्टी दे दी जाएगी। वहीं, घटना के बाद नाराज कर्मचारियों ने अलीगंज थाने का घेराव किया। मौके पर पुलिस से कार्रवाई करने की मांग करने लगे। कर्मचारियों ने कहा कि हम सफाई कर्मचारियों की यही स्थिति रह गई है कि जब कोई चाहे हमें पीट दे रहा है। आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही हैं। अचानक हुई घटना के बाद मौके पर नगर निगम के अधिकारी भी पहुंचे। इस दौरान घटना के बारे में पूरी जानकारी ली। जोनल सेनेटरी ऑफिसर जितेंद्र गांधी का कहना है कि मामले की रिपोर्ट नगर आयुक्त को भेजी जाएगी। उन्हें पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया जाएगा। वहीं, मामले में अलीगंज इंस्पेक्टर का कहना है कि अज्ञात में आरोपियों के खिलाफ पीड़ित की पत्नी रंजीता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज हुआ है। स्थिति नियंत्रण में है। पीड़ित का मेडिकल टेस्ट कराया जा रहा है।

एनएलएससी को मिला हाइब्रिड बिजली परियोजना का आवंटन पत्र

चेन्नई।

एनएलसी को राजस्थान में 450 मेगावाट की अंतर-राज्य पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) कनेक्टेड पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना स्थापित करने एनटीपीसी लिमिटेड से आवंटन पत्र प्राप्त हुआ है। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी है। एनटीपीसी से प्राप्त ऑर्डर के अनुसार एनएलसी इंडिया 450 मेगावाट आईएसटीएस कनेक्टेड पवन-सौर बिजली परियोजना की स्थापना करेगी। इस परियोजना से उत्पन्न हाइब्रिड बिजली की आपूर्ति एनटीपीसी लिमिटेड को बिजली खरीद करार (पीपीए) के तहत 25 साल की अवधि के लिए की जाएगी। एनएलसी इंडिया ने बयान कहा कि यह परियोजना राजस्थान के बीकानेर में 300 मेगावाट और गुजरात के भुज में 150 मेगावाट के लिए विकसित की जाएगी। इसमें कहा गया है कि पूर्ण परियोजना से बिजली की आपूर्ति बिजली खरीद करार की तारीख से 24 माह की अवधि में होगी। उन्होंने कहा कि इस साल हम 20 होटल खोलेंगे। पिछले पांच साल हमने 51 होटल के लिए समझौते किए हैं।

रैडिसन समूह भारत में अपने होटल पोर्टफोलियो को दोगुना करेगी

नई दिल्ली।

बेल्जियम मुख्यालय वाले रैडिसन होटल समूह का कहना है कि वह अगले कुछ साल में भारत में अपने पोर्टफोलियो को दोगुना करने के बारे में विचार कर रही है। वर्तमान में इस समूह की भारत में 200 से अधिक होटलें हैं। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि भारत में हम अपना ध्यान एक स्थायी और समावेशी विकास मॉडल पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम में समूह के होटल में कमरों की बुकिंग पिछले साल की तुलना में मात्र 20-30 प्रतिशत है। उल्लेखनीय है कि पहलगाम में हाल में आतंकवादी हमला हुआ था। इसके बाद वहां पर्यटकों की आवाजाही प्रभावित हुई है। रैडिसन जम्मू-कश्मीर में सबसे बड़ी लक्जरी होटल श्रृंखला है। वहां समूह के सात होटल परिचालन में हैं। इनमें से पांच घाटी में हैं। दो-तीन होटल पाइपलाइन में हैं।

भारत ने बांग्लादेश से जूट और फाइबर उत्पादों के आयात पर लगाई रोक

नई दिल्ली।

भारत ने बांग्लादेश से जूट और संबंधित फाइबर उत्पादों के आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दिया है। बताया जा रहा है यह फैसला दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में बढ़ते तनाव को देखते हुए लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि नए प्रतिबंध महाराष्ट्र में न्हावा शेवा बंदरगाह को छोड़कर अन्य सभी जमीनी मार्ग और बंदरगाहों के माध्यम से बांग्लादेश के जूट और संबद्ध फाइबर उत्पादों के भारत में आयात पर लागू होंगे। वाणिज्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना जारी कर प्रतिबंध लगा दिए। साफ्टा (दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र) के प्रावधानों के तहत, बांग्लादेश से जूट को भारत में शुल्क मुक्त पहुंच प्राप्त है। हालांकि उन्होंने कहा कि भारतीय जूट उद्योग को बांग्लादेश से जूट उत्पादों, विशेष रूप से धागा, फाइबर और बैग के डंप किए गए और सब्सिडी वाले आयात के प्रतिकूल प्रभाव के कारण लंबे समय से नुकसान उठाना पड़ रहा है।

देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 870 टन पहुंचा

केंद्रीय बैंक 12.5 किलो की सोने की ईंट के रूप में रखता है स्वर्ण भंडार

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने के महत्व को समझता है। इसी लिए वह 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और वर्तमान में यह लगभग 870 टन पहुंच गया है। केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन की सोने की ईंट के रूप में विभिन्न जगहों पर यह स्वर्ण भंडार रखता है। आरबीआई पर बने एक वृत्त चित्र में यह जानकारी दी गयी है। आरबीआई ने अपने कामकाज और भूमिकाओं को लोगों के सामने लाने के लिए हाल में जारी वृत्तचित्र के जरिये यह भी बताया है कि हमारा देश दुनिया में करेंसी नोट के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। जहां अमेरिका में यह लगभग 5,000 करोड़ इकाई, यूरोप में 2,900 करोड़ इकाई है वहीं भारत में यह 13,000 करोड़ इकाई है। यह पहली बार है जब आरबीआई के कार्यों को वृत्तचित्र के रूप में लाया गया है। वृत्त चित्र में दी गयी जानकारी के अनुसार केंद्रीय बैंक 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और देश में स्वर्ण भंडार के संरक्षक के रूप में लगभग 870 टन सोना काफी सुरक्षित स्थानों पर रखा है। बहुत कम लोगों को ही सोने की तिजोरियों तक पहुंच है। इस सोने को केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन के स्वर्ण ईंट के रूप में रखा गया है। केंद्रीय बैंक के अधिकारी कहते हैं कि सोना केवल धातु नहीं बल्कि देश की ताकत है। देश बनते रहेंगे, बिगड़ते रहेंगे।

अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव होता रहेगा लेकिन सोना हमेशा अपना मूल्य बनाये रहेगा।

चुंबक की आपूर्ति बढ़ाने चीन नहीं जा पाया वाहन उद्योग का प्रतिनिधिमंडल

बैठक के लिए चीनी अधिकारियों से औपचारिक मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली। दुर्लभ खनिज (चुंबक) के आयात में तेजी लाने के लिए भारतीय वाहन उद्योग का प्रतिनिधिमंडल अभी तक चीन रवाना नहीं हो पाया है। उद्योग सूत्रों का कहना है कि प्रतिनिधिमंडल को अब भी चीन के वाणिज्य मंत्रालय से बैठक के लिए औपचारिक मंजूरी का इंतजार है। पिछले महीने लगभग 40-50 उद्योग अधिकारियों को वीजा मिल गया है, लेकिन वे अब भी इस मामले पर बैठक के लिए चीनी अधिकारियों से औपचारिक मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। इसलिए वाहन उद्योग ने दुर्लभ खनिज की कमी को देखते हुए चीन से इसका आयात बढ़ाने के लिए सरकार से भी समर्थन मांगा है। भारत ने पिछले वित्त वर्ष में अपने 540 टन चुंबक आयात का 80 प्रतिशत से अधिक चीन से मंगाया था। अब चीन द्वारा इसके निर्यात पर अंकुश का असर दिखने लगा है। मई 2025 तक, भारतीय कंपनियों के लगभग 30 आयात अनुरोधों को भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है, लेकिन इन्हें चीनी अधिकारियों की मंजूरी नहीं मिली है। इस वजह से कोई खेप नहीं आ पाई है।

ऊर्जा मंत्रालय ने लॉन्च किया इंडिया एनर्जी स्टैक

नई दिल्ली।

ऊर्जा मंत्रालय ने इंडिया एनर्जी स्टैक (आईईएस) नाम की एक विशेष पहल शुरू करने की घोषणा की। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि यह पहल नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने, बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की कार्यक्षमता सुधारने और लोगों को पारदर्शी व भरोसेमंद बिजली सेवाएं देने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि जैसे आधार ने लोगों की पहचान को आसान बनाया और यूपीआई ने डिजिटल पेमेंट में क्रांति ला दी, वैसे ही इंडिया एनर्जी स्टैक बिजली क्षेत्र में एक नया दौर शुरू करेगा। यह हर नागरिक के लिए आसान, सुरक्षित और उपभोक्ता-केंद्रित ऊर्जा सेवाएं सुनिश्चित करेगा। यह पहल देश की बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने, ग्रिड को स्थिर रखने और उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने के लिए जरूरी है। भारत का लक्ष्य 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना और नेट-जीरो उत्सर्जन की दिशा में बढ़ना है। इस बीच, बिजली क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और उपभोक्ताओं की बढ़ती भागीदारी के कारण कई नए अवसर और चुनौतियां सामने आ रही हैं। लेकिन, मौजूदा सिस्टम में एकरूपता की कमी और डिजिटल एकीकरण का अभाव बड़े रोड़े हैं। इन समस्याओं को दूर करने के लिए मंत्रालय ने इंडिया एनर्जी स्टैक शुरू किया है, जो एक मानकीकृत, सुरक्षित और खुला डिजिटल मंच होगा। यह बिजली की पूरी सप्लाई चेन को मैनेज करने, निगरानी करने और नए प्रयोग करने में मदद करेगा।

वृहद आर्थिक आंकड़े व वैश्विक रुझान तय करेंगे स्थानीय शेयर बाजार की चाल

विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी सभी की नजर रहेगी

मुंबई।

इस सप्ताह औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) जैसे वृहद आर्थिक आंकड़ों, अमेरिकी शुल्क से जुड़े घटनाक्रमों तथा अन्य वैश्विक रुझानों से तय होगी घरेलू शेयर बाजारों की चाल। बाजार के जानकारों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी सभी की नजर रहेगी। एक ब्रोकिंग रिसर्च के अनुसार इस सप्ताह भारत और अमेरिका से कई महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े जारी किए जाएंगे, जो बाजार की धारणा और केंद्रीय बैंक के परिदृश्य को प्रभावित करेंगे। भारत में सप्ताह की शुरुआत 30 जून को मई के लिए औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों से होगी। इसके अलावा एक जुलाई को विनिर्माण पीएमआई के आंकड़े आएंगे, जिससे भारत के औद्योगिक क्षेत्र और ऑर्डर प्रवाह की स्थिति की जानकारी मिलेगी। इसके बाद तीन जुलाई को सेवा पीएमआई के आंकड़े जारी किए जाएंगे। बाजार के एक अन्य जानकार ने कहा कि जैसे-जैसे पहली तिमाही के नतीजों का सत्र नजदीक आ रहा है, निवेशक वृद्धि के रुझानों के शुरुआती संकेतकों के रूप में कंपनियों के प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके अलावा आने वाले सप्ताह में अमेरिका द्वारा प्रमुख वैश्विक भागीदारों के साथ अंतिम रूप दिए जाने वाले व्यापार समझौतों को लेकर भी उत्सुकता बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ बाजार भागीदार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अर्थव्यवस्था में सुधार का आकलन करने के लिए अमेरिका के गैर-कृषि पेरोल और बेरोजगारी के आंकड़ों के साथ-साथ भारत के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। इससे संस्थागत प्रवाह में सुधार, अमेरिका-भारत व्यापार समझौते की संभावनाओं से समर्थन मिलेगा। घरेलू स्तर पर आईआईपी और पीएमआई के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। साथ ही मानसून की प्रगति और एफआईआई की गतिविधियां भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की शर्तों पर सहम ति पर कुछ मुद्दों पर फंसा पेंच

फंसे पेच सुलझाने के लिए मोदी-ट्रंप को ही संभालना होगा मोर्चा

नई दिल्ली।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की अधिकतर शर्तों पर लगभग सहमे ति तो बन चुकी है लेकिन कुछ मुद्दों पर अभी गतिरोध बना हुआ है। जानकारों का कहना है कि इन अड़चनों को दूर करने के लिए दोनों ही देशों के शीर्ष नेतृत्व को हस्तक्षेप करना होगा। एक और भारत चाहता है कि सभी टैरिफ को पूरी तरह से हटाने की स्पष्ट गारंटी दे और अमेरिकी अपनी भारत के संवेदनशील कृषि क्षेत्र को अधिक मुक्त करने की मांग पर पुनर्विचार करे। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वाशिंगटन में शुरू हुई दो दिवसीय वार्ता अगले सप्ताह तक खिंच सकती है। विशेष सचिव (वाणिज्य) राजेश अग्रवाल की अगुवाई में भारतीय वार्ताकारों की टीम अभी भी अमेरिका में मौजूद है। इससे संकेत मिलता है कि बातचीत अगले सप्ताह तक जारी रह सकती है।

व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों देश अगर एक-दूसरे की व्यावहारिक और राजनीतिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रख फैसला ले तो अंतरिम व्यापार समझौता जल्द हो सकता है। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने कृषि और डेयरी क्षेत्र को अमेरिका के लिए खोल दे। भारत में डेयरी क्षेत्र छोटे किसानों पर आधारित है, जिनकी आजीविका एक या दो पशुओं पर निर्भर होती है।

ऐसे में वे अमेरिका के बड़े स्तर के डेयरी फार्म्स से मुकाबला नहीं कर सकते। अमेरिका के पशु चारे में मांसाहारी सामग्री होने के कारण धार्मिक भावना का मुद्दा जुड़ा है। भारत अमेरिका की मक्का और सोयाबीन जैसे उत्पादों को भी बिना शर्त प्रवेश देने को तैयार नहीं है, क्योंकि ये जेनेटिकली मॉडिफाइड होते हैं और भारतीय कानून जीएम फसलों की अनुमति नहीं देता। भारत चाहता है कि अमेरिका कोई ऐसी व्यवस्था बनाए जिससे यह प्रमाणित हो सके कि भेजे जा रहे उत्पाद जीएम नहीं हैं. लेकिन अमेरिका इसे व्यावहारिक रूप से संभव नहीं मानता।

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो के महानिदेशक को मिली एक्स-कैटेगरी सुरक्षा

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के महानिदेशक जीवीजी युगंधर को एक्स-श्रेणी की सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की है। वे 12 जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे की जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। गृह मंत्रालय ने एक खतरे की आशंका संबंधी रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को निर्देश दिया है कि वे युगंधर को सुरक्षा मुहैया उपलब्ध कराएं। इस व्यवस्था के मुताबिक उनकी देशभर की यात्रा के दौरान तीन से चार सशस्त्र सीआरपीएफ जवान उनके साथ रहेंगे। गौरतलब है कि एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171, जो अहमदाबाद से लंदन जा रही थी, दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस हादसे में 270 लोगों की जान चली गई थी। युगंधर इस गंभीर मामले की उच्च स्तरीय जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। 13 जून को भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने औपचारिक रूप से इस दुर्घटना की जांच शुरू की। इसके लिए एक बहु-विषयक टीम बनाई गई है, जिसमें अमेरिका के नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के विशेषज्ञ, एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल अधिकारी और एक एविएशन मेडिसिन विशेषज्ञ को शामिल किया गया है। यह टीम हादसे के कारणों और जिम्मेदार पक्षों की गहराई से जांच कर रही है। अब आईसीएओ की मौजूदगी से यह जांच और अधिक व्यापक और पारदर्शी मानी जा रही है।

देश के कई नामी बैंक एफडी पर दे रहे 8.30 फीसदी तक ब्याज दरें

एसबीआई सामान्य ग्राहकों को 3 से 7.10, सीनियर सिटीजन 3.50 से 7.60 फीसदी तक दे रहा ब्याज

मुंबई।

एफडी एक सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है, जो तय समय के बाद गारंटीड रिटर्न के अच्छा ब्याज भी देता है। इस समय देश के कई नामी बैंक एफडी पर 8.30 फीसदी तक आकर्षक ब्याज दरें ऑफर कर रहे हैं। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) द्वारा सामान्य ग्राहकों को एफडी पर 3 फीसदी से 7.10 फीसदी तक और सीनियर सिटीजन को 3.50 फीसदी से 7.60 फीसदी तक ब्याज दिया जा रहा है। वहीं, एचडीएफसी बैंक सामान्य ग्राहकों को 3 फीसदी से 7.25 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 फीसदी से 7.75 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। आईसीआईसीआई बैंक की दरें भी समान हैं, जहां सामान्य ग्राहकों को 3 फीसदी से 7.10 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 फीसदी से 7.60 फीसदी तक का रिटर्न दे रहा है। आरबीएल बैंक सबसे अधिक ब्याज दे रहा है। यह बैंक सामान्य ग्राहकों को 3.50 से 7.80 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 4 से 8.30 फीसदी तक का अच्छा ब्याज दे रहा है, जो फिलहाल बाजार में सबसे अधिक है। कोटक महिंद्रा बैंक अपने एफडी स्कीम में सामान्य ग्राहकों को 2.75 से 7.20 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.25 फीसदी से 7.70 फीसदी ब्याज दे रहा है। वहीं आईडीबीआई बैंक की ब्याज दरें सामान्य ग्राहकों के लिए 3 फीसदी से 6.75 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 3.50 से 7.25 फीसदी तक हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा भी एफडी निवेशकों के लिए एक बेहतर विकल्प है। यहां सामान्य ग्राहकों को 3 से 7.05 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 से 7.55 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। पंजाब नेशनल बैंक सामान्य ग्राहकों को 3.50 से 7.25 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 4 फीसदी से 7.75 फीसदी ब्याज दे रहा है।

वैश्विक अस्थिरता के दौर में भी मजबूत बनी हुई है भारतीय अर्थव्यवस्था: केंद्र

भारत के कुल निर्यात में मई 2025 में 2.8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 26 के पहले दो महीने में भारत की अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वित्त मंत्रालय ने मासिक रिव्यू में बताया कि मजबूत घरेलू मांग, कम होती महंगाई, मजबूत एक्सटर्नल सेक्टर और एक स्थिर रोजगार की स्थिति के कारण वैश्विक अस्थिरता के दौर में भी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 26 में भी सकारात्मक रुझान जारी रहने की संभावना है, शुरुआती हाई-फ्रीक्वेंसी इंडीकेटर्स (एचएफआई) संकेत दे रहे हैं कि आर्थिक गतिविधि मजबूत बनी हुई है। ई-वे बिल जनरेशन, ईंधन खपत और पीएमआई सूचकांक जैसे एचएफआई निरंतर मजबूती की ओर इशारा करते हैं। ग्रामीण मांग में और मजबूती आई है, जिसे रबी की अच्छी फसल और सकारात्मक मानसून के पूर्वानुमान से सपोर्ट मिल रहा है। शहरी खपत को अवकाश और व्यावसायिक यात्राओं में वृद्धि से समर्थन मिल रहा है। हवाई यात्रियों की आवाजाही और होटलों में लोगों की बढ़ती संख्या में इसे आसानी से देखा जा सकता है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि घरेलू संकेतक काफी हद तक सकारात्मक रहे हैं, बाहरी घटनाक्रमों के परिणामस्वरूप वित्तीय बाजारों में अस्थिरता देखी गई। 2025 की शुरुआत में व्यापार तनाव में वृद्धि हुई और उसके बाद दूसरी तिमाही में आंशिक कमी देखी गई। रिव्यू में कहा गया है कि एक्सटर्नल सेक्टर पर भारत के कुल निर्यात में मई 2025 में 2.8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई, जो टैरिफ अनिश्चितताओं और कमजोर वैश्विक आर्थिक स्थितियों के बीच हमारे निर्यात की मजबूती बताता है।

अरबपति वॉरेन बफेट ने दान किए 6 बिलियन डॉलर के शेयर

दान से पहले वॉरेन बफेट की 152 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति थी

मुंबई।

दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट (94 वर्षीय) ने गेट्स फाउंडेशन और चार फैमिली चैरिटी संस्थाओं को बर्कशायर हैथवे के 6 बिलियन डॉलर के अतिरिक्त शेयर दान कर दिए हैं। यह लगभग दो दशक पहले अपनी संपत्ति दान करने के बाद से उनका सबसे बड़ा वार्षिक दान है। बर्कशायर क्लास बी के लगभग 12.36 मिलियन शेयरों के दान ने बफेट के दान को चैरिटी को 60 बिलियन डॉलर से भी अधिक तक बढ़ा दिया। बफेट ने गेट्स फाउंडेशन को 9.43 मिलियन शेयर, सुसान थॉमसन बफेट फाउंडेशन को 9,43,384 शेयर और अपने बच्चों हॉवर्ड, सूसी और पीटर द्वारा संचालित तीन चैरिटी में से प्रत्येक को 6,60,366 शेयर दान किए। ये चैरिटी- हॉवर्ड जी. बफेट फाउंडेशन, शेरवुड फाउंडेशन और नोवो फाउंडेशन हैं। हालांकि, वॉरेन बफेट अभी भी बर्कशायर के 13.8 फीसदी शेयर के मालिक हैं। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार दान से पहले वॉरेन बफेट की 152 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति थी। वह दुनिया के 5वें सबसे अमीर व्यक्ति थे। दान के बाद बफेट छठे स्थान पर होंगे, जो पिछले जून में उनके द्वारा दान किए गए 5.3 बिलियन डॉलर से अधिक है। उन्होंने पिछले नवंबर में फैमिली चैरिटी को 1.14 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त दान दिया था। 94 वर्षीय बफेट ने साल 2006 में अपनी संपत्ति दान करना शुरू कर दिया था। उन्होंने पिछले साल अपनी वसीयत बदली और अपनी मौत के बाद बची हुई संपत्ति का 99.5 फीसदी अपने बच्चों की देखरेख में एक धर्मार्थ ट्रस्ट को दे दिया। गौरतलब है कि वॉरेन बफेट 1965 से ओमाहा, नेब्रास्का स्थित बर्कशायर का नेतृत्व कर रहे हैं। 1.05 ट्रिलियन डॉलर समूह बर्कशायर के पास करीब 200 व्यवसाय और ऐप्पल, अमेरिकन एक्सप्रेस सहित दर्जनों स्टॉक हैं।

भारत की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु में घर ढूंढना एक बड़ी चुनौती

बेंगलुरु में 19 लाख का सिक्योरिटी डिपॉजिट देख हैरान रह गया कनाडियाई नागरिक

बेंगलुरु।

भारत की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु में घर रेंट पर लेना या खरीदना एक बड़ी चुनौती है। हाल ही में बेंगलुरु में किराये के मकान को लेकर एक कनाडाई नागरिक ने सोशल मीडिया पर अपनी हैरानी जताई। दरअसल, कनाडा से आए कैलेब फ्रीसन ने जब बेंगलुरु के पॉश एरिया डोमलूर में एक 3बीएचके अपार्टमेंट का ऑनलाइन विज्ञापन देखा, तो उसमें लिखा था कि महीने का किराया 1.75 लाख रुपये है, लेकिन सिक्योरिटी डिपॉजिट 19.25 लाख रुपये। उन्होंने इस लिस्टिंग की फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करते हुए लिखा, 19 लाख सिर्फ सिक्योरिटी के लिए? पागलपन है ये! इतने में तो मैं नई महिंद्रा थार खरीद लूं। उन्होंने ये भी पूछा कि क्या इंदिरानगर के आसपास कोई ऐसा घर है जहां सिर्फ 2-3 महीने का डिपॉजिट देना पड़े और किराया 80 हजार से 1 लाख रुपये के बीच हो? उनकी पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और 43,000 से ज्यादा बार देखी गई। इसके बाद बेंगलुरु के रियल एस्टेट और रेंटल सिस्टम को लेकर बहस शुरू हो गई। एक यूजर ने लिखा, आपको अपनी उम्मीदें छोड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। यहां रेंटल सिस्टम माफिया जैसा है। दूसरे ने तंज कसा, इसलिए लोग कहते हैं कि घर खरीदना फिजूल है, बिना ब्याज के इतना पैसा डिपॉजिट देने से अच्छा है ईएमआई दो। एक और यूजर ने लिखा - मैं चेन्नई से बेंगलुरु शिफ्ट होना चाहता था, लेकिन जब मैंने किराया देखा तो लगा सैलरी से भी ज्यादा डिपॉजिट है, इसलिए जाने का प्लान छोड़ दिया।

क्या बिहार में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण अटकेगा ?

तेजस्वी ने उठाए सवाल, आयोग की यह है तैयारी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव अक्तूबर मध्य से नवंबर के पहले हफ्ते के बीच हो सकते हैं। अब तक की तैयारी इसी ओर इशारा कर रही है। चुनाव के पहले कहीं भी मतदाता सूची का पुनरीक्षण और पुनः प्रकाशन होता है। इसी क्रम में बिहार में भी चुनाव आयोग मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण करा रहा है। शुक्रवार को बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और आगामी चुनाव में महागठबंधन के संभावित सीएम फेस तेजस्वी यादव ने बिहार चुनाव से पहले मतदाताओं के गहन पुनरीक्षण को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की साजिश करार दिया। तेजस्वी यादव ने कई तरह के आरोप लगाए, कई गंभीर सवाल भी पूछे। इस बीच उपलब्ध दस्तावेजों, कागजातों और जमीन पर काम कर रहे अधिकारियों के बीच पहुंचकर पड़ताल की और जानने की कोशिश की कि पूरी प्रक्रिया को लेकर कैसे-कैसे उठ रहे हैं और चुनाव आयोग ने इस पूरी प्रक्रिया को लेकर कैसी तैयारी की है। विशेष गहन पुनरीक्षण इससे पहले वर्ष 2003 में हुआ था। उस समय जो मतदाता सूची प्रकाशित की गई, उसे पूर्ण मान्यता मिली हुई है। उसके बाद के सभी पुनरीक्षण और पुनः प्रकाशन के जो भी रिकॉर्ड हैं, उन्हें वेरीफाई किया जाना है। यानी, 2003 की उस मतदाता सूची के बाद जो भी नए वोटर जुड़े या हटे हैं, उनका सत्यापन किया जाएगा। बगैर सत्यापन उन्हें वोटर नहीं माना जाएगा। हां, लेकिन 2003 की गहन पुनरीक्षण वाली मतदाता सूची में नाम होगा तो कोई कागज संलग्न नहीं करना होगा। केवल गणना फॉर्म (एह्लडोँ१ह्लह्ल ऋह्य१) भरकर उसी से सत्यापन हो जाएगा। उसके बाद जो भी लोग मतदाता सूची में जुड़े हैं, उनसे नागरिकता साबित करने वाला अलग-अलग प्रमाण-पत्र मांगा गया है। हां। नए प्रारूप में जानकारी ली जा रही है और सारा रिकॉर्ड एक लंबे अरसे के लिए रहेगा, इसलिए नया वोटर आईडी कार्ड भी बाद में जारी किया जाएगा। पश्चिम बंगाल के साथ-साथ बिहार में भी अवैध बांग्लादेशियों के रहने के दावे किए जा रहे हैं। इसके अलावा यह भी सदंह जताया पाकिस्तानी मूल के लोग भी अवैध तरीके से बिहार में रह रहे हैं। ऐसे में फर्जी दस्तावेजों के जरिए मतदान प्रक्रिया में अवैध घुसपैठियों के हिस्सा लेने की आशंका बढ़ गई है। इसी दावों को ध्यान में रखते हुए और चुनाव को पारदर्शी व निष्पक्ष आयोजित कराने के उद्देश्य से पुनरीक्षण कराया जा रहा है। हालांकि, यह प्रक्रिया लोकसभा चुनाव के वक्त क्यों नहीं कराई गई, ऐसे लेकर कई तरह के सवाल के रहे हैं। 22 साल पहले यानी 2003 में इस प्रक्रिया के दौरान दो साल लगे थे। एक महीने में विशेष गहन पुनरीक्षण का रिकॉर्ड जुटाकर सत्यापन करना और उसके बाद पूरे एक महीने दावा-आपत्तियों को करना है। 22 साल पहले सब कुछ कंप्यूटराइज्ड नहीं था। मोबाइल या टैब जैसे डाटा फीड उपकरण नहीं थे। ऑनलाइन फॉर्म भरने या एक व्यक्ति के डाटा को लेकर फॉर्म प्रिंट करने का विकल्प सुलभ नहीं था। इसके अलावा तकनीक-सक्षम मानव संसाधन भी नहीं थे। इसलिए अब यह सवाल इच्छाशक्ति और समर्पण पर ही निर्भर करता है। बिहार की भौगोलिक स्थिति के हिसाब से चुनाव भी बाढ़ के दौरान नहीं कराने की परंपरा रही है। नेपाल से सटे जिले- पश्चिम चंपारण, पूर्व चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज तो बाढ़ के प्रभाव में रहते ही हैं। नेपाली बाढ़ का पानी शिवहर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार आदि को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। कई बार तो खगड़िया और यदा-कदा बेगूसराय भी इस बाढ़ की जद में आए हैं। इस बार भी बाढ़ की आशंका है। झारखंड की नदियों से गया, नवादा में आश्चर्यजनक तौर पर तेजी से पानी आ रहा है। इस तरह देखें तो लगभग आधा बिहार तो बाढ़ की

आशंका या आंशिक प्रभाव में रहेगा ही। इस समय लोग परेशान रहते हैं। शादी-ब्याह तक रुक जाता है। ऐसे में बाढ़ राहत के साथ मतादाताओं के कागजात जुटाना कर्मचारियों के लिए चुनौती का सबब बन सकता है। 2003 के पूर्व के वोटरों से अलग कुछ कागज नहीं मांगे जाएंगे। उसके बाद वालों के पास 11 तरह के कागजों का विकल्प है। अगर यह सब भी नहीं उपलब्ध हुआ तो 1 अगस्त से 1 सितंबर के बीच दावा-आपत्ति दाखिल करने पर अधिकारी भौतिक निरीक्षण कर पुष्टि करेंगे कि फलां व्यक्ति वास्तव में यहीं का नागरिक है। दावा सही होने पर उसे भी बाकी वोटरों की तरह जोड़ लिया जाएगा। निर्वाचन आयोग के वोटर कार्ड की जगह अब ज्यादातर योजनाएं आधार और बैंक खाते से जुड़ी हैं। इसलिए, इस प्रक्रिया के आधार पर यह आरोप निराधार प्रतीत होता है। एक पिता की एक संतान का दो आधार कार्ड असंभव माना जाता है। आंखों की पुतलियों और फिंगर प्रिंट रिकॉर्ड के कारण भी डुप्लीकेसी की आशंका नहीं रहती है। इसी आधार को देखते हुए, मतदाता सूची में कोई आदमी दो जगह न जुड़ा रहे- वोटर कार्ड को आधार कार्ड से जोड़ने का प्रस्ताव है। गहन पुनरीक्षण में आधार का डाटा इसलिए अमान्य हो जाता, क्योंकि यह कई बार साबित हो चुका है कि विदेशियों ने भी आधार कार्ड बनवा रखे हैं। सिर्फ 2024 के लोकसभा चुनाव की ही बात नहीं है, बल्कि 2003 के बाद से हर पुनरीक्षण पर प्रकाशित हुई मतदाता सूची में कभी मृत वोटरों का रिकॉर्ड मिलता था तो कभी मौजूदा वोटरों का नाम गायब। कई जिलों से बांग्लादेशियों के भी वोटर बने होने की सूचना आ चुकी है। इसलिए, पक्का करने के लिए गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया हो रही है। यह प्रक्रिया किसी पुराने चुनाव की मतदाता सूची को गलत नहीं करार देगी। तेजस्वी यादव की मानें तो नौ करोड़ योग्य मतदाताओं में से 4 प्रतिशत लोग 39-40 आयु के हैं। ऐसे ही 20 से 38 साल के 85 प्रतिशत लोग यानी करीब चार करोड़ से अधिक को अपने पिता या माता की नागरिकता का प्रमाण देना होगा। 18 से 20 वर्ष के 11 प्रतिशत लोग यानी 50 लाख से अधिक को माता और पिता, दोनों की नागरिकता के दस्तावेज देने होंगे। ऐसे मामले में जो लोग सही हैं, उन्हें खुद को सही साबित करने में न पहले परेशानी थी और न आगे होगी। 11 प्रमाणपत्रों में से कोई भी नहीं हो, तो भी दावा-आपत्ति के जरिए नागरिकता सिद्ध करने का विकल्प है। ठ्रऋस्-3 के अनुसार 2001-2005 में जन्मे बच्चों में केवल 2.8 प्रतिशत के पास जन्म प्रमाण-पत्र है।

चावल के बोरे में भरी थी यह दवा

इलाज की जगह तस्करों के आते हैं काम, ऐसे हुआ जब्त

पूर्णिया। सरसी थाना की पुलिस ने चावल के बोरे से लदी ट्रक से 4 हजार लीटर प्रतिबंधित कोडिन युक्त कफ सिरप बरामद किया है। कफ सिरप की बरामदगी के साथ-साथ ट्रक के चालक और उप चालक को भी गिरफ्तार किया गया है। जब्त सिरप की अनुमानित कीमत लगभग 90 लाख रुपए की आंकी गई है। पुलिस को चकमा देने के लिए धंधेबाजों ने चावल के बोरे में नशे की खेप को छिपाकर रखा था। पुलिस के हत्थे चढ़े धंधेबाजों में महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के गारखेड़ा के रहने वाले फिरोज युसुफ शेख (40) और उत्तर प्रदेश के हरदोई जिला के मझला थाना क्षेत्र के टोडरपुर रेलवे स्टेशन सहादत नगर के रहने वाले मो आदिल (27) शामिल हैं।मामले की जानकारी देते हुए एसपी ने बताया कि सरसी थाना की पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक ट्रक हजारीबाग से शिलांग जा रही है। ट्रक पूर्णिया से सरसी की ओर आने वाली है। इनपुट के आधार पर एसपी के निर्देश पर सरसी थानाध्यक्ष अभय रंजन के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने दंडाधिकारी के साथ सरसी चौक पर वाहनों की तलाशी शुरू कर दी। जांच के दौरान झारखंड नंबर के एक ट्रक (खल्र09इख1810) को रोका गया। पूछताछ में चालक ने बताया कि ट्रक में चावल लदा है। शक के आधार पर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान 4000 लीटर यानी 40 हजार बोतल (प्रत्येक 100 एमएल) प्रतिबंधित सिरप बरामद हुआ। जब्त सिरप की अनुमानित कीमत 90 लाख की बताई जा रही है। चालक के पास से 2 मोबाइल, 6,470 रुपए कैश, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और जीपीएस भी मिला है। पुलिस ने ट्रक और इसपर लदे चावल के 350 बोरियों को जप्त कर लिया है। एसपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने तस्करी में शामिल अपने अन्य साथियों के भी नाम भी बताए हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिकेज को खंगाला जा रहा है। ड्राइवर से पूछताछ और मोबाइल लोकेशन से कई अहम जानकारी मिली है। एसपी ने बताया कि चालक और उपचालक को कप सिरफ को सप्लाई करने के एवज में 25 से 30 हजार रुपया दिया जाता हैं। छापेमारी दल में बायसी थानाध्यक्ष अभय रंजन, अपर थानाध्यक्ष भरत पासवान, एसआई प्रदीप कुमार, एएसआई शिव दास सिंह यादव और जिला आसूचना इकाई के जवान शामिल थे।

डिजिटल इंटरनेशनल लाइब्रेरी का उद्घाटन

आरा। शहर के करमन टोला, राजेन्द्र नगर स्थित यूनियन बैंक के उपर दूसरे तल्ले पर शनिवार को ए श्री इन्टरनेशनल डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारंभ किया गया। जिसका उद्घाटन जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोरंजन कुमार झा ने किया। मुख्य अतिथि प्रभारी कुलपति प्रोफेसर अवध बिहार सिंह, संकाया अध्यक्ष वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय राकेश कुमार मिश्र, अति विशिष्ट अतिथि नागेश्वर दुबे, पद्म श्री डॉ. भीम सिंह भवेश सहित अन्य रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन कर्ता मनोरंजन कुमार झा जिला और सत्र न्यायाधीश को कार्यक्रम के आयोजक अमरेन्द्र चौबे ने फुलमाला, अंगवस्त्र और बुके से सम्मानित किया। मनोरंजन कुमार झा ने कहा कि डिजिटल युग में डिजिटल लाइब्रेरी का आज शुभारंभ आयोजक अमरेन्द्र चौबे ने किया। शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों के लिए बहुत ही सराहनीय पहल है। आज जहां मोबाइल या विभिन्न उपकरणों से छात्रों की एकाग्रता कम हो गई, वहां इस प्रकार का एकांत उनकी एकाग्रता में वृद्धि करने में सहायक होगा। जो उन्हें उत्तम परिणाम की तरफ अग्रसर करेगा। समाज गरीब वर्ग और निचले वर्ग के उत्थान और सहयोग के लिए लाइब्रेरी प्रबंधन द्वारा विशेष सुविधा प्रदान करने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य अतिथि राकेश मिश्रा ने कहा कि इस डिजिटल लाइब्रेरी से बचे। ज्यादा से ज्यादा अध्ययन कर बड़ेझबड़े पदों पर जाएंगे और हमारे शहर का नाम रोशन हो सके। कार्यक्रम के आयोजक अमरेन्द्र चौबे को साधुवाद दिया कार्यक्रम के आयोजक अमरेन्द्र चौबे ने कहा कि इस डिजिटल लाइब्रेरी को शिक्षा क्रांति के रूप में लिया है। आज के इस डिजिटल और इंटरनेट की दौर में शिक्षा को सुलभ करने का आसान तरीका अपनाया है और मेहनती छात्र छात्राओं के लिये लाइब्रेरी का दरवाजा चौबीस घंटे खुला है।

संक्षिप्त डायरी

सरकारी गाड़ी ने बुजुर्ग को कुचला, मौत के बाद ग्रामीणों ने जमकर किया हंगामा; यह मांग कर रहे

नालंदा। रविवार की सुबह सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मामला हरनौत थाना क्षेत्र अंतर्गत अलीपुर गांव के समीप की है। मृतक की पहचान अलीपुर के रहने वाले रामचंद्र प्रसाद (65) के रूप में की गई है। हादसा हरनौत-गोनावां मुख्य मार्ग पर हुई है। बताया जाता है कि रामचंद्र प्रसाद पोआरी गांव साइकिल से दूध देने गए थे। जहां से लौटकर वह घर आ रहे थे। तभी सड़क पार करने के दौरान हरनौत की तरफ से आ रही पथ निर्माण विभाग की गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में बुजुर्ग की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में चली गई.हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने ब्रेकर और मुआवजे की मांग को लेकर सड़क को जाम कर दिया। जिससे आवागमन अवरुद्ध हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि अलीपुर गांव के पास सड़क ढलान लेती है। जिसके कारण गाड़ियों की रफ्तार ज्यादा रहती है। यही वजह है कि आए दिन यहां हादसे होते रहते हैं। वहीं मौके पर पहुँचे परिजनों की चीत्कार से गांव का माहौल गमगीन हो गया। करीब ढाई घँटे तक सड़क जाम की स्थिति बनी रही।

तेजस्वी पर मंत्री रेणु देवी का निशाना, बोलीं- जो नेता खुद नौवीं पास हैं, वे बच्चों को कलम बांट रहे

पटना। बिहार सरकार की पशु एवं मत्स्य पालन मंत्री रेणु देवी शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर लखीसराय पहुंचीं। उनके आगमन पर भाजपा कार्यकताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। दौरे के दौरान मंत्री रेणु देवी ने जिला अतिथि गृह में पत्रकारों से बातचीत की और इस दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला। मंत्री रेणु देवी ने तेजस्वी यादव की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो नेता खुद सिर्फ नौवीं कक्षा तक पढ़े हैं, वे अब बच्चों को कलम बांटने की बात कर रहे हैं। उन्होंने इसे ह्यराजनीतिक नौटंकीह्न करार देते हुए कहा कि यह जनता को गुमराह करने की कोशिश है। रेणु देवी ने कहा कि तेजस्वी यादव और उनके पिता लालू प्रसाद यादव सिर्फ परिवारवाद की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने चुनौती दी कि अगर उनमें हिम्मत है तो वे सार्वजनिक रूप से यह घोषणा करें कि वे खुद कभी मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे और किसी पिछड़े या अति पिछड़े वर्ग के व्यक्ति को यह पद देंगे। मंत्री ने आरजेडी शासन काल की आलोचना करते हुए कहा कि लालू-राबड़ी के समय बिहार में अपराध, भ्रष्टाचार और अराजकता चरम पर थी, जिसे लोग जंगलराज कहते थे। उन्होंने दावा किया कि एनडीए सरकार के शासन में कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ है, शिक्षा व्यवस्था सशक्त हुई है और राज्य में विकास की गति तेज हुई है। रेणु देवी ने कहा कि एनडीए सरकार किसानों, पशुपालकों और युवाओं के लिए लगातार योजनाएं ला रही है और राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है अपने दौरे के दौरान उन्होंने भाजपा कार्यकताओं से संवाद किया और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान भी किया।

दरभंगा में 2 समुदाय के बीच तनाव

दरभंगा। दो समुदायों के बीच विवाद हो गया। गांव में काफी तनाव है। गांव में जय बाबा डीहबार स्थान है। यह स्थल गांव में सभी समुदायों के लिए पूजनीय है। यहां किसी भी शुभ कार्य से पहले लोग चढ़ावा चढ़ाते हैं। जय बाबा डीहबार स्थान की जमीन पर एक समुदाय के लोगों ने अपना झंडा लगाया था। जिसे दूसरे समुदाय के लोगों ने उखाड़ दिया था। इसके बाद गांव में ताजिया घूमने पर रोक लगा दी गई थी। इसके बाद गांव में पंचायत हुई थी। जगन्नाथपुर ओपी की पुलिस मौके पर पहुंची थी। पंचायत में तय हुआ था कि दोनों पक्षों का झंडा उस स्थल पर लगेगा। इसके बाद स्थिति सामान्य हो गई थी। दूसरे पक्ष के कुछ युवकों ने 2 साल पुराना कुछ फोटो वायरल कर दिया। फोटो दो समुदाय के बीच धक्का-मुक्की का है। जिसके बाद गांव में तनाव हो गया। मामला बिरौल थाना क्षेत्र के भैनी गांव का है। बताया गया कि 2 साल पहले एक पक्ष ने दीवार पर लिखे 'जय बाबा डीहबार स्थान' में से 'जय' शब्द मिटा दिया था। इसके बाद दोनों पक्षों में हल्की झड़प हुई थी। धक्का-मुक्की हुई थी, लेकिन कोई घायल नहीं हुआ था। उसी समय थोड़े दिन बाद रामनवमी पर झंडा लगाया गया था, जिसे दूसरे पक्ष ने उखाड़ दिया था।

बोरे में मिला युवती का नरकंकाल ऑनर किलिंग की आशंका

खगड़िया। पानी से भरे एक गड्ढे से पुलिस ने बोरे में बंद एक युवती का नरकंकाल बरामद किया है। आशंका जताई जा रही है कि यह ऑनर किलिंग का मामला है और शव को टुकड़ों में काटकर ठिकाने लगाया गया था। मामला मड़ैया सहायक थाना क्षेत्र के आलमबाजार नयागांव सड़क मार्ग पर स्थित बहरखाल बहियार की है। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ किसान अपने खेत में फसल देखने गए थे। इसी दौरान उन्हें पानी से भरे गड्ढे में एक बोरा तैरता हुआ दिखा। चौंकाने वाली बात यह थी कि एक कुत्ता उस बोरे से हड्डियों को निकालकर नोच-नोच कर खा रहा था। किसानों ने तत्काल इसकी सूचना मड़ैया थाने की पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मड़ैया थानाध्यक्ष मोहम्मद फिरदौस अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से बोरे को बाहर निकलवाया। बोरा खोलने पर उसमें से सिर्फ हड्डियों के टुकड़े ही निकले। शव के साथ मिले लंबे बालों से उसकी पहचान युवती के रूप में हुई, क्योंकि बाल नष्ट नहीं हुए थे। पुलिस का मानना है कि शव को गड्ढे में फेंकने से पहले शव को कई टुकड़ों में काटा गया था। इन टुकड़ों को साड़ी में लपेटकर और लगभग 20 ईंटें बांधकर डुबोया गया था। शव को जल्दी गलाने के लिए चूना भी डाला गया था। देखने से प्रतीत होता है कि घटना लगभग एक महीने पहले की है। हालांकि, कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि बोरा लगभग एक सप्ताह से दिखाई दे रहा था। घटना की सूचना तत्काल वरीय अधिकारियों को दी गई।

गोगरी एसडीपीओ रमेश कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन की. वहीं एसएफएल की टीम ने मौके से सभी नरकंकाल को अपने कब्जे में ले लिया, जिसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। मड़ैया थानाध्यक्ष मोहम्मद फिरदौस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह ऑनर किलिंग का मामला प्रतीत हो रहा है। उन्होंने आसपास के सभी थाना क्षेत्रों को लापता व्यक्तियों से संबंधित मामलों की जानकारी देने के लिए सूचित किया है, ताकि शव की शिनाख्त हो सके।

मध्याह्न भोजन के कारण कई बच्चे बीमार

सुपौल। जिले के छातापुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत महम्मदगंज पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय शंकरपट्टी में शनिवार को मध्याह्न भोजन खाने से आठ दर्जन से अधिक बच्चे बीमार पड़ गए। शाम 07 बजे तक इनमें से आठ दर्जन बच्चों को अकेले सीएचसी छातापुर में भर्ती कराया गया है। वही कुछ बच्चों का इलाज निजी क्लीनिक में चल रहा है। बताया जा रहा है कि विद्यालय में नामांकित 348 में से कुल 148 बच्चे शनिवार को विद्यालय में उपस्थित थे। इनमें से 100 से अधिक बच्चों ने एमडीएम खाया था। लेकिन भोजन के कुछ देर बाद ही पहले 15 से 20 बच्चों में पेट दर्द और उल्टी की शिकायत सामने आई। जिसके बाद विद्यालय में अफरातफरी का माहौल बन गया। हालांकि विद्यालय प्रधान और ग्रामीणों के सहयोग से बच्चों को इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया। इस बीच बीमार बच्चों की तादाद बढ़ने लगी और देर शाम तक आंकड़ा आठ दर्जन को पार कर चुका था। जिसकी वजह से विद्यालय और अस्पताल में ग्रामीणों की भीड़ भी बढ़ती चली गई। इधर, सूचना के करीब एक घंटे बाद राजेश्वरी थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस की गाड़ियों से कुछ छात्रों को अस्पताल पहुंचाया गया। बच्चों के लगातार बीमार पड़ने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।अभिभावकों ने बताया कि मध्याह्न भोजन में परोसी गई खिचड़ी खाने के कुछ देर बाद ही छात्रों को पेट दर्द और उल्टी होने लगी। वही इस दौरान कई छात्र बेहोश हो गए। इस घटना के बाद कुछ अभिभावकों ने बच्चों को आनन-फानन में निजी वाहनों से अस्पताल पहुंचाया। वही प्रशासनिक अधिकारियों के नहीं पहुंचने से ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों ने बताया कि बच्चों को निजी वाहनों से अस्पताल भेजा गया और उसके एक घंटे बाद एक एम्बुलेंस पहुंची। शाम तक बीमार बच्चों के अस्पताल पहुंचने का सिलसिला जारी था। वही देर शाम रसोईया संतोलिया देवी को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मालूम हो कि इससे पहले शुक्रवार को बसंतपुर प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय रानीगंज में भी मध्या भोजन खाने से करीब 35 छात्र-छात्राएं बीमार हो गए थे। घटना के बाद अभिभावकों में भारी आक्रोश है। वही किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को देखते हुए स्कूल परिसर में देर शाम तक पुलिस बल तैनात दिखी। इधर, अभिभावकों ने इस घटना के लिए विद्यालय प्रबंधन को जिम्मेवार ठहराया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़े हुए चावल से खिचड़ी बनाई गई थी। छात्रों ने बताया कि खिचड़ी में बड़ी संख्या में पीलू थे, जिसे देखकर कई बच्चों ने खाना नहीं खाया और घर चले गए। वही कुछ बच्चों ने आरोप लगाया कि खाने से इनकार करने पर शिक्षकों ने डांट-फटकार की और जबरन खाना खिलाया। शनिवार को एमडीएम खाने के बाद जब बीमार बच्चों की तादाद बढ़ने लगी तो आक्रोशित अभिभावकों ने विद्यालय के स्टोर रूम को खुलवाया। जहां रखे चावल में कीड़े की तादाद काफी ज्यादा थी। हालांकि इससे पहले विद्यालय प्रधान हरिश्चंद्र ततमा स्टोर रूम खोलने के लिए तैयार नहीं थे। लिहाजा अंदर के हालात देखने के बाद अभिभावकों ने हंगामा शुरू कर दिया। बाद में राजेश्वरी थाने की पुलिस ने हंगामा शांत कराया। इधर, घटना की सूचना पर बीडीओ डॉ राकेश कुमार गुप्ता और सीओ राकेश कुमार ने सीएचसी पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। सीएचसी प्रभारी डॉ नवीन कुमार सिंह ने बताया कि 80 से अधिक बच्चे अस्पताल पहुंचे हैं और सभी का इलाज चल रहा है। सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं। त्रिवेणीगंज एसडीएम अभिषेक कुमार और एसडीपीओ विभाष कुमार ने सीएचसी पहुंच कर हालात का जायजा लिया।

हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है .

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुकाचार्य के कारण संध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त की। शक्तियों के कारण संध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शवितशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएं। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें-
ॐ शनैश्वराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मिटटी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
- गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें। बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
- केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
- बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
- गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएं और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
- फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

कौन-से देवता होते हैं भादो मास में प्रसन्न

भाद्रपद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार वर्ष का छठा महीना और चतुर्मास का दूसरा महीना है। इसे भादो भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि इस पवित्र माह में कौनसे 10 देवताओं की पूजा करने से वे होते हैं प्रसन्न।

- **श्रीकृष्ण** : इसी माह में कृण जन्मोत्सव मनाया जाता है, क्योंकि उनका जनन्म भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था। डोल ग्यारस तक उनके जन्मोत्सव की धूम रहती है। इस माह में उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलरामजी की जयंती भी रहती है।
- **माता पार्वती** : इस माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। व्रत रखकर माता दुर्गा, पार्वती और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **गणेश जी** : भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव मनाया जाता है। भगवान गणेश की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **विश्वकर्मा जी** : भाद्रपद की परिवर्तनी एकादशी के दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **भगवान विष्णु** : भाद्रपद की चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है। इसी पूजा से अनंत भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा भाद्रपद की अजा और परिवर्तनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **श्रीराधा जी** : भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को श्री कृष्ण का जन्म और शुक्ल अष्टमी को राधाजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा अष्टमी के दिन राधाजी की श्री कृष्ण के साथ पूजा करने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **पितृदेव** : भाद्रपद माह की पूर्णिमा से ही श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस माह में पितृदेव या पितरों के देव अर्यमा को प्रसन्न किया जाता है। ऋषियों की पूजा के साथ पितृदेव की पूजा करें।
- **शिव जी** : चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद विष्णुजी पाताल लोग में योगनिद्रा में चले जाते हैं तब चार माह के लिए शिवजी अपने रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं अतः इस माह में शिवजी के रुद्र रूप की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन उनकी पूजा करने चाहिए।
- **सूर्यदेव** : इस माह में सूर्यदेव की पूजा भी की जाती है। उन्हें अर्घ्य देने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **हनुमान जी** : भाद्रपद के अंतिम मंगलवार को बुढ़वा मंगलवार मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन रावण ने उनकी पूंछ में आग लगा दी थी। जिसके चलते लंका दहन हो गया था।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था सारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।

- भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।
- शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।
- कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।
- कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1.गांडीव, 2. पिनाक और 3.सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।
- यह भी कहा जाता है कि वत्तासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने- 1.गांडीव, 2.पिनाक और 3.सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्तासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।
- एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।
- कहते हैं कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के नास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।
- शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसान से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबत्ती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।

घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में। घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नही छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की पताका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसो के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।

सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

आखिर गीता में क्या खास है?

कलियुग के प्रारंभ होने के मात्र तीस वर्ष पहले गीता को अर्जुन के अलावा संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की तिथि एकादशी थी। उस दिन रविवार था। कहते हैं कि उन्होंने यह ज्ञान लगभग 45 मिनट तक दिया था। अर्जुन के नन्दिघोष नामक रथ पर सारथी के स्थान पर खड़े होकर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश किया था। कहते हैं प्रथम दिन का उपदेश प्रातः 8 से 9 बजे के बीच हुआ था। बाद के उपदेश कैंप में होते थे।

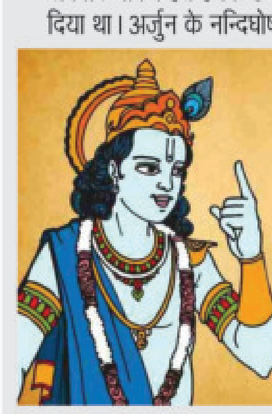

- गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। इसका कोई सा भी अध्याय अन्य अध्याय का रिपिटेशन नही है। विषय भले ही एक हो लेकिन प्रत्येक अध्याय में अलग ही तरह का ज्ञान है।
- गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्वजन्म, प्रारब्ध, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। गीता का मुख्य ज्ञान है कैसे स्थितप्रज्ञ पुरुष बनना, ईश्वर को जानना या मोक्ष प्राप्त करना।
- श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है।

स्मृति मंधाना के शतक से भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 में 97 रन से हराया

नॉटिंघम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 97 रन से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारत की इस शानदार जीत की नायक रहीं कप्तान स्मृति मंधाना, जिन्होंने दमदार शतक जड़कर टीम की नींव मजबूत की।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत सधी हुई रही, लेकिन असली कमाल कप्तान स्मृति मंधाना ने किया। उन्होंने 55 गेंदों पर 103 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल थे। उनके साथ जेमिमा रॉड्रिग्स (32 रन) और दीप्ति शर्मा (28 रन) ने भी अहम योगदान दिया। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 210 रन बनाए, जो कि इंग्लैंड के खिलाफ भारत का अब तक का सर्वाधिक टी20 स्कोर है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। शुरुआती झटकों के बाद कप्तान नेट सिवर ब्रंट ने 41 गेंदों में 66 रन बनाकर लड़ाई की कोशिश जरूर की, लेकिन उन्हें कोई खास सहयोग नहीं मिला। इंग्लैंड की पूरी टीम 14.5 ओवर में 113 रन पर सिमट गई।

भारतीय गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। श्री चरणी ने अपनी शानदार गेंदबाजी से 4 विकेट झटके, जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। अमनजोत कौर और अरुंधति रेड्डी ने भी 1-1 सफलता हासिल कर इंग्लैंड की कमर तोड़ दी। अब दोनों टीमें 01 जुलाई को ब्रिस्टल में दूसरे टी20 मुकाबले में आमने-सामने होंगी। भारत इस जीत को दोहराने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड वापसी की रणनीति पर काम करेगा।

विंबलडन रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सबसे अच्छा मौका : नोवाक जोकोविच

लंदन (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच से भले ही अब किसी टूर्नामेंट के शुरू होने पर अक्सर उनके संन्यास को लेकर सवाल किया जाता है लेकिन इस स्टार टेनिस खिलाड़ी की निगाह सोमवार से शुरू होने वाले विंबलडन पर टिकी हैं जिसे वह अपना रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सर्वश्रेष्ठ मौका मानते हैं।

जोकोविच अभी 38 साल के हैं और विंबलडन से पहले उनसे यही सवाल पूछा गया कि क्या वह आखिरी बार इस प्रतियोगिता में खेलेंगे। इस 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन का जवाब भी रटा रटाया था। जोकोविच ने कहा, 'क्या यह मेरा आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट हो सकता है। इसको लेकर अभी मैं पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकता हूं। मैं अगले साल फ्रेंच ओपन या किसी अन्य ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में भाग लूंगा या नहीं, इसको लेकर निश्चित नहीं हूं।' उन्होंने कहा, 'मेरी इच्छा कई और साल तक खेलना है। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह फिट रहना चाहता हूं। यही मेरा लक्ष्य है लेकिन उम्र के इस पड़ाव पर आप पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकते कि आगे क्या होगा।'

जोकोविच ने यह स्वीकार किया कि ऑल इंग्लैंड क्लब उन्हें एक और ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने का सबसे अच्छा अवसर प्रदान कर सकता है, जिससे वह अपने करियर में कुल 25 खिताब जीत सकेंगे। यह एक ऐसी संख्या जिस तक कोई भी टेनिस खिलाड़ी नहीं पहुंच पाया है। विंबलडन में सात बार के चैंपियन जोकोविच ने कहा, 'मैं इस बात पर सहमत हो सकता हूं कि विंबलडन में फिर से चैंपियन बनने का यह मेरे लिए सबसे अच्छा मौका हो सकता है। यह परिस्थितियों पर निर्भर करेगा लेकिन अभी मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं।' जोकोविच मंगलवार को पहले दौर में एलेक्जेंडर मुलर का सामना करेंगे।

विदेश में ऋषभ पंत के शतक वाले ज्यादातर मैचों में भारत हारा

– पंत के 5 टेस्ट में 6 शतक के बावजूद 4 हार और 1 ड्रॉ

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत ने विदेशी जमीन पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक 6 शानदार शतक जड़े हैं, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक अनोखा और कुछ हद तक निराशाजनक संयोग भी रहा है कि जिन 5 टेस्ट मैचों में उन्होंने ये सेंचुरी लगाई, उनमें से एक में भी भारत को जीत नसीब नहीं हुई। पंत के विदेशी शतकों में भारत को चार बार हार झेलनी पड़ी और एक मुकाबला ड्रॉ रहा। उनका यह सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट से शुरू होता है और अब तक जारी है।

पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के दौरान हेडिंग्ले के मैदान पर पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन की दो जबरदस्त पारियां खेलीं। लगा कि यह मैच भारत के पक्ष में जाएगा, मगर भारत 5 विकेट से हार गया। इसके बाद भी पंत का शानदार प्रदर्शन जारी रहा, लेकिन नतीजे भारत के पक्ष में नहीं जा सके। साल 2018 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ केनिंगटन ओवल में अपने करियर का पहला टेस्ट शतक जमाया था। उन्होंने 114 रन बनाए थे, पर भारत वह मैच भी हार गया। 2019 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी टेस्ट में उन्होंने 159 रन की नाबाद पारी खेली। उस समय उनकी बल्लेबाजी ने टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, लेकिन मैच का नतीजा नहीं निकल सका और मुकाबला ड्रॉ रहा। 2022 में पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन के न्यूलैंड्स टेस्ट में 100 रन की नाबाद पारी खेली थी। इसके बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ एजबस्टन में पंत ने 146 रन की शानदार पारी खेली। यह पारी उस मुश्किल समय में आई जब भारत संकट में था। उन्होंने टीम को संभाला, लेकिन इसके बावजूद भारत मैच हार गया। इस तरह ऋषभ पंत ने विदेशी सरजमीं पर पांच टेस्ट में छह शतक लगाए हैं, मगर इनमें से भारत को एक भी जीत नसीब नहीं हुई।

फैंस और विशेषज्ञ दोनों ही मानते हैं कि पंत का विदेशी पिचों पर यह आक्रामक और भरोसेमंद अंदाज भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहद जरूरी है। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि क्या आने वाले इंग्लैंड दौरे में यह संयोग टूटेगा और पंत की शतकीय पारी भारत को जीत दिला पाएगी। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि ऋषभ पंत का यह दुर्भाग्यपूर्ण आंकड़ा जल्द ही बदल जाएगा और उनकी शतकीय पारियां भविष्य में भारत की जीत की गारंटी बनेंगी।

गौतम गंभीर पर बढ़ा दबाव, टेस्ट क्रिकेट में नतीजे देने की चुनौती: आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गौतम गंभीर जब से भारतीय क्रिकेट टीम के कोच बने है तब से टीम के प्रदर्शन को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। उनके कोच बनने के बाद टीम में कई बदलाव देखे गए हैं। हालांकि गंभीर बार-बार यह कहते रहे हैं कि टीम का चयन वे नहीं करते, लेकिन सभी जानते हैं कि चयन समिति कप्तान और कोच से बातचीत के बाद ही टीम को अंतिम रुप देने का काम करती है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी जैसे अहम टूर्नामेंट जीते हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में हाल के वर्षों में टीम के प्रदर्शन में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। इसी को लेकर उनके पुराने साथी और पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा ने भी खुलकर कहा है कि अब गंभीर को नतीजे देने होंगे।

हाल ही में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारत को हार झेलनी पड़ी। इंग्लैंड के खिलाफ भी सीरीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हेडिंग्ले टेस्ट में शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम ने 371 रन का बड़ा लक्ष्य देने के बावजूद पांच विकेट से हार का सामना किया। आकाश चोपड़ा का मानना है कि अब गंभीर के पास ज्यादा समय नहीं है और उन्हें जल्द अच्छे नतीजे देने होंगे वरना उन पर दबाव और बढ़ेगा। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि शुभमन गिल को फिलहाल दोष नहीं दिया जा सकता क्योंकि उन्होंने हाल ही में कप्तानी संभाली है और उन्हें अभी वक्त मिलेगा। लेकिन कोच के तौर पर गंभीर से सवाल जरूर पूछे जाने चाहिए। उनके मुताबिक 'भारतीय क्रिकेट में यह सिद्धांत है कि अच्छा होगा तो तारीफ होगी और खराब होगा तो आलोचना भी होगी। मैं गिल के साथ अभी धैर्य रखूंगा, लेकिन गंभीर से सवाल जरूर होंगे।'

आकाश चोपड़ा ने गंभीर के टेस्ट रिकॉर्ड की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि गंभीर की कोचिंग में भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ दो और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच जीता है, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन और इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट हार भी झेली है। उन्होंने साफ कहा कि गंभीर लगातार हार रहे हैं और दबाव बढ़ता जा रहा है।

चोपड़ा ने यह भी कहा कि बीसीसीआई ने गंभीर की सभी मांगें मानी हैं। 'जो भी खिलाड़ी मांगा गया, वो दिया गया। चयनकर्ता वही दे रहे हैं जो टीम मैनेजमेंट चाहता है। ऐसे में अब कोई बहाना नहीं है। आपको नतीजे देने होंगे। सफेद गेंद क्रिकेट में प्रदर्शन अच्छा है, लेकिन टेस्ट में सवाल उठेंगे और इंग्लैंड के खिलाफ यह सीरीज बहुत अहम है। अगर यह सीरीज खराब गई तो सवाल जरूर खड़े होंगे।'

शास्त्री बोले, शुभमन को अगले तीन साल तक कप्तान बने रहने दें

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि युवा कप्तान शुभमन गिल की कप्तान का अंदाज काफी अच्छी है। इसलिए अगले तीन साल तक उन्हें अवसर दिया जाना चाहिये। शास्त्री ने कहा कि इस दौरान टीम का प्रदर्शन चाहे कैसा भी रहे शुभमन को नहीं बदला जाना चाहिये। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद शुभमन को इंग्लैंड दौरे से पहले कप्तान बनाया गया था। शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहले ही टेस्ट में पांच शतक लगाये पर इसके बाद भी उसे हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे मैच के दौरान अच्छा था हालांकि कुछ गलतियों के कारण उसे हार झेलनी पड़ी पूर्व कोच के अनुसार रोहित शर्मा और विराट कोहली व आर अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों के बाहर होने के बाद शुभमन अब एक बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं। शास्त्री ने कहा कि गिल में क्लास और शांति का एक अनोखा संगम है जो उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। इसलिए अगर वह कप्तानी में आगे नहीं बढ़ते हैं तो मुझे निराशा होगी। उनमें एक सहज, नजाकत है और जब वह बल्लेबाजी करते हैं तो उनमें एक शाही अंदाज दिखता है। अगर वह अनुभव से सीख सकते हैं और हालातों के अनुकूल ढल सकते हैं, तो मुझे लगता है कि मैं सिर्फ उन्हीं का नाम ले सकता हूं।

छक्का लगाने ही दिल का दौर पड़ने से खिलाड़ी की मौत

चंडीगढ़। खेल के मैदान में खिलाड़ियों की मौत के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अब पंजाब के फिरोजपुर का एक मामला सामने आया है। यहां एक खिलाड़ी की बल्लेबाजी के दौरान ही मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार छक्का लगाने के तत्काल बाद खिलाड़ी को दिल का दौरा पड़ा जिस कारण उसकी मौत हो गई। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। ये एक निजी स्कूल के मैदान में चल रहा मैच था। जिसमें बल्लेबाज हरजीत सिंह की मौत हो गयी। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक बल्लेबाजी कर रहा है और एक गेंद पर छक्का लगाता है। छक्का लगाने के बाद खिलाड़ी घबराहट होने के कारण क्रीज पर ही बैठ जाता है जिसके बाद नॉन स्ट्राइक पर खड़ा बल्लेबाज भी उसके साथ आकर बैठता है। इस दौरान स्टाइकर जमीन पर गिर जाता है और सभी साथी खिलाड़ी दौड़कर उसे देखते हैं। इस खिलाड़ी के पिच पर गिरने के बाद उसे प्राथमिक उपचार के तहत सीपीआर भी दी जाती है पर उसे बचाया नहीं जा सका। इस घटना से अन्य खिलाड़ी भी हैरान होने के साथ ही सदमें में हैं।

सैमी पर आईसीसी ने 15 फीसदी जुर्माना लगाया

दुबई। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कोच डैरन सैमी को टीवी अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक की सार्वजनिक रूप से आलोचना करना महंगा पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सैमी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान टीवी अंपायर की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने का दोषी पाते हुए उनपर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। सैमी ने मैच के दूसरे दिन डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) के फैसलों पर सवाल उठाये थे। सैमी ने मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए तीसरे अंपायर के फैसले पर सवाल उठाए थे, इसी कारण से उन पर यह जुर्माना लगाया गया है। इस मैच में वेस्टइंडीज को हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में अंपायर पर एक नहीं पांच-पांच गलत फैसले देने के आरोप लगे। इसमें से चार वेस्टइंडीज के खिलाफ गये जिससे उसकी परेशानी बढ़ गयी। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को डीआरएस के बाद नॉट आउट दिया गया। वहीं वेस्टइंडीज के शाई हॉप के आउट होने पर भी सवाल उठे। सैमी ने रोस्टन चेज और ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन से जुड़े एलबीडब्ल्यू की गलतियों के बारे में भी बताया। सैमी ने कहा था, जो तस्वीरें हम देख रहे हैं, उससे लगता है कि दोनों टीमों के लिए फैसले निष्पक्ष नहीं हैं। मैं इस में स्पष्टता चाहता हूं। सैमी ने मैच अधिकारी के खिलाफ बयान देने के चलते ही आईसीसी ने उन्हें आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया है इससे पहले वेस्टइंडीज की टीम के तेज गेंदबाज जेडन सील्स पर भी विरोधी टीम के कप्तान पैट कमिंस से खराब व्यवहार के लिए मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगा था। पहला टेस्ट हारने से तीन मैच की सीरीज में वेस्टइंडीज 0-1 से पीछे है।

स्टीव स्मिथ जल्द वापसी कर सकते है : पैट कमिंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट मैच में 159 रनों से हराकर सीरीज में बढ़त बना ली। हालांकि, स्कोरलाइन से अलग मैच में वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर दी, लेकिन कमजोर बल्लेबाजी के चलते उन्हें हार झेलनी पड़ी। खास बात यह रही कि ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मुकाबले में अपने दो प्रमुख बल्लेबाजों स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के बिना उतरी। स्मिथ चोटिल होने के कारण बाहर रहे जबकि लाबुशेन को लगातार खराब फॉर्म की वजह से टीम से ड्रॉप किया गया।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बताया कि स्मिथ अपनी चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में स्लिप में कैच लेते समय चोट लगी थी। कमिंस के मुताबिक स्मिथ ने न्यूयॉर्क में हल्की प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, 'उन्होंने न्यूयॉर्क में कुछ ओवर खेले हैं, शायद टेनिस बॉल से ही सही। घाव अब ठीक लग रहा है। अगला स्टेज यहां आकर नेट्स में गेंदें खेलना है। हम आने वाले दिनों में देखेंगे कि वह कब तक पूरी तरह फिट हो पाते हैं।' स्मिथ की कोशिश 3 जुलाई से ग्रेनेडा में होने वाले दूसरे टेस्ट तक फिट होकर लौटने की है।

पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को उनकी गैरमौजूदगी काफी खली। पहली पारी में टीम ने 22 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे, जबकि दूसरी पारी में 65 तक चार विकेट गिर गए। यह 2018 के बाद पहली बार था जब ऑस्ट्रेलिया की टीम स्मिथ और लाबुशेन दोनों के बिना उतरी। लाबुशेन की जगह मिले मौके में युवा सैम कोटास प्रभावित नहीं कर सके। उन्होंने पहली पारी में तीन और दूसरी में सिर्फ पांच रन बनाए और दोनों पारियों में शमार जोसेफ का शिकार बने।

जोश इंग्लिश भी खास योगदान नहीं दे सके और कुल 17 रन ही बना पाए। इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने गेंदबाजों के दम पर जीत दर्ज की। कमिंस ने यह भी माना कि बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत है और स्मिथ की वापसी से टीम को संतुलन मिलेगा। वेस्टइंडीज की ओर से गेंदबाजों ने अच्छा संघर्ष किया लेकिन बल्लेबाज दबाव नहीं झेल सके और पूरी टीम दोनों पारियों में लड़खड़ा गई। इस जीत से ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली और अब उनकी नजरें दूसरे टेस्ट में क्लीन स्वीप पर हैं।

गेंदबाजी कोच के साथ डब्ल्यूडब्ल्यूई जैसे फाइट करते दिखे अर्शदीप और आकाशदीप

बर्मिंघम। यहां भारतीय टीम 2 जुलाई से यहां शुरु होने वाले दूसरे टेस्ट की तैयारियों में लगी है। इसी अभ्यास सत्र के दौरान कुछ खिलाड़ी गेंदबाजी कोच के साथ हंसी मजाक में लड़ाई करते दिखे। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आकाशदीप गेंदबाजी कोच कोच मोर्ने मॉर्केल के साथ हाथापाई कर रहे थे। ऐसा लगा रहा था जैसे तीनो के बीच डब्ल्यूडब्ल्यूई का मुकाबला हो रहा है। भारतीय टीम के अभ्यास सत्र का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इसमें गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आकाशदीप को कोच मॉर्केल के साथ मस्ती करते देखा जा सकता है। मॉर्केल की सभी गेंदबाजों के साथ अच्छी बनती है और वे काम के दौरान मजाक भी करते रहते हैं। कोच और खिलाड़ियों के बीच अच्छा संबंध बना है। इसी कारण वे एक दूसरे के साथ हंसी मजाक भी करते हैं। इस वीडियो में मॉर्केल और अर्शदीप के बीच टक्कर हो रही है। इसमें कोच अर्शदीप को जमीन पर गिरा कर उनको कोहने से मारने का नाटक करते दिख रहे हैं। कोच मॉर्केल जब अर्शदीप के साथ मुकाबला करते हैं तो उनको बचाने के लिए आकाशदीप आते हैं और दोनों मिलकर कोच को जमीन पर लिटा देते हैं और फिर तीनों के बीच मजाकिया लड़ाई होती है। इस वीडियो को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया

प्रिटोरियस सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका खिलाड़ी बने

–61 साल पुराना पोलक का रिकार्ड तोड़ा

बुलावायो (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज लुआन ड्रे प्रिटोरियस ने अपने डेब्यू मैच में ही 153 रनों की शतकीय पारी खेलकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही 19 साल के प्रिटोरियस डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका के सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गये हैं। अपनी इस शतक से हाथ के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 61 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। लुआन के शतक से दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टेस्ट मैच के पहले ही अच्छा खासा स्कोर बना लिया। प्रिटोरियस ने 160 गेंदों पर 112 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 153 रन बनाए। लुआन ने 19 साल 93 दिन की उम्र में ये टेस्ट शतक लगााया। इससे पहले सबसे कम उमे में शतक का रिकार्ड ग्रीम पोलॉक के नाम था जिन्होंने 1964 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में 19 साल 317 दिन की उम्र में शतक लगाया था। प्रिटोरियस ने अपना शत 112 गेंदों पर पूरा किया। प्रिटोरियस की शतकीय पारी से दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहले दिन का खेल खत्म होने पर पहली पारी में 9 विकेट पर 418 रन बना लिए थे। कॉर्बिन बॉश 100 रन जबकि क्वेन मफाका 9 रनों पर खेल रहे थे। अपने डेब्यू टेस्ट में डेवाल्ड ब्रेविस ने 51 रन जबकि कोडी यूसुफने 27 रन बनायचे। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और .उसने अपने शीर्ष के 4 विकेट केवल 55 रनों पर ही खो दिये। इसके बाद प्रिटोरियस और डेवाल्ड ब्रेविस ने मिलका पारी को संभालाकर आगे बढ़ाया।

चैड गेबल को कंधे पर गंभीर चोट, जुलाई में होगी सर्जरी, डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई को बड़ा झटका

नई दिल्ली। डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार चैड गेबल को जुलाई के पहले हफ्ते में सर्जरी करानी पड़ेगी। मंडे नाइट रॉ के ताजा एपिसोड में पेंटा के साथ मुकाबले में उन्हें कंधे में गंभीर चोट लगी। मैच के दौरान पेंटा ने गेबल पर आर्मबार सबमिशन मूव लगाया, जिससे गेबल दर्द से चिल्लाते दिखे। बताया जा रहा है कि इस चोटिल एंगल को जानबूझकर बुना गया ताकि गेबल को पहले से लगी चोट की वजह से टीवी से हटाया जा सके। दरअसल, मंडे नाइट रॉ में ब्रॉन ब्रेकर से हारने के बाद गेबल ने पेंटा को भड़काते हुए उसका मजाक उड़ाया और मास्क उतारने की धमकी दी। इस पर पेंटा ने जवाबी हमला किया और आर्मबार लगा दिया, जिससे गेबल का कंधा बुरी तरह मुड़ गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक गेबल को पहले से ही कंधे में चोट थी और इसी कारण डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई ने उन्हें स्टोरीलाइन में भी चोटिल दिखाकर ब्रेक दिलाने का प्लान बनाया। दिलचस्प बात यह है कि एल ग्रांडे अमेरिकानो नाम के एक और रेसलर को भी ठीक उसी तरह की चोट लगी। इसी वजह से कुछ फैंस का अंदाजा है कि गेबल ही एल ग्रांडे अमेरिकानो के गियर में डबल रोल निभा रहे थे, लेकिन इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। चैड गेबल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे हुनरमंद टेक्निकल रेसलर्स में गिने जाते हैं। उनके चोटिल होकर लंबे समय तक बाहर रहने से रॉ ब्रांड और टैग टीम डिवीजन को बड़ा झटका लगेगा। उन्हें सर्जरी के बाद रिकवरी में कई हफ्ते या महीने लग सकते हैं। फैंस और डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई को उम्मीद है कि वह जल्द स्वस्थ होकर रिंग में वापसी करेंगे। चोटों का यह दौर डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि हाल के हफ्तों में कई स्टार्स चोट की वजह से बाहर हो चुके हैं। अब सबकी नजर गेबल की सर्जरी और उनकी रिकवरी टाइमलाइन पर रहेगी।

भारत बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर, इस गेंदबाज को अगले मैच में खिलाना चाहिए: अजहरुद्दीन

हैदराबाद (एजेंसी)। पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि भारत को अपने गेंदबाजी आक्रमण में और अधिक अनुभव जोड़ने और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर बोझ कम करने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए। लीड्स में पहले टेस्ट में जिसे भारत ने 5 विकेट से गंवा दिया था, मेहमान टीम विकेट के लिए बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर थी और रनों के प्रवाह को कम कर रही थी।

अजहरुद्दीन ने कहा, 'वे बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर हैं। यह आसान नहीं है क्योंकि आपको अधिक अनुभवी गेंदबाजों की आवश्यकता है, और उन्हें कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए।' भारत 2 जुलाई से बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड का सामना करेगा और पिच, जिसके सूखी होने की उम्मीद है, कुलदीप को कुछ सहायता प्रदान कर सकती है।

भारत ने कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत के शतकों की मदद से पहली पारी में 471 रन बनाए। केएल राहुल और पंत के शतकों की बदौलत उन्होंने दूसरी पारी में 364 रन बनाए, लेकिन दोनों ही पारियों में मध्यक्रम और अंतिम क्रम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण मेहमान टीम मजबूत स्कोर या लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। अजहरुद्दीन ने टीम को लीड्स की हार से उबारने के लिए सही टीम संयोजन बनाए रखने की बात कही। उन्होंने कहा, 'हम बल्लेबाजी के खराब प्रदर्शन के कारण हारे, लेकिन अब उन्हें सही खिलाड़ी चुनने होंगे और गेंदबाजी भी सही होनी चाहिए।'

अजहरुद्दीन ने नए टेस्ट कप्तान गिल का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें अपनी काबिलियत साबित करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यह कप्तान के तौर पर उनका पहला मैच है, आप कप्तानी के बारे में बात नहीं कर सकते। कप्तानी के बारे में बात करना अभी जल्दबाजी होगी।' अजहरुद्दीन ने कहा, 'हमें उन्हें उचित मौका देना चाहिए और उन्होंने अभी-अभी कमान संभाली है। इसलिए आपको उन्हें काफी समय और समर्थन देना चाहिए। हम सिर्फ खिलाड़ियों की शिकायत और आलोचना नहीं कर सकते।'

महिलाओं के साथ ऐसा व्यवहार किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता: पात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने कोलकाता के कस्बा स्थित लॉ कॉलेज में 25 जून को एक छात्रा से हुई गैंगरेप को राज्य प्रायोजित अपराध बताते हुए कहा कि अब सिर्फ सफाई नहीं, ममता बनर्जी को माफी मांगते हुए इस्तीफा देना चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ संबित पात्रा ने शनिवार को केन्द्रीय कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए ने कहा कि मुख्य आरोपी मनोजित मिश्रा टीएमसी स्टूडेंट विंग से जुड़ा, पूर्व सेक्रेटरी और पार्टी के नेताओं के करीबी है। पीड़िता की लिखित शिकायत में बलात्कार, ब्लैकमेल, धमकी और मेडिकल सहायता से इनकार तक भयावह विवरण सामने आए हैं। इस मामले में गार्ड की चुप्पी और कॉलेज यूनियन की भूमिका ने मामले को और गंभीर बना दिया है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इस अमानवीय घटना की जांच के लिए एक चार सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो जल्दी ही घटनास्थल का दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपेगी। साथ ही, डॉ. पात्रा ने आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर इंदिरा गांधी के संविधान बदलने की मंशा उजागर करते हुए कांग्रेस के लोकतंत्र के रक्षक होने के झूठे दावों को उजागर किया। डॉ. पात्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इस अमानवीय घटना की पूरी जानकारी ली और तमाम तथ्यों को देखने के बाद साफ कहा कि यह एक क्रूरता की हद पार करने वाला कृत्य है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस मामले की जांच के लिए एक चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति में मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर और पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यपाल सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी, लोकसभा सांसद बिप्लब कुमार देव और राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा को शामिल किया गया है। यह जांच समिति जल्द ही घटनास्थल का दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपेगी। बंगाल में जो कुछ हो रहा है, उसने हम सबको भीतर तक झकझोर दिया है। यह सिर्फ जवाब मांगने का वक्त नहीं है, अब ममता बनर्जी से माफी और इस्तीफा दोनों की मांग हो रही है। इस देश में महिलाओं के साथ ऐसा व्यवहार किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. पात्रा ने कहा कि 25 जून के दिन कोलकाता के कस्बा स्थित लॉ कॉलेज में एक जघन्य गैंगरेप की घटना घटी। लगभग 24-25 वर्षीय एक छात्रा के साथ जिस प्रकार से सामूहिक दुष्कर्म हुआ, वह बेहद अमानवीय और शर्मनाक है। इस घटना को लेकर आज पूरे भारतवर्ष में शोक और आक्रोश का माहौल है।

ब्रह्मपुत्र का बढ़ा जलस्तर, कई बीघा जमीन पानी में डूबी, खाना-पानी बना चुनौती

गुवाहाटी। असम में ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर बढ़ने से जनजीवन पर असर पड़ा है, जिससे नदी किनारे के इलाकों में पानी घुस गया है। इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और उनकी दिनचर्या प्रभावित हो चुकी है। प्रभावित लोगों ने बताया कि कई बीघा खेती की जमीन पानी में डूब गई है, जिससे न केवल उनकी उगाई गई सब्जियों और फसलों को नुकसान हुआ है, बल्कि भोजन-पानी की व्यवस्था भी चुनौती बन गई है।

जानकारी के मुताबिक डिब्रूगढ़, जोरहाट, माजुली और कामरूप जिलों के पानीखैती, राजाबारी इलाकों में ब्रह्मपुत्र नदी का पानी घुसने के कारण सैकड़ों हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूब गई है। लोगों के मुताबिक ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर 3 से 4 दिनों से जिस तरह बढ़ रहा है, अगर ऐसा ही रहा तो उससे उनका गांव भी जलमग्न हो जाएगा। एक स्थानीय शख्स ने बताया कि यहां पिछले दो दिन में ही चार फीट तक पानी भर गया है। यह खेती का क्षेत्र है। करीब 500 बीघा क्षेत्र में पानी भरा है, जिससे सब्जियां और धान की फसलें बर्बाद हो गई। स्थिति बहुत खराब है। अगर पानी ज्यादा भरा तो हालत और भी ज्यादा खराब हो जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट में स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां रहने की समस्या भी बनी हुई है। साथ ही भोजन की व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण है। पानी ज्यादा भरने से बिजली काट दी जाती है। पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। इसके लिए हमें बाहर से नाव के जरिए पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है। एक और स्थानीय शख्स ने बताया कि हम लोग केवल मछली मारकर ही अपने लिए भोजन की व्यवस्था कर रहे हैं।

एयर इंडिया विमान के केबिन में जलने की गंध, चेन्नई जा रहा विमान मुंबई में उतरा

मुंबई (एजेंसी)। अहमदाबाद विमान हादसे के बाद एयर इंडिया के विमानों में परेशानियों का सिलसिला थमने का नाम नही ले रहा है। अब एक ऐसी घटना सामने आई है जिसमें मुंबई से चेन्नई जा रहे एयर इंडिया के विमान AI639 को केबिन में जलने की गंध आने के बाद मुंबई हवाईअड्डे पर तत्काल इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। घटना शुक्रवार को हुई और एयर इंडिया ने कल इस घटना की पुष्टि की। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि पायलट एहतियात के तौर पर विमान को वापस मुंबई ले आया। विमान के केबिन में जलने की गंध आने के बाद विमान को मुंबई हवाईअड्डे पर उतारा गया। विमान मुंबई में सुरक्षित उतर भी गया। इसके बाद यात्रियों की सुविधा के लिए वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की गई। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने यह भी बताया कि कर्मचारियों ने यह सुनिश्चित करने का हर संभव प्रयास किया कि यात्रियों को कोई असुविधा न हो। इसी तरह, शुक्रवार को एयर इंडिया के एक अन्य विमान को गैर-विशिष्ट सुरक्षा अलर्ट मिला। हालांकि, सभी सुरक्षा मापदंडों की पुष्टि करने के बाद विमान को अपनी उड़ान जारी रखने की अनुमति दी गई। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दुनिया का करोड़पति भिखारी

मुंबई (एजेंसी)। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में दुनिया का ऐसा अनोखा भिखारी है। जो लगभग 7.5 करोड रुपए की संपत्ति का मालिक है। 40 साल से वह भीख मांगने का धंधा कर रहा है। इसकी संपत्ति मुंबई में लगभग 7.5 करोड रुपए की है। यह अमीर भिखारी भरत जैन के नाम से जाना जाता है। जैन समुदाय के लोग कभी भीख नही मांगते है। यह जैन भीख मांगने का धंधा करता है। इसने पिछले 40 वर्षों में करोड़ों रुपए की संपत्ति अर्जित की है। मुंबई के दो फ्लैट में इसका परिवार रहता है। जिनकी कीमत 1.4 करोड रुपए है। ठाणे के एक बहुत बडे कामर्शियल स्पेस का मालिक है। किराए के माध्यम से हजारों रुपए महीने की आय है। हजारों रुपए रोज यह भीख मे कमाता है। इसके बच्चे मुंबई के महंगे कान्वेंट स्कूल में पढ़ रहे हैं। भीख का धंधा होने के कारण इसका कोई खर्च नहीं है। भीख की कमाई को जोड़ जोड़कर यह करोड़पति भिखारी बन गया।

जालंधर-अमृतसर नेशनल हाईवे पर कार-पिकअप में टक्कर, 3 की मौत, 17 घायल

कपूरथला (एजेंसी)। पंजाब के कपूरथला जिले के जालंधर-अमृतसर नेशनल हाईवे पर गुडाणा पुल के पास एक कार और पिकअप की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में दंपती समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 17 गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतकों की पहचान पिकअप का चालक कल्याण सिंह (60) होशियारपुर व उसकी पत्नी प्रवीण कुमारी के अलावा संजना पुत्री पवनजीत वासी बिरड़ो तहसील गढ़शंकर जिला होशियारपुर के रूप में हुई है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसे के बाद आर्टिगा कार पुल से नीचे गिर गई जिससे कार में सवार 7 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताला पहुंचाया। एसएसआई ने बताया कि शनिवार सुबह 5 बजे कार जालंधर से अमृतसर की तरफ जा रही थी। जब वह गांव गुडाना पुल के नजदीक पहुंची तो सामने से आ रहे महिंद्रा पिकअप से टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप में बैठी दो सवारियों की मौत हो गई और करीब 14 लोग घायल हो गए हैं। एक व्यक्ति की मौत अस्पताल में हुई। उन्होंने बताया कि कार को भीम पुत्र धर्मपाल वासी करनाल हरियाणा चला रहा था। पिकअप व आर्टिगा कार में सवार सभी लोग ब्यास जा रहे थे। कार में चालक समेत सात सवारियां थी। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

ट्रेन में नहीं चल रहा एसी, कोई बात नहीं आईआरसीटीसी पूरा पैसा रिफंड देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के करोड़ रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। भारतीय रेलवे की टिकट बुकिंग वेबसाइट आईआरसीटीसी ने एक नई सुविधा शुरू की है। अब अगर आपकी ट्रेन लेट होती है या एसची कोच में ठंडक नहीं मिलती, तब आपको पूरा टिकट का पैसा वापस मिल सकता है। यह फैसला यात्रियों की परेशानी को कम करने के लिए हुआ है। दरअसल कई बार लोग ट्रेन में देरी या एससी न चलने की शिकायत करते हैं, लेकिन अब आईआरसीटीसी ने उनकी मदद के लिए यह कदम उठाया है। आईआरसीटीसी की नई पॉलिसी यात्रियों को राहत देगी। मान लीजिए आप दिल्ली से मुंबई जा रहे हैं, और ट्रेन 5 घंटे लेट होती है, या एससी कोच में ठंडक नही मिलती। पहले आपको सिर्फ आंशिक रिफंड मिलता था, लेकिन अब अगर ये दिक्कतें होती हैं, तब पूरा टिकट का पैसा वापस मिलेगा। यह सुविधा खास तौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो लंबी यात्रा करते हैं और समय की कीमत समझते हैं। ट्रेन अगर 3 घंटे से ज्यादा लेट होती है। एससी कोच में ठंडक 2 घंटे से ज्यादा समय तक न मिले। तब आपको आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शिकायत दर्ज करानी होगी। रिफंड के लिए 24 घंटे के अंदर अप्लाई करना जरूरी है। रिफंड लेना बहुत आसान है, और इसके लिए आपको आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर जाना होगा। फिर रिफंड या परेशानी ऑप्शन ढूंढें और क्लिक करें। अपनी टिकट का पीएनआर नंबर, यात्रा की तारीख, और परेशानी (ट्रेन लेट या एसी खराब) बताएं। सारी जानकारी भरने के बाद सबमिट बटन दबाएं। 7 से 10 दिन में आपका पैसा बैंक अकाउंट में वापस आ जाएगा।

बेटी ने लगाए मां पर सेक्स ट्रेनिंग देने के आरोप, पुलिस ने महिला को किया गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा ने अपनी ही मां पर आरोप लगाया है। छात्रा का आरोप है कि उसकी मां, उसे सेक्स करने की ट्रेनिंग देती है। छात्रा के मुताबिक मां कहती हैं कि यह ट्रेनिंग शादी के बाद पति के साथ संबंध बनाने में काम आएगी। हालांकि महिला अपने बेटी के इन आरोपों से इनकार कर रही। अब पुलिस इस मामले में जांच में जुट गई है।

उत्तराखंड में बारिश से हुई तबाही के चलते रोकना पड़ी चारधाम यात्रा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में भारी बारिश और भूस्खन को ध्यान में रखते हुए चारधाम यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है। यह फैसला यात्रियों की सुरक्षा और बारिश के अलर्ट को देखते हुए लिया गया है। बता दें कि अलग-अलग जिलों में पहाड़ी इलाकों में बारिश के कारण तबाही आई हुई है। कहीं सड़कों पर मलबे गिर रहे हैं, तो कहीं बड़े-बड़े बोल्डर। ऐसे में हाईवे बंद हो गए हैं। जिसके चलते हजारों श्रद्धालु फंसे हुए हैं। इस बीच मौसम विभाग ने भारी बारिश को लेकर अलर्ट भी जारी कर दिया है। इसी अलर्ट को देखते हुए प्रशासन ने एहतियात बरता है।

चमोली में चार धाम यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर रोका गया है। बद्रीनाथ, पांडुकेश्वर, चमोली, जोशीमठ ,कर्णप्रयाग में सभी यात्री रोके गये हैं। पीपलकोटी में भी कुछ तीर्थयात्री रोके गए हैं। लगातार हो रही है बारिश के बाद यात्रा रोकने का फैसला लिया गया है। तीर्थ यात्रियों के जोशीमठ से आगे नहीं जाने दिया जाएगा। लैंडस्लाइड की वजह से जगह-जगह यात्री फंस रहे हैं। पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने जानकारी दी है। इस बीच मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून द्वारा मौसम पूर्वानुमान भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। चारधाम यात्रा को अगले 24 घंटों के लिए रोका गया है। जनपद में तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित स्थानों में रुकवाने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को हरिद्वार, ऋषिकेश, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, सोनप्रयाग और विकासनगर में तीर्थयात्रियों को रोकने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश से गंगा का जलस्तर बढ़ गया है। ऋषिकेश में गंगा वार्निंग लेवल से 65 सेंटीमीटर नीचे बह रही हैं। प्रमुख घाटों तक गंगा जी का पानी पहुंच गया है। प्रमुख गंगा घाटों के प्लेटफॉर्म जल में डूबने लगे हैं, जिससे मैदानी इलाकों में गंगा बढ़ा जल मुसीबत बढ़ा सकता है। वहीं देर रात से हो रही भारी बारिश के चलते रुद्रप्रयाग जिले कई जगह भारी नुकसान हुआ है। जखोली के बांगर क्षेत्र में बारिश से जमकर तबाही हुई है। बांगर पट्टी की आवाजाही वाले मुख्य मयाली-रणधार मोटरमार्ग पर पोंठी और मुन्याघर के बीच में स्थित मोटरपुल बह गया है। पूरी पट्टी की आवाजाही बंद हो गयी है और लोग घरों में कैद हो गये हैं। इसके अलावा क्षेत्र के जखवाड़ी तल्ली थापला में भी नुकसान हुआ है।

अगर हिंदी पढ़ानी ही है तो... 5वीं कक्षा से पढ़ाएं: अजीत पवार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहाकि राज्य विधानमंडल के मॉनसून सत्र से पहले मंत्रिमंडल की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। बारामती में संवाददाताओं से बात करते हुए राकांपा अध्यक्ष ने अपने विचार को दोहराया कि अगर पढ़ानी ही है तो हिंदी पांचवीं कक्षा से पढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने कहाकि हमारा कभी यह मत नहीं रहा कि हिंदी को (स्कूल में) शुरू से ही थोपा जाना चाहिए। हिंदी सीखने की कोई बाध्यता नहीं है। इस बीच, अभिनेता सयाजी शिंदे ने भी पहली कक्षा से हिंदी पढ़ाने का विरोध किया।

बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने पिछले हफ्ते एक संशोधित आदेश जारी किया था। इसमें कहा गया था कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक के विद्यार्थियों को हिंदी सामान्यतः तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी, जिसके बाद इस पर विवाद पैदा हो गया। सरकार ने कहाकि हिंदी अनिवार्य नहीं होगी तथापि उसने हिंदी के अलावा किसी अन्य भाषा का अध्ययन करने के लिए स्कूल में प्रत्येक कक्षा में कम से कम 20 छात्रों की सहमति अनिवार्य कर दी।

विपक्षी दलों ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के आदेश की आलोचना की है। इस आदेश के अनुसार मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1-5 तक हिंदी सामान्य रूप से तीसरी भाषा होगी। उपमुख्यमंत्री पवार ने कहाकि हिंदी की कोई बाध्यता नहीं है। हमारा मानना है कि अपने-अपने राज्य में सभी को अपनी मातृभाषा सीखनी चाहिए। हमने कहा है कि पांचवीं कक्षा से हिंदी पढ़ाने के बारे में सोचना चाहिए। अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ने वालों को मराठी सीखनी चाहिए, क्योंकि यह एक अनिवार्य विषय है। लोगों को पांचवीं कक्षा से (वैकल्पिक भाषा के बारे में) निर्णय लेना चाहिए। अजित पवार ने कहाकि छात्रों को मराठी सीखने की अनुमति दी जानी चाहिए, जो एक बहुत ही समृद्ध भाषा है। उन्हें कम उम्र में ही मराठी में पारंगत होना चाहिए और

उन पर किसी अन्य भाषा का बोझ नहीं डालना चाहिए। अगर इसे अनिवार्य बनाना ही है, तो इसे पांचवीं कक्षा के बाद ही पढ़ाया जाना चाहिए। अजित पवार ने कहाकि विधानसभा सत्र परसों शुरू होगा। हम कल (मंत्रिमंडल बैठक में) इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे। हमारा कभी भी यह मत नहीं रहा कि हिंदी को शुरू से ही थोपा जाना चाहिए।

भारत-पाक सीमा के पास मिला युवक-युवती का शव, आईडी और सिम कार्ड बरामद

-जांच एजेंसियां अलर्ट, जैसलमेर पुलिस कर रही हर पहलू की जांच

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास एक युवक और नाबालिग लड़की का शव मिला है। मौके से पाकिस्तानी सिम और आईडी कार्ड भी मिला है। इसकी पुष्टि जिले के एसपी ने की। एसपी के मुताबिक ये दोनों शव जैसलमेर जिले के साधेवाला क्षेत्र में स्थित भारत-पाकिस्तान सीमा के पास मिले। मृतकों में एक 18 साल का युवक और एक 15 साल की नाबालिग लड़की है। शवों की हालत से लगता है कि दोनों की मौत करीब सात दिन पहले हुई होगी। शव भारत-पाक तारबंदी से 10-12 किलोमीटर अंदर भारतीय क्षेत्र में मिले हैं। आईडी कार्ड के मुताबिक युवक का नाम रवि कुमार है। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास दो शव मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गईं। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और बीएसएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जैसलमेर एसपी ने बताया कि मामला संवेदनशील है और हर पहलू से जांच की जा रही है। घटनास्थल के आसपास के गांवों में भी पूछताछ जारी है। शुरुआती जांच में शवों के पास कोई हथियार या जहरीला पदार्थ नहीं मिला है। मौत का कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। पाकिस्तानी सिम कार्ड और आईडी कार्ड मिलने से कई सवाल खड़े हो हैं। क्या यह सीमा पार प्रेम प्रसंग का मामला है या घुसपैठ की कोशिश या फिर कोई साजिश? हालांकि, यह साफ नहीं हो सका है कि वे दोनों भारतीय सीमा में क्या करने आए थे। फिलहाल मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तनोट पुलिस, जैसलमेर पुलिस और बीएसएफ संयुक्त रूप से जांच कर रही हैं। खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हैं।

संविधान बदलने की बात कोई आकस्मिक बयान नहीं, बल्कि एक गहरी साजिश है: सैलजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी और उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से बार-बार भारतीय संविधान को बदलने की बात कोई आकस्मिक बयान नहीं, बल्कि एक गहरी साजिश का हिस्सा है। यह एक सुव्यवस्थित एजेंडा है, जिसका उद्देश्य डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा रचित हमारे संविधान की आत्मा पर सीधा आघात करना है।

बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि आरएसएस और भाजपा की विचारधारा को संविधान असहज करता है क्योंकि यह संविधान समता, सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों की गारंटी देता है। यही संविधान सदियों से वंचित समाजों को अधिकार, सम्मान और अवसर प्रदान करता आया है। अब उन्हीं अधिकारों को छीनने की कोशिश की जा रही है। कभी आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी सार्वजनिक रूप से संविधान को बदलने की बात करते हैं, तो कभी भाजपा सरकार के मंत्री ऐसे बयानों और नीतियों को बढ़ावा देते हैं जो सीधे संविधान की मूल भावना के विरुद्ध हैं। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मानती है कि भारतीय संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की

आत्मा है। यह संविधान ही है जिसने भारत को विविधता में एकता के सूत्र में पिरोया, हर नागरिक को समान अधिकार और अवसर दिए। इसे कमजोर करने या बदलने की किसी भी कोशिश को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सांसद सैलजा ने कहा कि वे स्पष्ट करना चाहती है कि कांग्रेस पार्टी ऐसे किसी भी विचार, नीति या प्रयास का डटकर विरोध करेगी जो संविधान के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध हो। बाबा साहेब आंबेडकर ने जिस संविधान का निर्माण किया, वह करोड़ों दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं के संघर्ष का परिणाम है। उस पर हमला करना दरअसल इन सभी वर्गों की आवाज को दबाने की कोशिश है। हम भाजपा और आरएसएस के इस संविधान विरोधी एजेंडे को देश के हर कोने में बेनकाब करेंगे। हम जनता को जागरूक करेंगे, और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि संविधान की रक्षा के लिए यह समय एकजुट होने का है।

ओवैसी बोले- बिहार में एनडीए को रोकना है तो एकजुट हो जाओ

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम महागठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की कवायद में जुटी है। पार्टी की तरफ से दावा किया गया है कि आरजेडी और कांग्रेस के नेताओं के साथ उनकी बातचीत चल रही है। हालांकि महागठबंधन को लीड कर रहे तेजस्वी यादव ने एक इंटरव्यू में कहा था कि इस मामले पर कोई चर्चा नहीं हुई है। इस बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बिहार में इंडिया अलायंस को खुला ऑफर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर महागठबंधन बिहार में एनडीए की सत्ता में वापसी को रोकना चाहता है, तो हम साथ चलने को तैयार हैं। लेकिन फैसला महागठबंधन के सहयोगी दलों को लेना है। अगर वो तैयार नहीं होते हैं। तो हमारी पार्टी सीमांचल के बाहर भी चुनाव लड़ेगी।

एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि अगर वो गठबंधन को तैयार नहीं होते हैं, तो हम सीमांचल और सीमांचल के बाहर भी चुनाव लड़ेंगे। मैं हर जगह चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं। आने वाले समय का इंतजार करें। सीटों की सटीक संख्या की घोषणा करना अभी जल्दबाजी होगी। हालांकि बहादुरगंज और ढाका की सीट के प्रत्याशियों का ऐलान कर चुका हूं। ओवैसी ने कहा कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने महागठबंधन के कुछ नेताओं से बात की है, और उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि हम नहीं चाहते कि बिहार में भाजपा या एनडीए की सत्ता में वापसी हो। अब यह उन राजनीतिक दलों पर निर्भर है, जो एनडीए को बिहार में सत्ता में वापसी से रोकना चाहते हैं। 5 साल पहले, मैंने व्यक्तिगत रूप से भी इसकी कोशिश की थी। लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। इस बार भी हमारे प्रदेश अध्यक्ष कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह उन पर निर्भर है। इससे पहले ओवैसी 50 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कह चुके हैं। बता दें 2020 में एआईएमआईएम ने 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जिसमें से पांच सीटें जीती थीं। हालांकि बाद में एआईएमआईएम के 4 विधायक राजद में चले गए थे। और अब सिर्फ एक मात्र विधायक अख्तरूल ईमान हैं। पार्टी को इन 20 सीटों पर डाले गए वोटों का 14.28 प्रतिशत वोट मिला था। एआईएमआईएम ने जो पांच सीटें जीती थीं, वो सभी पूर्वी बिहार के मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र में आती हैं।

नाइजीरियन गिरोह का मुंबई से नेपाल तक फैला है नशे का कारोबार

-नारकोटिक्स क्राइम ब्रांच ने अब तक 400 से ज्यादा तस्करों को किया गिरफ्तार

गुरुग्राम (एजेंसी)। दिल्ली में नाइजीरियन गिरोह के तार मुंबई और नेपाल तक फैले हैं। नाइजीरियन गिरोह कोकेन और एमडीएमए जैसे मादक पदार्थों को बाजार में तस्करों के जरिए सप्लाई करता है। गुरुग्राम एंटी नारकोटिक्स क्राइम ब्रांच ने बीते एक महीने में कई ऐसे तस्करों को दबोचा है, जो गिरोह के लिए मुंबई और नेपाल में भी काम कर रहे थे।

जानकारी के मुताबिक पिछले सप्ताह गुरुग्राम पुलिस ने दिल्ली से सात नाइजीरियन समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया था। इसमें एक नेपाली तस्कर गुरुग्राम में नाइजीरिया के नागरिक को मादक पदार्थ देने आया था। इससे पूछताछ के बाद गिरोह में शामिल एक महिला समेत आठ लोगों को पकड़ा गया था। यह गिरोह विदेश से डार्क वेब के जरिए कच्चा माल मंगवाता था और एनसीआर व अन्य राज्यों के साथ नेपाल में कोकेन की सप्लाई करता था। क्राइम सेल ने 24 जून को एक और नाइजीरियन को सेक्टर 57 हुडा मार्केट में एमडीएमए की सप्लाई करने के दौरान पकड़ा था। यह पहले मुंबई में नाइजीरियन गिरोह के लिए काम करता था। वहां डेढ़ साल तक जेल में रहने के बाद यह दिल्ली के नाइजीरियन गिरोह के लिए काम करने लगा। ताजा मामला मुंबई का है। यहां पिछले दिनों छह किलो कोकेन बरामद की गई। इसकी कीमत करीब 53 करोड़ की थी। मुंबई में इसकी सप्लाई करने वाले दो लोग दुबई से पहले दिल्ली आए। यहां लोकल रूट का इस्तेमाल कर मुंबई पहुंचे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में इनकी मदद यहां के मादक पदार्थ गिरोह में शामिल कुछ लोगों द्वारा की गई। नारकोटिक्स सेल ने बताया कि मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले कुछ गिरोह हिमाचल से सुल्फा व अन्य तरह का कच्चा माल भी मंगाते हैं।

नारकोटिक्स सेल ने बताया कि पकड़े गए कई तस्करों से पूछताछ में इनके द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी में डार्क वेब और सिग्नल एप के इस्तेमाल की जानकारी मिली है। पकड़े गए तस्कर एक-दूसरे को जानते भी नहीं है। इन्हें गिरोह में रखवाने वाला कोई तीसरा व्यक्ति होता है। इसलिए पूछताछ में इनसे चेन में शामिल अन्य ज्यादा लोगों के बारे में या गिरोह के सरगना की जानकारी नहीं मिल पाती। नारकोटिक्स सेल के अनुसार पिछले एक साल में नशा तस्करी करने के मामले में 400 से ज्यादा आरोपितों को पकड़ा जा

चुका है। इनमें 25 से ज्यादा नाइजीरियन शामिल हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**